SCERT
स्वाध्यायान्मा प्रमदः
दिल्ली सरकार

कक्षा
8

New Era of Entrepreneurial Ecosystem & Vision
उद्यमिता परिवेश एवं दृष्टिकोण का नवीन युग
(NEEEV)

शिक्षक निर्देशिका 2026-27

राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, दिल्ली

उद्यमिता परिवेश एवं दृष्टिकोण का नवीन युग

(NEEEV)

सोच से सृजन तक - उद्यमिता की उड़ान

शिक्षक निर्देशिका 2026-27

कक्षा 8

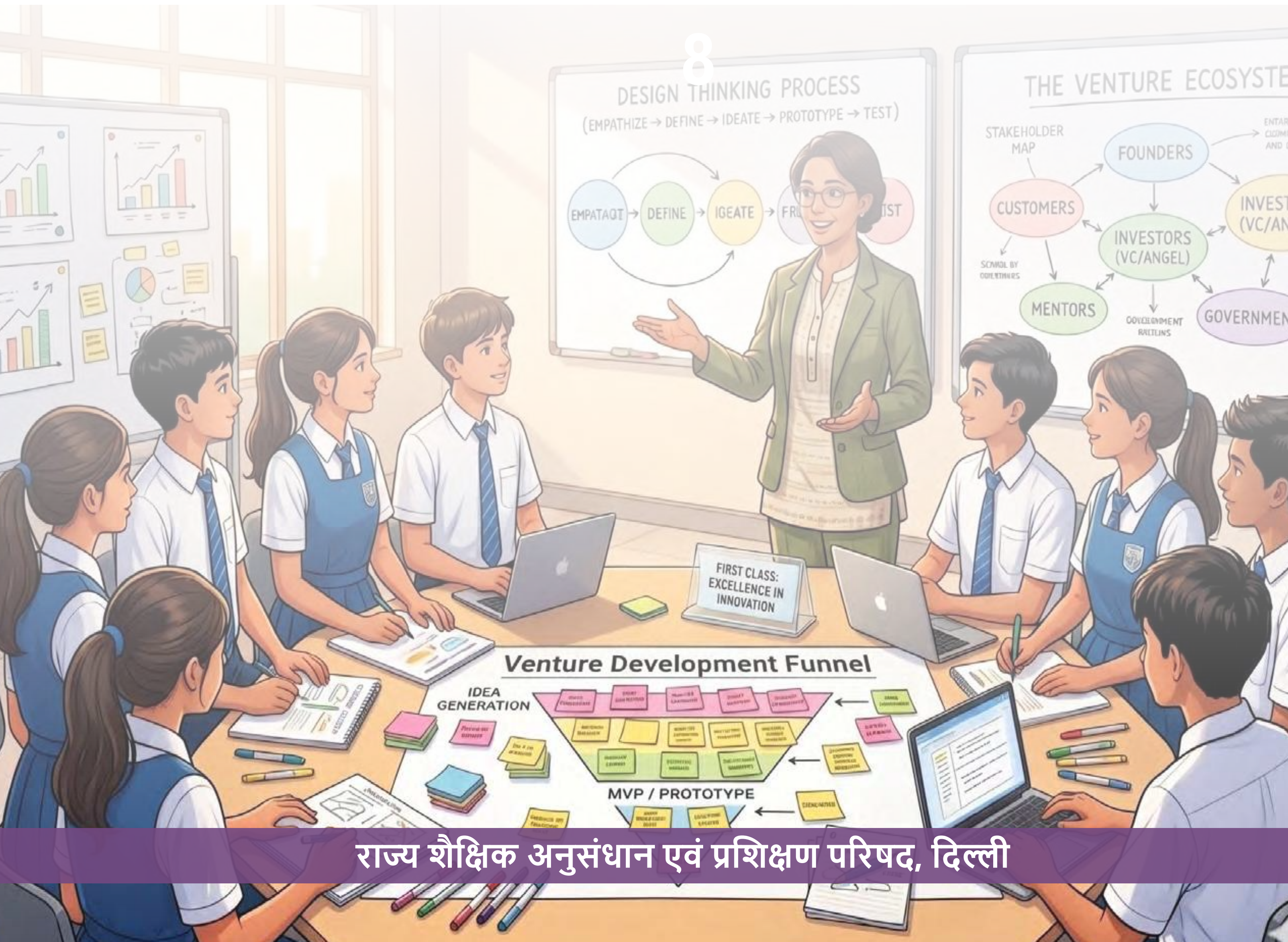

राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, दिल्ली

उद्यमिता परिवेश एवं दृष्टिकोण का नवीन युग (NEEEV) शिक्षक निर्देशिका कक्षा 8
February, 2026
Copies : 4140

Published by:

State Council of Educational Research and Training (SCERT)

ISBN No.: 978-93-6291-018-9

© 2026 SCERT. All rights reserved.

First Edition: 2026

No part of this publication may be reproduced, stored in a retrieval system, or transmitted in any form or by any means electronic, mechanical, photocopying, recording, or otherwise without prior written permission from the publisher.

This publication has been designed as part of SCERT's mission to provide high-quality, innovative educational resources that empower teachers and students across the state. It aims to foster 21st-century skills, including creativity, critical thinking, problem-solving, and real-world application of knowledge.

The content is intended solely for academic purposes and is not for commercial sale or distribution.

Printed at : M/s Chandu Press, D-97, Shakarpur, Delhi- 110092.

रेखा गुप्ता

मुख्यमंत्री, दिल्ली

संदेश

हमारे माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने भारत के युवाओं को न केवल आकांक्षी पेशेवरों के रूप में नहीं बल्कि उद्यम सृजन करने वाले नवप्रवर्तकों के रूप में देखा है। स्टार्टअप इंडिया तथा अटल नवाचार मिशन (AIM) जैसी पहल ने उनकी इस दूरदर्शी सोच को साकार रूप दिया है और देश में नवाचार एवं उद्यमिता की संस्कृति को सुदृढ़ किया है। ये परिवर्तनकारी कदम प्रत्येक युवा मस्तिष्क की सृजनात्मक क्षमता को उजागर करने की दिशा में महत्त्वपूर्ण हैं।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 इस दूरदृष्टि को आगे बढ़ाते हुए कौशल-आधारित तथा अनुभवात्मक अधिगम पर विशेष बल देती है, जो विद्यार्थियों को गतिशील विश्व में सफलता हेतु सक्षम बनाता है। इसी क्रम में 'उद्यमिता परिवेश एवं दृष्टिकोण का नवीन युग (NEEEV)' योजना इन परिवर्तनकारी प्रयासों को समर्थन प्रदान करती है। इसका उद्देश्य हमारे कक्षाओं के भीतर ही उद्यमी चिंतन के बीज बोना है।

यह निर्देशिका हमारे उस सतत प्रयास की आधारशिला है, जिसके माध्यम से हम शिक्षण स्थलों को नवाचार के केंद्रों में परिवर्तित करना चाहते हैं। ऐसे केंद्र जहाँ विद्यार्थियों को विचार उत्पन्न करने, अन्वेषण करने तथा पहल करने के लिए प्रोत्साहित किया जाए।

इस निर्देशिका का प्रकाशन भविष्य के लिए तत्पर, आत्मनिर्भर, सृजनशील एवं समाज तथा अर्थव्यवस्था में सार्थक योगदान देने में सक्षम पीढ़ी के निर्माण के प्रति हमारी सामूहिक प्रतिबद्धता का प्रमाण है।

मैं इस निर्देशिका के विकास में योगदान देने वाले सभी शिक्षकों, पाठ्यक्रम विशेषज्ञों एवं सहयोगियों के प्रति अपनी हार्दिक सराहना व्यक्त करती हूँ। यह निर्देशिका एक प्रेरणा-दीप के रूप में कार्य करे और हमारे राज्य सहित देशभर के विद्यालयों को उद्यमिता की भावना को अपनाने तथा प्रत्येक शिक्षार्थी में सृजन, नवाचार और नेतृत्व का साहस जागृत करने हेतु प्रेरित करे।

Rekha Gupta

(रेखा गुप्ता)

National Capital Territory of Delhi, Delhi Secretariat, I.P. Estate, New Delhi-110002
Phone No. 011-23392006, 011-23392020, 011-23392030 || Email- cmdelhi@nic.in

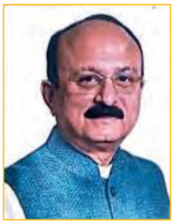

आशीष सूद

गृह, ऊर्जा, शहरी विकास, शिक्षा, उच्च शिक्षा, प्रशिक्षण एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री
राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली सरकार

संदेश

प्रिय विद्यार्थियों एवं शिक्षकों,

हमारा देश एक नए दौर के प्रवेश द्वार पर खड़ा है, जहाँ नवाचार, आत्मनिर्भरता और उद्यमिता हमारे भविष्य की दिशा निर्धारित करेंगे। इसी दृष्टिकोण को ध्यान में रखते हुए 'उद्यमिता परिवेश एवं दृष्टिकोण का नवीन युग (NEEEV)' पाठ्यक्रम को विकसित किया गया है।

NEEEV केवल एक पाठ्यक्रम नहीं है, यह सोचने और कार्य करने की एक नई पद्धति है। यह हमें सिखाता है कि प्रत्येक विचार, चाहे वह कितना भी छोटा क्यों न हो यदि उसे परिश्रम और समर्पण के साथ आगे बढ़ाया जाए तो वह समाज में व्यापक परिवर्तन ला सकता है।

इस योजना के माध्यम से विद्यार्थी समस्याओं को अवसरों में बदलना, विचारों को साकार रूप देने वाले समूह बनाना सीखेंगे तथा यह समझेंगे कि असफलता भी विकास की एक आवश्यक प्रक्रिया है। यह उन्हें आत्मविश्वासी, सृजनशील और उत्तरदायी नागरिक बनने के लिए प्रेरित करेगा।

हमारे शिक्षक इस यात्रा के वास्तविक मार्गदर्शक हैं। वे केवल ज्ञान प्रदान नहीं करते अपितु विद्यार्थियों में आत्मविश्वास और संकल्प भी जागृत करते हैं। मुझे विश्वास है कि NEEEV दिल्ली के प्रत्येक विद्यालय में नवाचार और उद्यमिता की नई ऊर्जा का संचार करेगा।

आइए, हम सब मिलकर यह सुनिश्चित करें कि प्रत्येक बच्चा केवल रोजगार खोजने वाला नहीं बल्कि अवसरों का सृजनकर्ता बने, जो अपने सपनों के साथ-साथ राष्ट्र को भी नई ऊंचाइयों तक ले जाए।

(आशीष सूद)

A-Wing, 7th Level, Delhi Secretariat, I.P. Estate, New Delhi-110002
Tel. No.:23392116, 23392117 Email : min-hep@delhi.gov.in

पांडुरंग के. पोले, भा.प्र.से
सचिव (शिक्षा)

PANDURANG K. POLE, IAS
SECRETARY (Education)

सत्यमेव जयते

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली सरकार
पुराना सचिवालय, दिल्ली–110054
दूरभाष: 011–23890187, 23890119
Government of National Capital Territory of Delhi
Old Secretariat, Delhi-110054
Phone: 23890187, 23890119
E-mail : sccyedu@nic.in

संदेश

आज के तीव्र परिवर्तनशील विश्व में शिक्षा केवल ज्ञान के संप्रेषण तक सीमित नहीं रह सकती। शिक्षा को अब केवल ज्ञान प्रदान करने से आगे बढ़कर बच्चों को नेतृत्व करने, वास्तविक समस्याओं का समाधान करने और निरंतर विकसित होती दुनिया के अनुरूप स्वयं को ढालने में सक्षम बनाना होगा। वैश्विक अर्थव्यवस्था और आजीविका परिदृश्य में व्यापक परिवर्तन के इस दौर में हमारे विद्यालयों में उद्यमी मानसिकता का विकास पहले से अधिक आवश्यक हो गया है।

'उद्यमिता परिवेश एवं दृष्टिकोण का नवीन युग (NEEEV)' योजना इसी दिशा में एक साहसिक एवं दूरदर्शी पहल है। इसका उद्देश्य विद्यालय स्तर से ही विद्यार्थियों में आलोचनात्मक चिंतन, सृजनात्मकता, नेतृत्व क्षमता तथा लचीलापन विकसित करना है। हमारे विद्यालय ही राज्य की भावी कार्य शक्ति और नवाचार क्षमता की आधारशिला हैं।

यह निर्देशिका ऐसे शैक्षिक परिवेश के निर्माण के लिए तैयार की गई है, जहाँ विद्यार्थी स्वतंत्र रूप से सोच सकें, नैतिक रूप से कार्य कर सकें तथा स्थानीय और वैश्विक चुनौतियों का आत्मविश्वास के साथ सामना कर सकें। यह हमारे शिक्षकों को उचित दृष्टिकोण और मार्गदर्शन के साथ इन उद्देश्यों की प्राप्ति में सहयोग प्रदान करेगी। आने वाले वर्षों में हम ऐसे अधिक से अधिक विद्यालयों की कल्पना करते हैं जो विद्यार्थियों को विचार-सृजन, सहयोगात्मक समस्या-समाधान और सामुदायिक परियोजनाओं में सक्रिय रूप से संलग्न करें, जिनका विस्तार पाठ्यपुस्तकों की सीमाओं से कहीं आगे तक हों।

यह निर्देशिका शिक्षकों को NEEEV की परिकल्पना को व्यवहारिक रणनीतियों, कक्षा-गतिविधियों और चिंतनशील अभ्यासों के माध्यम से लागू करने में सहायक होगी। यह हमारे उस विश्वास को प्रतिबिंबित करती है कि प्रत्येक विद्यार्थी में ऐसे विचार विकसित करने की क्षमता है, जो उनके आस-पास की दुनिया को सकारात्मक रूप से परिवर्तित कर सकते हैं।

आइए, हम सब मिलकर NEEEV को परिवर्तन का उत्प्रेरक बनाएँ, जहाँ प्रत्येक विद्यालय नवाचार का केंद्र बने, प्रत्येक शिक्षक भावी नेतृत्व का मार्गदर्शक बने और प्रत्येक विद्यार्थी राज्य तथा राष्ट्र की प्रगति में सक्रिय योगदानकर्ता बने।

(पांडुरंग के. पोले)

वेदिता रेड्डी, भा.प्र.से.
निदेशक, शिक्षा एवं खेल

सत्यमेव जयते

Directorate of Education
Govt. of NCT of Delhi
Room No. 12, Old Secretariat
Near Vidhan Sabha,
Delhi-110054
Ph.: 011-23890172
E-mail : diredu@nic.in

संदेश

हम आज ऐसे समय में जी रहे हैं, जब विश्व पहले से कहीं अधिक तीव्र गति से बदल रहा है। इस परिवर्तित परिदृश्य में सृजनात्मकता, अनुकूलनशीलता और समस्या-समाधान की क्षमता उतनी ही महत्त्वपूर्ण है, जितनी शैक्षणिक उपलब्धियाँ। एक शिक्षक के रूप में हमारा दायित्व केवल विद्यार्थियों को परीक्षाओं के लिए तैयार करना नहीं बल्कि उन्हें जीवन की व्यापक चुनौतियों के लिए सक्षम बनाना है।

'उद्यमिता परिवेश एवं दृष्टिकोण का नवीन युग (NEEEV)' योजना हमारे युवाओं को आत्मनिर्भर, नवाचारी और सामाजिक रूप से जागरूक नागरिकों के रूप में विकसित करने की प्रतिबद्धता का प्रतीक है, जो आत्मविश्वास और संवेदनशीलता के साथ भविष्य का निर्माण कर सकें।

NEEEV का उद्देश्य एक सशक्त, व्यावहारिक और दूरदर्शी दृष्टिकोण के माध्यम से विद्यालयों को उद्यमी अधिगम के जीवंत केंद्रों में परिवर्तित करना है। इस निर्देशिका के माध्यम से हमारा प्रयास है कि उद्यमिता केवल औपचारिक कक्षाओं तक सीमित न रहे। प्रत्येक कक्षा एक ऐसा मंच बने, जहाँ हर विद्यार्थी, चाहे उनका सामाजिक या आर्थिक परिवेश कोई भी हो वह विचारों की खोज कर सके, पहल कर सके और नेतृत्व गुणों का विकास कर सके। यह केवल भविष्य के व्यवसायियों को तैयार करने तक सीमित नहीं है बल्कि एक ऐसी मानसिकता विकसित करने पर बल देती है, जो चुनौतियों को अवसर के रूप में स्वीकार करें, उत्तरदायित्व निभाए और समुदाय के व्यापक हित में योगदान दे। यह निर्देशिका एक ऐसे शैक्षिक वातावरण की परिकल्पना करती है, जहाँ शिक्षक मार्गदर्शक की भूमिका निभाते हुए विद्यार्थियों को स्वतंत्र चिंतन, सहयोगात्मक कार्य तथा विचारों को क्रियान्वयन में बदलने के लिए प्रेरित करें।

आइए, हम सब मिलकर एक ऐसे युग की शुरुआत करें, जहाँ हमारे विद्यार्थी कर्मशील, स्वप्नदृष्टा और परिवर्तन के अग्रदूत बनें।

Veditha

(वेदिता रेड्डी, भा.प्र.से.)

डॉ. रीता शर्मा
निदेशक, एस.सी.ई.आर.टी.

SCERT
स्वाध्यायान्मा प्रमदः

STATE COUNCIL OF EDUCATIONAL
RESEARCH and TRAINING
(An autonomous Organisation of GNCT of Delhi)
Varun Marg, Defence Colony, New Delhi-110024
Tel.: +91-11-24331356
E-mail : dir12scert@gmail.com

संदेश

आज की कक्षाएँ केवल शैक्षणिक उत्कृष्टता तक सीमित नहीं रह सकतीं, उन्हें विद्यार्थियों को सृजनात्मक चिंतक, नवप्रवर्तक और भविष्य के नेतृत्वकर्ता बनने के लिए प्रेरित करना होगा। 'उद्यमिता परिवेश एवं दृष्टिकोण का नवीन युग (NEEEV)' योजना विद्यालयी शिक्षा में उद्यमी कौशलों को समाहित करते हुए इस लक्ष्य की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण कदम है। यह निर्देशिका हमारे शिक्षकों को आत्मनिर्भर, नवाचारी और सामाजिक रूप से उत्तरदायी युवा उद्यमियों की पीढ़ी तैयार करने में सहयोग प्रदान करने के उद्देश्य से विकसित की गई है।

NEEEV का मूल दर्शन विभिन्न विषयों में उद्यमी कौशलों के समन्वित समावेशन पर आधारित है, जिससे विद्यार्थी अपने दैनिक अधिगम में आलोचनात्मक और सृजनात्मक चिंतन विकसित कर सकें। यह योजना विद्यार्थियों को प्रोटोटाइप बनाने, प्रयोग करने और आत्मविश्वास के साथ अपने विचारों को साकार करने के अवसर प्रदान करती है। यह पहल विद्यार्थियों को स्टार्टअप जगत के उन अनुभवी मार्गदर्शकों से जोड़ती है, जिन्होंने स्वयं सफलता की इस यात्रा को तय किया है ताकि उन्हें उद्यमिता का वास्तविक और व्यावहारिक मार्गदर्शन मिल सके। इस प्रकार शिक्षार्थियों को ऐसी चुनौतियों से परिचित कराया जाता है जो सतत नवाचार और सहयोग की भावना को प्रोत्साहित करती हैं।

सबसे महत्त्वपूर्ण बात यह है कि NEEEV एक समावेशी संस्कृति को बढ़ावा देती है, जहाँ किसी भी पृष्ठभूमि का बच्चा सार्थक योगदान देने और वास्तविक जीवन की समस्याओं के समाधान विकसित करने के लिए सशक्त बनता है। यह निर्देशिका शिक्षकों के लिए एक मार्गदर्शिका होने के साथ-साथ विद्यार्थियों के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का प्रतीक है कि उनके विचार महत्त्वपूर्ण हैं और उनका भविष्य उज्ज्वल है।

आइए, हम सब मिलकर ऐसे विद्यालयों का निर्माण करें, जहाँ नवाचार फले-फूले और प्रत्येक शिक्षार्थी साहस, संवेदनशीलता और सृजनात्मकता के साथ नेतृत्व करने के लिए तैयार हो।

(डॉ. रीता शर्मा)

प्रस्तावना

आज विश्व में शिक्षा का परिदृश्य अभूतपूर्व रूप से परिवर्तित हो रहा है, जहाँ अधिगम अब केवल पाठ्यपुस्तकों और परीक्षाओं तक सीमित नहीं रहा है। आज समय की आवश्यकता है कि हमारी शिक्षा प्रणाली के भीतर एक सशक्त उद्यमी परिवेश विकसित किया जाए, जो शिक्षार्थियों को वास्तविक जीवन की चुनौतियों की पहचान करने, सहयोगात्मक रूप से कार्य करने, नवाचारी विचार प्रस्तुत करने, असफलताओं से सीखने तथा समाज के लिए मूल्य सृजित करने में सक्षम बनाए। ऐसा उद्यमी परिवेश विद्यार्थियों को न केवल भविष्य के व्यवसायों के लिए बल्कि उत्तरदायी नागरिक बनने के लिए भी तैयार करता है, जिसमें लचीलापन, अवसरों की पहचान, नैतिक निर्णय क्षमता तथा समाधान-केंद्रित दृष्टिकोण का विकास होता है।

'उद्यमिता परिवेश एवं दृष्टिकोण का नवीन युग (NEEEV)' योजना को दिल्ली सरकार द्वारा सितंबर 2025 में प्रारंभ किया गया, जिसका उद्देश्य विद्यालयी शिक्षा में उद्यम-उन्मुख क्षमताओं का समावेशन करना है। NEEEV, राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 के अनुरूप है, जो दक्षता-आधारित अधिगम, अनुभवात्मक शिक्षण पद्धति तथा 21वीं सदी की क्षमताओं पर बल देती है। यह 'विकसित भारत 2047' की राष्ट्रीय परिकल्पना के साथ भी सामंजस्य स्थापित करती है, जिसके अंतर्गत आत्मविश्वासी, सक्षम एवं राष्ट्र-निर्माण के लिए तत्पर युवाओं का निर्माण लक्ष्य है। उभरती प्रौद्योगिकियों के परिवर्तित प्रभाव को ध्यान में रखते हुए, यह योजना विद्यार्थियों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) के प्रति जागरूकता और उसके उत्तरदायी उपयोग को प्रोत्साहित करती है, जैसे कि विचार-सृजन, शोध, प्रोटोटाइप निर्माण, संप्रेषण और उत्पादकता में के साथ ही नैतिकता, पूर्वाग्रह और डेटा गोपनीयता की समझ विकसित करती है।

NEEEV के अंतर्गत विकसित यह निर्देशिका एक संरचित अधिगम मार्गदर्शिका के रूप में कार्य करती है, जो विद्यार्थियों की क्षमताओं को आधारभूत अवधारणाओं से लेकर व्यावहारिक अनुप्रयोगों तक क्रमिक रूप से विकसित करने में सहायक है। यह वित्तीय एवं डिजिटल साक्षरता, संप्रेषण कौशल, सहकार्यता, समस्या-समाधान, अभिकल्प चिंतन, बाज़ार की समझ, प्रलेखन तथा प्रस्तुतीकरण जैसे आवश्यक कौशलों का भी सुदृढ़ीकरण करती है। संरचित गतिविधियों, सहपाठी अधिगम और वास्तविक जीवन से जुड़े संदर्भों के माध्यम से विद्यार्थियों के विचारों को सार्थक समाधानों में रूपांतरित किया जाएगा, सहयोग से सुदृढ़ किया जाएगा तथा उत्तरदायी प्रभाव की दिशा में मार्गदर्शित किया जाएगा। यह निर्देशिका विद्यार्थियों में नवाचार से संबंधित विधिक एवं नियामकीय जागरूकता, जैसे- आधारभूत अनुबंध, बौद्धिक संपदा, उपभोक्ता जागरूकता, साइबर सुरक्षा, डेटा गोपनीयता एवं अनुपालन को भी प्रोत्साहित करती है। यह नैतिक मानकों और सामाजिक उत्तरदायित्व के साथ समन्वित होकर समावेशी और सतत समाधानों के विकास को सक्षम बनाती है।

यह निर्देशिका केवल एक अधिगम संसाधन नहीं बल्कि एक परिवर्तनकारी उत्प्रेरक के रूप में परिकल्पित है, जो सभी विद्यालयों में एक सशक्त उद्यमी परिवेश के निर्माण में सहायक होगी। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को ऐसे भावी उद्यमियों के रूप में विकसित करना है, जो विद्यालय समुदाय के भीतर और उससे आगे सतत विकास को गति प्रदान करें।

डॉ. सपना यादव
सहायक प्राध्यापक / अध्यक्ष, NEEEV
एस.सी.ई.आर.टी., दिल्ली

विषय-सूची

क्र.स.	अध्याय का नाम	पृष्ठ संख्या
अध्याय 1	NEEEV का परिचय	1
अध्याय 2	उद्यमिता की खोज	7
अध्याय 3	उद्यमिता पारिस्थितिकी तंत्र का परिचय	15
अध्याय 4	एक उद्यमी की तरह सोचें	19
अध्याय 5	स्वयं की खोज	27
अध्याय 6	डिज़ाइन थिंकिंग का परिचय	34
अध्याय 7	डिजिटल दुनिया की खोज	42
अध्याय 8	वित्तीय साक्षरता की नींव	48
अध्याय 9	मूलभूत कानूनी सिद्धांत	54

NEEEV योजना

आइए नीव योजना के बारे में जानते हैं

उद्यमिता शिक्षा की बदलती आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए यह शिक्षक निर्देशिका एक व्यावहारिक गाइड के रूप में तैयार की गई है। इसका उद्देश्य केवल सैद्धांतिक ज्ञान तक सीमित न रहकर शिक्षार्थियों को वास्तविक जीवन के लिए तैयार करना है। NEEEV दृष्टिकोण अनुभवात्मक और शिक्षार्थी-केंद्रित शिक्षण को बढ़ावा देता है जहाँ शिक्षक अवसर पहचानने, समस्या समाधान, नवाचार और मूल्य निर्माण में शिक्षार्थियों का मार्गदर्शन करते हैं।

यह निर्देशिका उद्यमिता पाठ्यक्रम की दृष्टि से जुड़ी हुई है और राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 के सिद्धांतों को दर्शाती है। इसमें दक्षता-आधारित शिक्षा, कौशल विकास, अनुभवात्मक सीख और रोजगार-योग्यता पर बल दिया गया है। साथ ही यह राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा (NCFSE) 2023 से भी मेल खाती है जो समग्र विकास, अंतर्विषयक शिक्षा और अनुप्रयोग-आधारित समझ को प्रोत्साहित करती है।इसके अतिरिक्त, यह सतत विकास लक्ष्यों (SDGs) से भी जुड़ी है क्योंकि यह ज़िम्मेदार, समावेशी और टिकाऊ उद्यमिता को बढ़ावा देती है। गतिविधियों, चिंतन और स्टार्टअप अनुभवों के माध्यम से NEEEV शिक्षार्थियों को आत्मविश्वासी, नैतिक और भविष्य के लिए तैयार नागरिक बनने में मदद करती है जो समाज और अर्थव्यवस्था में सार्थक योगदान दे सकें।

NEEEV योजना की संरचना

कक्षा में सीखना

उद्योग / इनक्यूबेशन भ्रमण

NEEEV संवाद

स्टार्टअप स्टॉर्मर्स प्रतियोगिता

विशेष कौशल कार्यशालाएँ

प्रत्येक घटक की विस्तार से निम्नलिखित अनुभागों में चर्चा की गई है

कक्षा में संरचना

कक्षा में संरचना का मतलब है कि सप्ताह में एक बार NEEEV सत्र आयोजित किया जाएगा। यह सत्र एक व्यवस्थित और सहयोगात्मक तरीके से होगा। सभी अवधारणाएँ और गतिविधियाँ शिक्षार्थी निर्देशिका के अनुसार होंगी। शिक्षक चर्चा और कार्यों को उसी निर्देशिका के अनुसार संचालित करेंगे और दिए गए "करें" और "न करें" का ध्यान रखेंगे।
मुख्य ध्यान अनुभवात्मक सीखने पर होगा न कि केवल व्याख्यान देने पर।

शिक्षक पुस्तिका का प्रभावी ढंग से उपयोग कैसे करें

कार्य (ACTIONS)	क्या करें (DOs)	क्या न करें (DON'Ts)
शिक्षार्थी पुस्तिका से शुरुआत करें	• कक्षा से पहले शिक्षार्थी पुस्तिका पढ़ें • कहानियाँ, गतिविधियाँ और साप्ताहिक कार्य समझें • पहले से प्रश्न/संकेत तैयार करें • पिछली और अगली कक्षा के बीच जुड़ाव बनाए रखें	• शिक्षार्थी पुस्तिका की सामग्री को ना तो दोहराएँ और ना ही सीधे पढ़ाएँ • गतिविधियों को समझे बिना कक्षा शुरू ना करें • शिक्षक पुस्तिका को केवल पढ़ने का स्क्रिप्ट ना मानें
समझाने से पहले अनुभव से शुरुआत करें	• गतिविधि/कहानी/जीवन से जुड़े उदाहरण से शुरुआत करें • पहले बच्चों को सोचने और बोलने का मौका दें • अवलोकन और भागीदारी को बढ़ावा दें	• शुरुआत सीधे परिभाषाओं से ना करें • पूर्वनिर्मित उत्तर तुरंत ना दें • लंबे लेक्चर देकर कक्षा पर हावी ना हों
चिंतन और सोच को बढ़ावा दें (Facilitate Reflection & Thinking)	• खुले प्रश्न पूछें • अलग-अलग विचारों को स्वीकार करें • सीख को जीवन से जोड़ें • प्रत्येक बच्चे को बोलने का अवसर दें	• उत्तर को सही/गलत का टैग ना दें • सोचने का समय जल्दी-जल्दी समाप्त ना करें • शांत रहने वाले बच्चों को नजरअंदाज ना करें
अनुभव के बाद अवधारणा समझाएँ	• चर्चा के बाद अवधारणा समझाएँ • सार के लिए बोर्ड का उपयोग करें • स्पष्टता के लिए कॉन्सेप्ट बॉक्स का सहारा लें	• परिभाषाएँ रटवाने जैसा ना करें • गतिविधियों को लेक्चर में ना बदलें • अनुभव से पहले अवधारणा ना बताएं

कार्य (ACTIONS)	क्या करें (DOs)	क्या न करें (DON'Ts)
उद्यमशील कौशल का विकास करें	• सोचने और समझने की क्षमता पर ध्यान दें • समस्या हल करने की आदत बढ़ाएँ • रचनात्मकता और नए विचारों को बढ़ावा दें संवाद और टीम में काम करने की क्षमता विकसित करें • सही निर्णय और नैतिक सोच को प्रोत्साहित करें • आत्मविश्वास बढ़ाएँ	• केवल पाठ्यक्रम पूरा करने पर ध्यान ना दें • सीखने से ज्यादा परफेक्शन पर बल ना दें • अलग या नए विचारों को हतोत्साहित ना करें
कक्षा प्रबंधन का तरीका	• सुरक्षित और सम्मानजनक माहौल बनाए रखें • सभी को शामिल होने का मौका दें • बच्चों को एक-दूसरे से सीखने दें • प्रयास और सुधार की सराहना करें	• बच्चों की आपस में नकारात्मक तुलना ना करें • मज़ाक या अपमान की अनुमति ना दें • समझ से ज्यादा तेज़ी को महत्त्व ना दें
साप्ताहिक कार्यों का उपयोग	• कार्य का उद्देश्य साफ-साफ समझाएँ • रचनात्मकता को बढ़ावा दें • कार्यों पर कक्षा में चर्चा करें • अगली कक्षा में फिर से देखें और बात करें • विभिन्न प्रतिक्रियाएँ स्वीकार करें	• इन्हें परीक्षा जैसा ना बनाएं • एक जैसे जवाब की उम्मीद ना करें • बहुत सख्ती से अंक ना दें

NEEEV संवाद (NEEEV Dialogue)

NEEEV संवाद एक इंटरैक्टिव चर्चा मंच है जहाँ कक्षा 8 से 12 तक के शिक्षार्थी उद्यमियों, पेशेवरों, मार्गदर्शकों या अपने साथियों के साथ बातचीत करते हैं। इस दौरान वे उद्यमिता और नवाचार से जुड़े वास्तविक अनुभव और सीख साझा करते हैं। यह प्रक्रिया शिक्षार्थियों को सोचने के लिए प्रेरित करती है, उनका आत्मविश्वास बढ़ाती है और उन्हें समाज में सकारात्मक और जिम्मेदार योगदान देने के लिए प्रेरित करती है

उद्देश्य

- शिक्षार्थियों को वास्तविक उद्यमी यात्राओं और व्यावहारिक अनुभवों से परिचित कराना।
- संवाद करने, प्रश्न पूछने और ध्यान से सुनने की क्षमता विकसित करना।
- सोचने, समझने और अर्थपूर्ण चर्चा को बढ़ावा देना।
- अपने विचारों को स्पष्ट और जिम्मेदारी के साथ व्यक्त करने का आत्मविश्वास विकसित करना।
- कक्षा में सीखी बातों को वास्तविक जीवन से जोड़ना।
- शिक्षार्थियों को सकारात्मक पहल करने और उद्देश्यपूर्ण बदलाव लाने के लिए प्रेरित करना।

नींव संवाद के लिए मार्गदर्शक (संचालक)	विकसित होने वाले उद्यमशील कौशल	शिक्षार्थी के लिए सीख
• उद्यमी और स्टार्टअप संस्थापक • उद्योग विशेषज्ञ • स्थानीय व्यवसायी • सामाजिक उद्यमी • ग्रीन उद्यमी • इनक्यूबेशन मेंटर • विषय विशेषज्ञ या नवाचार करने वाले अन्य लोग	• संवाद और प्रश्न पूछने की क्षमता • सोचने और समझने की क्षमता • आत्मविश्वास और अपनी बात रखने की क्षमता • नेटवर्किंग और आपसी संबंध बनाने की क्षमता • अवसर पहचानने की समझ और अन्य कौशल	• व्यवसाय में आने वाली वास्तविक चुनौतियाँ और अवसर • उद्यमियों के निर्णय लेने की प्रक्रिया • धैर्य और नए विचारों का महत्व • करियर के रास्ते और स्टार्टअप की यात्रा • वास्तविक अनुभवों से समस्या हल करने के तरीके

विशिष्ट कौशल कार्यशालाएं (Specialized Skills Workshops)

विशिष्ट कौशल कार्यशालाएँ ऐसे प्रायोगिक (हैंड्स-ऑन) सत्र होते हैं जिनका उद्देश्य केवल सिद्धांत नहीं बल्कि व्यावहारिक उद्यमशील और जीवन कौशल विकसित करना है। इन कार्यशालाओं में अलग-अलग क्षेत्रों के विशेषज्ञ शामिल हो सकते हैं—जैसे उद्यमी, वित्त विशेषज्ञ, कानूनी सलाहकार, तकनीकी विशेषज्ञ, संचार प्रशिक्षक और सामाजिक नवाचार करने वाले लोग। इन सत्रों में डिजिटल मार्केटिंग, वित्तीय साक्षरता, कानूनी जानकारी, डिज़ाइन सोच, उत्पाद विकास, एआई टूल्स, सततता (सस्टेनेबिलिटी), नेतृत्व, बातचीत (नेगोशिएशन), टीमवर्क और प्रस्तुति (पिचिंग) जैसे विषय शामिल हो सकते हैं।

विशिष्ट कौशल कार्यशालाएं

इन सत्रों में डिजिटल मार्केटिंग, वित्तीय साक्षरता, कानूनी जानकारी, डिज़ाइन सोच, उत्पाद विकास, एआई टूल्स, सततता (सस्टेनेबिलिटी), नेतृत्व, बातचीत (नेगोशिएशन), टीमवर्क और प्रस्तुति (पिचिंग) जैसे विषय शामिल हो सकते हैं।

डेमो, अभ्यास गतिविधियों, सिमुलेशन और मॉक प्रेजेंटेशन के माध्यम से शिक्षार्थी 'करके सीखते' हैं। शिक्षक इन सत्रों के संचालन और बाद में चिंतन (रिफ्लेक्शन) में मदद करते हैं ताकि सीख स्पष्ट हो और कौशल सही तरीके से विकसित हो सकें। इससे शिक्षार्थी आत्मविश्वासी, सक्षम और भविष्य के लिए तैयार बनते हैं।

उद्देश्य

- व्यावहारिक और उद्योग से जुड़े कौशल विकसित करना।
- वास्तविक जीवन के टूल्स और तरीकों से परिचित कराना।
- रोजगार और उद्यमिता के लिए तैयार करना।
- अनुभव के माध्यम से सीखने को बढ़ावा देना।
- नवाचार और रचनात्मकता को मजबूत करना।

विशिष्ट कौशल कार्यशाला के लिए मार्गदर्शक (संचालक)	विकसित होने वाले उद्यमशील कौशल	शिक्षार्थी के लिए सीख
• उद्योग से जुड़े पेशेवर • स्टार्टअप संस्थापक • डिजिटल मार्केटिंग विशेषज्ञ • वित्तीय सलाहकार • डिज़ाइनर और नवाचार करने वाले तकनीकी विशेषज्ञ • संचार और नेतृत्व प्रशिक्षक • अन्य विशेषज्ञ	• तकनीकी और विशेष कौशल • नवाचार और रचनात्मकता • नई परिस्थितियों में ढलने और जल्दी सीखने की क्षमता • प्रोफेशनल संवाद कौशल • समस्या समाधान और व्यावहारिक सोच सहित अन्य कौशल	• कक्षा में सीखी बातों का वास्तविक जीवन में उपयोग • प्रायोगिक (हैंड्स-ऑन) कौशल और वास्तविक तकनीकें • डिजिटल टूल्स और तकनीक का उपयोग • प्रोफेशनल संवाद और टीम में काम करने का महत्व • जीवन की यात्रा में रचनात्मक सोच और समस्या समाधान

इंडस्ट्री / इनक्यूबेशन सेल विज़िट (Industry/Incubation Cell Visit)

इंडस्ट्री विज़िट एक संगठित शैक्षिक भ्रमण होता है, जिसमें शिक्षार्थी किसी व्यवसाय, फैक्ट्री, स्टार्टअप या कंपनी का दौरा करते हैं। यहाँ वे वास्तविक कामकाज को देखते हैं, उत्पादन और प्रबंधन की प्रक्रिया को समझते हैं और कक्षा में सीखी बातों को व्यावहारिक रूप में जोड़ते हैं।

इनक्यूबेशन सेल विज़िट एक शैक्षिक भ्रमण है, जिसमें शिक्षार्थी किसी स्टार्टअप इनक्यूबेशन सेंटर या इनोवेशन हब का दौरा करते हैं। यहाँ वे सीखते हैं कि नए व्यवसायिक विचारों को कैसे मार्गदर्शन (मेंटॉरशिप), फंडिंग की जानकारी, जरूरी संसाधन, नेटवर्किंग और पेशेवर सहयोग के माध्यम से आगे बढ़ाया जाता है।

उद्देश्य

- शिक्षार्थियों को वास्तविक व्यवसायिक वातावरण का अनुभव देना।
- यह समझना कि स्टार्टअप कैसे काम करते हैं और आगे बढ़ते हैं।
- इनक्यूबेशन, मार्गदर्शन और फंडिंग के बारे में सीखना।
- कक्षा में सीखी बातों को उद्योग के कामकाज से जोड़ना।
- शिक्षार्थियों को उद्यमिता और करियर के लिए प्रेरित करना।

ऐसे स्थान जिन्हें एक्स्प्लोर किया जा सकता है	विकसित होने वाले उद्यमशील कौशल	शिक्षार्थी के लिए सीख (Insights)
• मैन्युफैक्चरिंग उद्योग और फैक्ट्रियाँ • स्टार्टअप और छोटे व्यवसाय • सामाजिक उद्यम और एनजीओ • इनक्यूबेशन सेंटर और इनोवेशन लैब • तकनीकी कंपनियाँ और आईटी हब • रिटेल और सेवा से जुड़े व्यवसाय • वित्तीय संस्थान और फिनटेक स्टार्टअप रचनात्मक क्षेत्र (डिज़ाइन, मीडिया, मार्केटिंग) • एग्री-बिजनेस और सस्टेनेबिलिटी स्टार्टअप • अन्य संबंधित स्थान	• अवलोकन और विश्लेषण करने की क्षमता • प्रोफेशनल संवाद कौशल • उद्योग की समझ • करियर के विकल्पों को जानने की जिज्ञासा • बदलती परिस्थितियों में सीखने और ढलने की क्षमता	• वास्तविक जीवन में व्यवसाय कैसे चलते हैं और टीम कैसे काम करती है, यह समझना • व्यावहारिक स्थितियों में नवाचार और समस्या समाधान का उपयोग • बिजनेस मॉडल और ग्राहक से जुड़ाव को समझना • स्टार्टअप इकोसिस्टम, इनक्यूबेशन और सहयोग तंत्र को जानना • कार्यस्थल के नैतिक मूल्यों और पेशेवर व्यवहार का महत्व समझना

स्टार्टअप स्टॉर्मर्स प्रतियोगिता (Startup Stormers Competition)

स्टार्टअप स्टॉर्मर्स प्रतियोगिता एक मार्गदर्शित, गतिविधि-आधारित उद्यमशील मंच है जहाँ शिक्षार्थी टीम में मिलकर वास्तविक समस्याओं की पहचान करते हैं, उनके लिए नए और व्यवहारिक समाधान तैयार करते हैं और उन्हें एक व्यवस्थित स्टार्टअप या सामाजिक उद्यम के रूप में विकसित करते हैं। इसमें शोध, डिज़ाइन सोच, बजट बनाना, मार्केटिंग रणनीति, प्रोटोटाइप बनाना और औपचारिक प्रस्तुति (पिचिंग) जैसे सभी पहलुओं को एक साथ जोड़ा जाता है।

यह केवल एक प्रतियोगिता नहीं बल्कि एक अनुभवात्मक उद्यमशील यात्रा है जो शिक्षार्थियों में रचनात्मकता, समस्या समाधान, टीमवर्क, नेतृत्व और व्यवसायिक समझ को बढ़ावा देती है। इससे शिक्षार्थी अपने विचारों को आत्मविश्वास और स्पष्टता के साथ वास्तविक समाधान में बदलना सीखते हैं।

उद्देश्य

- नवाचार, नए विचार और अवसर पहचानने की सोच को बढ़ावा देना।
- समस्या समाधान, प्रोटोटाइप बनाने और समाधान को परखने की क्षमता विकसित करना।
- स्टार्टअप की योजना, उसे लागू करने और प्रतिस्पर्धा की समझ विकसित करना।
- डिजिटल साक्षरता, एआई की समझ, मार्केटिंग, ब्रांडिंग और वित्त प्रबंधन कौशल को मजबूत करना।
- संवाद, सहयोग, नेतृत्व और प्रभावी प्रस्तुति (पिचिंग) की क्षमता बढ़ाना।
- धैर्य, बदलती परिस्थितियों में ढलने की क्षमता और निर्णय लेने की समझ विकसित करना।
- सीख को बाजार की वास्तविक चुनौतियों और मूल्य निर्माण से जोड़ना।
- ऐसे भविष्य के उद्यमी तैयार करना जो भारत की आर्थिक और सामाजिक प्रगति में योगदान दें।

कक्षाओं के अनुसार स्टार्टअप स्टॉर्मर्स की प्रगति

चरण 1- उद्यमशील आधार (कक्षा 8)

फोकस- NEEEV की समझ और अवसर पहचान

- NEEEV फ्रेमवर्क की बुनियादी समझ विकसित करना
- अवसर खोजने की सोच विकसित करना
- प्रतिदिन की समस्याओं और अधूरी जरूरतों की पहचान करना
- रचनात्मकता को बढ़ावा देना और प्रेरक स्टार्टअप कहानियों से परिचित होना

चरण 2- विचार निर्माण और टीम गठन (कक्षा 9)

फोकस (Focus) सामूहिक रूप से समस्या की पहचान और नए विचार बनाना

- 5 सदस्यों की टीम बनाना
- समुदाय/स्थानीय समस्याओं की पहचान
- सोच-विचार और नए विचार उत्पन्न करना
- सही और व्यावहारिक विचार का चयन

वर्ष के अंत का लक्ष्य (Year-End Milestone) शिक्षार्थी टीम में काम करने, नए विचार बनाने और समस्या को समझने की क्षमता दिखाते हैं

चरण 3- प्रोटोटाइप बनाना और परीक्षण (कक्षा 10)

फोकस (Focus)-प्रोटोटाइप तैयार करना और उसे परखना

- सरल बाजार अध्ययन और उपयोगकर्ता को समझना
- न्यूनतम व्यवहारिक उत्पाद (MVP) या प्रोटोटाइप बनाना
- साथियों/समुदाय के साथ परीक्षण करना
- फीडबैक के आधार पर सुधार करना

वर्ष के अंत का लक्ष्य (Year-End Milestone) शिक्षार्थी जिज्ञासा, अवलोकन क्षमता, और मूल्य-सृजन की प्रवृत्ति विकसित करते हैं।

चरण 4- उद्यम डिज़ाइन और बाजार में लागू करना (कक्षा 11)

फोकस (Focus) व्यवसाय की योजना, वित्तीय सहायता (₹20,000 प्रति टीम) और बाजार में जगह बनाना

- बिजनेस मॉडल और वैल्यू प्रपोज़िशन बनाना
- बजट, लागत, कीमत और वित्तीय योजना बनाना
- मार्केटिंग, ब्रांडिंग और संचालन की योजना बनाना
- ₹20,000 की राशि का जिम्मेदारी से उपयोग
- उत्पाद में सुधार, बाजार में जांच और प्रतिस्पर्धा को समझना
- निवेशक जैसी प्रस्तुति (पिच) देना

वर्ष के अंत का लक्ष्य (Year-End Milestone) शिक्षार्थी वित्तीय अनुशासन, रणनीतिक सोच, बाजार की समझ और पेशेवर प्रस्तुति की क्षमता दिखाते हैं |

चरण 5- इनक्यूबेशन और आगे की दिशा (कक्षा 12)

फोकस (Focus) उद्यम को मजबूत करना और स्टार्टअप इकोसिस्टम से जुड़ना

- अपने स्टार्टअप मॉडल को और बेहतर बनाना
- वास्तविक या अभ्यास बाजार में अपने उद्यम को चलाना
- डेमो डे या निवेशक प्रस्तुति के माध्यम से दिखाना
- इनक्यूबेशन सेंटर, मेंटर और नेटवर्क से जुड़ना
- प्रतियोगिताओं, फंडिंग और आगे के अवसरों को खोजना

वर्ष के अंत का लक्ष्य (Year-End Milestone) शिक्षार्थी उद्यम परिपक्वता, पारिस्थितिकी तंत्र जागरूकता और इनक्यूबेशन, उच्च शिक्षा, रोजगार या स्वतंत्र उद्यमशीलता में संक्रमण के लिए तत्परता प्रदर्शित करते हैं।

संचालक के लिए दिशा-निर्देश

- शिक्षार्थी पुस्तिका और शिक्षक पुस्तिका को एक-दूसरे के पूरक के रूप में उपयोग करें।
- शिक्षक पुस्तिका में दिए गए कॉन्सेप्ट बॉक्स, केस स्टोरी, गतिविधियाँ और साप्ताहिक कार्य के लिए, उसी अध्याय के तहत शिक्षक पुस्तिका के समान शीर्षकों को देखें।
- इस पुस्तिका में दिए गए संभावित उत्तरों का उपयोग केवल मार्गदर्शन के रूप में करें। शिक्षार्थियों को अलग-अलग जवाब और अपने विचार साझा करने के लिए प्रोत्साहित करें।
- यह पुस्तिका विषय के पीछे का उद्देश्य भी समझाती है—कि यह अवधारणा क्यों शामिल की गई है और यह सीखने के लक्ष्य को कैसे पूरा करती है।
- **Connecting the Dots** भाग का उपयोग पिछली कक्षा के छोटे पुनरावलोकन के रूप में करें ताकि निरंतरता बनी रहे और समझ मजबूत हो।
- सीख को अर्थपूर्ण बनाएं, इसे शिक्षार्थियों के स्थानीय परिवेश, प्रतिदिन के अनुभव और समुदाय से जोड़ें।
- कहानी, केस स्टोरी, स्थितियाँ और वास्तविक समस्याओं पर चर्चा के माध्यम से जिज्ञासा और गहरी सोच को बढ़ावा दें।
- प्रत्येक गतिविधि शुरू करने से पहले स्पष्ट और चरणबद्ध निर्देश दें और उसका उद्देश्य समझाएँ।
- समूह कार्य के दौरान ध्यानपूर्वक अवलोकन करें और सभी शिक्षार्थियों की भागीदारी सुनिश्चित करें।
- समय, कक्षा की स्थिति और उपलब्ध संसाधनों के अनुसार गतिविधियों में बदलाव करें लेकिन सीखने के उद्देश्य को न बदलें।
- छोटे प्रयासों, रचनात्मक विचारों और शिक्षार्थियों की पहल की सराहना करें ताकि उद्यमशील सोच विकसित हो।
- मूल्यांकन में प्रक्रिया और अवलोकन पर ध्यान दें। भागीदारी, सहयोग, रचनात्मकता और चिंतन, केवल सही उत्तर से अधिक महत्वपूर्ण हैं।
- प्रत्येक सत्र के अंत में छोटा चिंतन, मुख्य सीख या जीवन से जुड़ाव के साथ कक्षा समाप्त करें।

QR-आधारित शिक्षण संसाधन ढांचा (QR-Enabled Learning Resource Framework)

अध्याय की शुरुआत का QR कोड	शिक्षार्थी पुस्तिका QR code	Teacher Insight Module (पुस्तक के अंत में)
हर अध्याय की शुरुआत में एक QR कोड दिया गया है जो उस अध्याय से जुड़े संसाधनों तक सीधा पहुंच देता है।	Connecting the Dots भाग की शुरुआत में दूसरा QR कोड दिया गया है। यह शिक्षक को शिक्षार्थी निर्देशिका में संबंधित अध्याय तक पहुंचने में सक्षम बनाता है।	इस पुस्तक के अंत में एक अतिरिक्त टीचर इनसाइट मॉड्यूल दिया गया है। इस भाग में विस्तृत संसाधन शामिल हैं जैसे संदर्भ वीडियो, अनुशंसित पुस्तकें और पूरक अध्ययन सामग्री। यहाँ दिए गए QR कोड और संसाधन अनुभाग इस तरह बनाए गए हैं कि वे शिक्षण और अधिगम को सहज रूप से जोड़ सकें और शिक्षार्थियों की अवधारणात्मक समझ को और गहरा कर सकें।

मूल्यांकन

NEEEV में मूल्यांकन एक निरंतर प्रक्रिया है जिसमें शिक्षार्थियों की सीख को देखा, समझा और दर्ज किया जाता है ताकि उनकी प्रगति स्पष्ट रूप से दिखाई दे। इससे शिक्षक को यह समझने में मदद मिलती है कि शिक्षार्थी उद्यमशील कौशल कैसे विकसित कर रहे हैं, गतिविधियों में कैसे भाग ले रहे हैं और अपनी सीख को कैसे लागू कर रहे हैं। नियमित फीडबैक और रिकॉर्ड रखने के माध्यम से यह सुनिश्चित किया जाता है कि कक्षा की गतिविधियाँ व्यवस्थित, पाठ्यक्रम के अनुसार और कौशल विकास पर केंद्रित रहें।

मूल्यांकन के प्रकार (Types of Assessment)

1. **स्व-मूल्यांकन (Self-Assessment)-** अपनी सीख और प्रगति पर खुद विचार करना (शिक्षार्थी पुस्तिका के अंत में)।
2. **सहपाठी मूल्यांकन (Peer Assessment)-** टीम के साथियों के योगदान और टीमवर्क का मूल्यांकन (शिक्षार्थी पुस्तिका के अंत में)।
3. **सुविधादाता मूल्यांकन (संचालक Assessment)-** पूरे वर्ष के दौरान शिक्षार्थियों की प्रगति को ट्रैक करना।

मानकीकृत मूल्यांकन प्रारूप (Standardised Format) शिक्षक पुस्तिका के अंत में दिया गया है जिसका उपयोग रिकॉर्ड रखने और मूल्यांकन के लिए अनिवार्य रूप से किया जाना चाहिए।

अध्याय 01

NEEEV का परिचय

L6F9I3

कालांश: 3

अध्याय का अवलोकन

हर बड़ा परिवर्तन एक साधारण विचार से शुरू होता है। जब उस विचार को सावधानीपूर्वक अवलोकन और विचारपूर्ण प्रश्नों के माध्यम से आकार दिया जाता है, तो वह सार्थक कार्य में बदल जाता है। यह अध्याय इसी प्रकार की सोच विकसित करने में आपकी सहायता करता है।यह अध्याय शिक्षार्थियों को अपने आसपास के वातावरण का अवलोकन करने, अर्थपूर्ण प्रश्न पूछने और उद्देश्यपूर्ण कार्य करने के लिए प्रेरित करते हुए उद्यमशील (Entrepreneurial) सोच से परिचित कराता है।

वास्तविक जीवन की कहानियों, सरल अवधारणाओं और अनुभवात्मक गतिविधियों के माध्यम से यह उद्यमिता को एक आवश्यक जीवन-कौशल के रूप में प्रस्तुत करता है।

यह अध्याय समस्या-समाधान, रचनात्मकता, टीमवर्क, नैतिक निर्णय-निर्माण तथा मूल्यों पर आधारित सोच जैसे गुणों का विकास करता है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 और राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा माध्यमिक शिक्षा (NCFSE) 2023 के अनुरूप, तथा कक्षा 8–12 के लिए गतिविधि-आधारित NEEEV योजना के माध्यम से लागू यह अध्याय शिक्षार्थियों को सोचने से लेकर कार्य करने और फिर उस पर चिंतन करने की प्रक्रिया से परिचित कराता है। साथ ही यह उन्हें उद्यमशील पारिस्थितिकी तंत्र (Entrepreneurial Ecosystem) की समझ भी प्रदान करता है।

समग्र रूप से, इस अध्याय का उद्देश्य ऐसे आत्मविश्वासी और भविष्य-तैयार शिक्षार्थियों का विकास करना है जो समाज में मूल्य सृजन कर सकें और जिम्मेदार परिवर्तनकारी (Change-makers) बन सकें।

अध्याय का औचित्य

यह अध्याय शिक्षा की बदलती भूमिका को दर्शाता है जहाँ अब वास्तविक जीवन के कौशल को भी उतना ही महत्वपूर्ण माना जाता है जितना कि शैक्षणिक अंक। इसमें समस्या समाधान, रचनात्मकता, टीमवर्क, संचार और बदलती परिस्थितियों के अनुसार ढलने की क्षमता जैसे कौशलों की आवश्यकता पर जोर दिया गया है जो आज के नवाचार-प्रेरित भारत में बहुत जरूरी हैं।यह अध्याय सीखने की उस प्रक्रिया से भी परिचित कराता है जिसमें 'करते हुए सीखना' (Learning by Doing) शामिल है। इसके लिए वास्तविक जीवन के उदाहरणों और चर्चा का उपयोग किया गया है जिससे शिक्षार्थी सीखने की प्रक्रिया में सक्रिय रूप से भाग लें।साथ ही, यह समझाता है कि NEEEV योजना किस तरह कक्षा में होने वाली पढ़ाई को वास्तविक जीवन की चुनौतियों और अवसरों से जोड़ती है। शिक्षार्थियों को अपने आसपास की समस्याओं को देखने, उनके व्यावहारिक समाधान सोचने और रोज़मर्रा की स्थितियों में पहल करने के लिए प्रेरित किया जाता है।इसके अलावा, यह सीखने को सतत विकास लक्ष्यों (SDGs) से जोड़ता है और जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए प्रेरित करता है।

संक्षिप्त रूप (Acronym)- NEEEV का पूर्ण रूप

- **N** New
- **E** Era of
- **E** Entrepreneurial
- **E** Ecosystem &
- **V** Vision

NEEEV नाम इस योजना के उद्देश्य को दर्शाता है, जिसका लक्ष्य विद्यालयी शिक्षा में उद्यमशील सोच, नवाचार और मूल्य सृजन की एक नई दिशा की शुरुआत करना है।

NEEEV योजना के उद्देश्य

- शिक्षार्थियों को आत्मविश्वास, अनुकूलनशीलता तथा उच्च शिक्षा, रोजगार और उभरते अवसरों के लिए तैयार करते हुए भविष्य-उन्मुख उद्यमी के रूप में विकसित करना।
- विद्यालय स्तर पर एक सशक्त उद्यमशील पारितंत्र (Entrepreneurial Ecosystem) का निर्माण करना, जिसमें समुदाय, मार्गदर्शक (Mentors), निवेशक (Investors), इनक्यूबेटर (Incubators), ग्राहक, सरकारी सहयोग, वित्तीय संस्थाएँ तथा अन्य सहयोगी नेटवर्क शामिल हों।
- उद्यमशील सोच (Entrepreneurial Thinking) तथा 21वीं सदी के कौशल जैसे-रचनात्मकता, पहल करने की क्षमता, सहयोग, नेतृत्व, आलोचनात्मक चिंतन, समस्या-समाधान और अन्य संबंधित दक्षताओं का विकास करना।
- वित्तपोषित प्रोटोटाइप (Funded Prototyping), परियोजना-आधारित अधिगम (Project-Based Learning), उद्यम निर्माण (Venture Creation) और व्यावहारिक अनुभव के माध्यम से स्टार्टअप विकास का अनुभव प्रदान करना।
- समस्याओं की पहचान, समाधान के विचार विकसित करना, प्रोटोटाइप बनाना, मॉडल का परीक्षण करना तथा निरंतर सुधार करना—इन प्रक्रियाओं के माध्यम से डिज़ाइन थिंकिंग (Design Thinking) को लागू करना।
- बजट निर्माण, लागत निर्धारण, मूल्य निर्धारण, विपणन, मूल्य सृजन और सूचित निर्णय-निर्माण के माध्यम से वित्तीय और व्यावसायिक साक्षरता का विकास करना।
- प्रौद्योगिकी के जिम्मेदार उपयोग, नवाचारी अभ्यास, साइबर सुरक्षा तथा नैतिक डिजिटल व्यवहार के माध्यम से डिजिटल साक्षरता और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) के प्रति जागरूकता को सुदृढ़ करना, ताकि यह शिक्षार्थियों की उद्यमशील यात्रा के अनुरूप हो।

गतिविधि 1 आप क्या करेंगे?

संचालक के लिए निर्देश

- दी गई परिस्थिति को ध्यानपूर्वक पढ़ें और स्वयं को उस स्थिति में कल्पना करें।
- बिना चर्चा किए 2–3 मिनट तक शांतिपूर्वक चिंतन करें।
- पास बैठे एक या दो सहपाठियों के साथ सक्रिय रूप से चर्चा करें और विचारों का आदान-प्रदान करें।
- ऐसे संभावित समाधान पहचानें जो विद्यालय के भीतर ही किए जा सकते हों।

चिंतन प्रश्न

प्रश्न 1. इस स्थिति में आपको कैसा महसूस होगा और आप आगे क्या करेंगे?
प्रश्न 2. क्या इस समस्या का समाधान घर वापस जाए बिना किया जा सकता है?
प्रश्न 3. हमारे आसपास पहले से कौन-सी चीज़ें मौजूद हैं जो मदद कर सकती हैं?

उद्यमशील अंतर्दृष्टि - अधिकांश लोग समस्या पर ही रुक जाते हैं जबकि उद्यमी संभावनाओं की तलाश करते हैं।

केस स्टोरी 1 एक छोटी समस्या को बड़े विचार में बदलना

संचालक के लिए निर्देश

- शिक्षार्थियों से कहें कि वे-कहानी को ध्यानपूर्वक पढ़ें। समस्या–विचार–समाधान तथा पारितंत्र (Ecosystem) के सहयोग की पहचान करें। एक साथी के साथ संक्षिप्त चर्चा करें और मुख्य अवलोकन साझा करें।
- दैनिक जीवन की किसी समस्या पर चिंतन करें, संक्षिप्त उत्तर लिखें और कक्षा के साथ एक प्रमुख सीख साझा करें।

चिंतन प्रश्न

प्रश्न 1- तिलक को कौन-सी छोटी समस्या का सामना करना पड़ा और उसने उसे व्यवसायिक विचार में कैसे बदला?

- **समस्या-** अध्ययन सामग्री समय पर नहीं पहुँचती थी।
- **विचार-** त्वरित पार्सल वितरण के लिए डब्बावाला नेटवर्क का उपयोग करना।
- **कार्य-** Papers N Parcels नामक डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म का निर्माण किया।

प्रश्न 2- तिलक की इकोसिस्टम में आपको कौन सा खिलाड़ी सबसे महत्वपूर्ण लगा, और क्यों?

- डब्बावाले – वितरण का मुख्य आधार।
- माता-पिता – सहयोग और मार्गदर्शन।
- मार्गदर्शक (Mentors) – योजना और रणनीति।
- निवेशक (Investors) – वित्तपोषण और विस्तार।
- ग्राहक (Customers) – विश्वास और विकास।

(विद्यार्थी इनमें से किसी भी विकल्प को उचित कारणों के साथ स्पष्ट कर सकते हैं।)

प्रश्न 3- अपने दैनिक जीवन में आप जिस समस्या का सामना करते हैं, उसके बारे में सोचें—यदि आपके पास सही समर्थन हो तो यह समस्या अवसर में कैसे बदल सकती है?

उदाहरण- भारी स्कूल बैग, कैंटीन का कचरा, होमवर्क प्रबंधन, परिवहन में देरी, खोई हुई नोट्स।

अवसर- सहयोग के साथ एक ऐप, साझा प्रणाली (Sharing System), रिमाइंडर टूल, या पर्यावरण-अनुकूल समाधान विकसित

निष्कर्ष

तिलक मेहता की यात्रा यह दर्शाती है कि उद्यमिता की शुरुआत दैनिक जीवन की समस्याओं को पहचानने और उन्हें सार्थक समाधानों में बदलने से होती है। यह इस बात को भी स्पष्ट करती है कि विचारों को क्रियान्वित करने में एक उद्यमशील पारितंत्र (Ecosystem) की महत्वपूर्ण भूमिका होती है।NEEEV के माध्यम से विद्यार्थियों को स्वतंत्र रूप से सोचने, पहल करने तथा आत्मविश्वास के साथ भविष्य के समस्या-समाधानकर्ता और जिम्मेदार परिवर्तनकारी नागरिक बनने के लिए प्रेरित किया जाता है।

NEEEV के बारे में

NEEEV – इसका मिशन, विज़न और उद्देश्य

NEEEV एक विद्यालय-आधारित पहल है जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों में उद्यमशील सोच, नवाचार और नेतृत्व कौशल का विकास करना है। यह योजना शिक्षार्थियों को वास्तविक जीवन की समस्याओं की पहचान करने, रचनात्मक रूप से सोचने तथा जिम्मेदार समाधान तैयार करने के लिए तैयार करती है जिससे भारत के आर्थिक और सामाजिक विकास में योगदान दिया जा सके

दृष्टि

सशक्त, उद्यमशील और सामाजिक रूप से जागरूक नवोन्मेषकों की ऐसी पीढ़ी का निर्माण करना जो भारत के आर्थिक भविष्य को आकार दे सके।

मिशन

विद्यालयी विद्यार्थियों में उद्यमशील कौशल, नवाचार और वास्तविक जीवन की समस्या-समाधान क्षमता का विकास करना, साथ ही समावेशी और समान अवसरों पर आधारित शिक्षण को प्रोत्साहित करना।

उद्देश्य

विद्यालयों में एक भविष्य-उन्मुख उद्यमशील पारितंत्र का निर्माण करना, जिससे विद्यार्थियों में व्यावहारिक कौशल, आत्मविश्वास और नेतृत्व गुण विकसित हों।

NEEEV योजना के प्रमुख घटक

NEEEV पाठ्यक्रम

एक संरचित पाठ्यक्रम जो विद्यार्थियों को वास्तविक जीवन के संदर्भों के माध्यम से उद्यमिता की अवधारणाएँ, नवाचार, वित्तीय साक्षरता और समस्या-समाधान सिखाता है।

NEEEV संवाद

उद्यमियों, उद्योग विशेषज्ञों और मेंटर्स के साथ संवादात्मक सत्र, जो विद्यार्थियों को प्रेरित करते हैं और कक्षा-अध्ययन को वास्तविक जीवन के अनुभवों से जोड़ते हैं।

स्टार्टअप स्टॉर्मर्स

एक मंच जहाँ विद्यार्थी अपने स्टार्टअप विचार विकसित, प्रस्तुत और परिष्कृत करते हैं, जिससे रचनात्मकता, टीमवर्क और उद्यमशील आत्मविश्वास बढ़ता है।

विशेष कार्यशालाएँ

कौशल-आधारित कार्यशालाएँ जो डिज़ाइन थिंकिंग, व्यवसाय योजना, संचार, नेतृत्व और डिजिटल कौशल पर केंद्रित होती हैं।

औद्योगिक भ्रमण

अनुभवात्मक अधिगम के अवसर जहाँ विद्यार्थी स्टार्टअप, उद्योगों और नवाचार केंद्रों का दौरा करते हैं, वास्तविक व्यावसायिक कार्यप्रणाली को समझते हैं और सिद्धांत को व्यावहारिक अनुभव से जोड़ते हैं।

NEEEV के अंतर्गत विकसित किए जाने वाले मुख्य मूल्य

- जिज्ञासा और रचनात्मकता
- सहयोग और सामुदायिक भावना
- ईमानदारी और नैतिकता
- समावेशन और पहुँच
- स्थिरता (Sustainability) और दूरदृष्टि
- आजीवन अधिगम तथा अन्य आवश्यक जीवन कौशल

तीन-स्तरीय नवाचार सहयोग प्रणाली- SIC–ZIC–DIC संरचना

साप्ताहिक कार्य

संचालक निर्देश

- शिक्षार्थियों से कहें कि वे किसी एक बार-बार होने वाली समस्या की पहचान करें और उसका विवरण लिखें।
- उन्हें एक प्रभावशाली Why/How प्रश्न बनाने के लिए मार्गदर्शन दें और उसे किसी मौजूदा प्रणाली या सेवा से जोड़ें।
- उनसे कहें कि वे अपने विचार दर्ज करें, पारितंत्र तालिका (Ecosystem Table) पूरी करें और अगली कक्षा में साझा करने के लिए तैयार रहें।
- शिक्षार्थियों को उद्यमिता के विभिन्न क्षेत्रों का पता लगाने और अपनी खोजों को अगले कक्षा में प्रस्तुत करने के लिए भी मार्गदर्शन करें ।

चिंतन प्रश्न

प्रश्न 1- समस्या क्या है?

प्रश्न 2- यह समस्या किसे होती है और यह कितनी बार होती है?

एक उद्यमी की तरह सोचें (Think like an entrepreneur).

प्रश्न 1- अपना प्रश्न लिखें (यह Why / How से शुरू होना चाहिए)

प्रश्न 2- इस समस्या को आसानी से या जल्दी कैसे हल किया जा सकता है?

प्रश्न 3- क्या कोई व्यक्ति, समूह या सेवा है जो ऐसी ही समस्या का समाधान करती है?

• इकोसिस्टम से जुड़ा व्यक्ति/समूह • परिवार • शिक्षक/मार्गदर्शक • मौजूदा सेवाएँ • उपयोगकर्ता/विद्यार्थी	• वे कैसे मदद कर सकते हैं • प्रोत्साहन, सुझाव देना • मार्गदर्शन और अनुमति देना • समाधान लागू करने के लिए उपकरण या व्यवस्था उपलब्ध कराना • विचारों को परखना और सुझाव देना

अपेक्षित अधिगम (Expected Learning)- विद्यार्थी दैनिक जीवन की समस्याओं को अवसर के रूप में पहचानना सीखते हैं तथा प्रश्न पूछने, संसाधनों को जोड़ने और पारितंत्र के सहयोग के महत्व को समझते हैं।

अध्याय 02

उद्यमिता की खोज

S3Y1Q3

कालांश: 3

पिछले अध्याय में शिक्षार्थियों ने **उद्यमिता पारिस्थितिकी तंत्र** के बारे में सीखा और समझा कि जब किसी विचार को सही लोग, संगठन और संसाधनों का सहयोग मिलता है तो वह कैसे विकसित होता है। उन्होंने ऐसी गतिविधियाँ भी कीं जिनसे अपने आसपास के पारिस्थितिकी तंत्र को पहचानने में मदद मिली और यह समझ आया कि अलग-अलग हितधारक किस प्रकार युवा नवाचारकर्ताओं को मार्गदर्शन देते हैं, उनके विचारों को परखते हैं, उन्हें वित्तीय सहायता प्रदान करते हैं और उनका सहयोग करते हैं। अब इस अध्याय में हम यह समझना शुरू करेंगे कि उद्यमिता वास्तव में क्या है--

अधिगम उद्देश्य

इस अध्याय के अंत तक शिक्षार्थी सक्षम होंगे--

- उद्यमिता को सरल शब्दों में परिभाषित करने मे।
- दैनिक जीवन में उद्यमिता के उदाहरणों को पहचानने में।
- एक उद्यमी के गुणों को समझने में।
- यह पहचानने में कि उद्यमी समस्याओं को अवसरों में कैसे बदलते हैं।
- समाज में उद्यमिता के महत्व को समझने में।

अध्याय का अवलोकन

अक्सर उद्यमिता को व्यवसाय शुरू करने या स्टार्टअप के संस्थापक बनने से जोड़ा जाता है। लेकिन वास्तव में उद्यमिता का मूल अर्थ है अवसरों को पहचानना, समस्याओं का समाधान करना और दूसरों के लिए मूल्य निर्माण करना।यह अध्याय शिक्षार्थियों को उद्यमिता की अवधारणा से परिचित कराता है। इसमें ऐसे उदाहरण, केस चर्चा और चिंतनात्मक गतिविधियाँ शामिल हैं जिनसे विद्यार्थी इस विषय को अपने अनुभवों से जोड़कर समझ सकें।

विद्यार्थी यह भी जानेंगे कि उद्यमी अपने आसपास की चुनौतियों को कैसे पहचानते हैं और उन्हें नवाचार के अवसरों में बदल देते हैं।विभिन्न संवादात्मक गतिविधियों और वास्तविक जीवन की कहानियों के माध्यम से शिक्षार्थी यह समझेंगे कि उद्यमिता उम्र या संसाधनों से सीमित नहीं होती। जो भी व्यक्ति समस्याओं को ध्यान से देखता है, रचनात्मक ढंग से सोचता है और पहल करता है, वह अपनी उद्यमिता यात्रा शुरू कर सकता है।

अध्याय का औचित्य

अक्सर युवा शिक्षार्थी यह मानते हैं कि उद्यमिता कोई दूर की कौड़ी है या केवल बहुत सफल व्यवसायिक नेताओं के लिए ही संभव है। यह अध्याय इस धारणा को बदलने का प्रयास करता है और दिखाता है कि उद्यमिता की शुरुआत सरल अवलोकन, रचनात्मकता और पहल करने की भावना से होती है।जब विद्यार्थी प्रारम्भिक स्तर पर उद्यमिता को समझते हैं, तो उनमें समस्या-समाधान की क्षमता, आत्मविश्वास और नवाचार की सोच विकसित होती है। ये कौशल केवल भविष्य के करियर के लिए ही नहीं, बल्कि समाज में एक जिम्मेदार नागरिक के रूप में सक्रिय भागीदारी के लिए भी महत्वपूर्ण हैं।इसलिए यह अध्याय केवल व्यवसाय संबंधी जानकारी देने पर नहीं, बल्कि उद्यमी सोच (Entrepreneurial Thinking) विकसित करने पर विशेष ध्यान देता है।

SDG और NEP 2020 के साथ जुड़ाव

अध्याय का मुख्य फोकस	संबद्ध SDGs	यह अध्याय SDGs को कैसे समर्थन देता है	NEP 2020 से सामंजस्य
दैनिक जीवन के अवलोकन के माध्यम से उद्यमिता के वास्तविक उदाहरणों की खोज	SDG 4 – Quality Education - आलोचनात्मक सोच, रचनात्मकता और अनुभवात्मक अधिगम को प्रोत्साहित करता है।	यह शिक्षार्थियों को उद्यमी के गुणों के बारे में जागरूक बनाता है और यह समझने में मदद करता है कि उद्यमिता समस्याओं के प्रति संवेदनशीलता विकसित करती है, जो समाधान की दिशा में पहला कदम है।	अनुभवात्मक और खोज-आधारित अधिगम को बढ़ावा देना।
	SDG 8 – Decent Work and Economic Growth - उद्यमी सोच और नवाचार से जुड़ी कौशलों का परिचय कराता है।		चनात्मकता और नवाचार को प्रोत्साहित करना।
	SDG 9 – Industry, Innovation and Infrastructure - शिक्षार्थियों को वास्तविक जीवन की समस्याओं के समाधान के लिए रचनात्मक ढंग से सोचने के लिए प्रेरित करता है।		जीवन कौशल और उद्यमी सोच का विकास करना। कक्षा में होने वाले अधिगम को वास्तविक जीवन के संदर्भों से जोड़ना।

गतिविधि 1 आइए गहराई से समझें

शिक्षार्थी सक्षम होंगे

- उद्यमी (Entrepreneur) और उद्यमिता (Entrepreneurship) के अर्थ को समझने में।
- दैनिक जीवन में उद्यमशील व्यवहार की पहचान करने में ।

संचालक के लिए निर्देश

- विद्यार्थियों को विद्यार्थी पुस्तिका में दिया गया संवाद पढ़ने दें या स्वयं कक्षा में पढ़कर सुनाएँ।.
- विद्यार्थियों से पूछें- "जब आप 'उद्यमी' शब्द सुनते हैं, तो आपके मन में क्या आता है?"
- विद्यार्थियों के उत्तर बोर्ड पर लिखें।
- इसके बाद कुछ सरल उदाहरण दें, जैसे -
- कोई छात्र एक छोटा कार्यक्रम आयोजित करता है।
- कोई व्यक्ति घर पर बने नाश्ते को ऑनलाइन बेचता है।
- कोई किसान जैविक खेती शुरू करता है।
- विद्यार्थियों को समझाएँ कि उद्यमिता का अर्थ है समस्याओं का समाधान करना और मूल्य निर्माण करना।

चिंतन प्रश्न

प्रश्न 1- आप उद्यमिता के बारे में क्या समझते हैं?
प्रश्न 2- दिए गए उदाहरणों में से आपको कौन-सा उदाहरण सबसे अधिक संबंधित लगता है और क्यों?
प्रश्न 3- क्या आप अपने आसपास किसी ऐसे व्यक्ति को जानते हैं जो एक उद्यमी की तरह कार्य करता है?

विकसित होने वाले उद्यमी कौशल

जिज्ञासा | अवसरों की पहचान | आलोचनात्मक सोच | पहल करने की क्षमता

निष्कर्ष

उद्यमिता की शुरुआत **समस्याओं को ध्यान से देखने और उनके समाधान की कल्पना** करने से होती है। यह केवल व्यवसाय मालिकों तक सीमित नहीं है, बल्कि किसी भी ऐसे व्यक्ति पर लागू होती है जो किसी स्थिति को बेहतर बनाने के लिए पहल करता है और समाधान खोजने का प्रयास करता है।

साप्ताहिक कार्य

- किसी भी उद्यमी (स्थानीय या राष्ट्रीय) के बारे में जानकारी खोजिए और लिखिए- वह कौन-सी विशिष्ट समस्या का समाधान करता/करती है। वह समुदाय की किस प्रकार सहायता करता/करती है। उसे किन मुख्य चुनौतियों का सामना करना पड़ता है।
- अनुसंधान पूरा करने के बाद निम्नलिखित प्रश्नों पर विचार कीजिए-
  उद्यमी ने किस समस्या की पहचान की?
  उसके समाधान / सेवा / उत्पाद से किसे लाभ हुआ?
  उस उद्यमी ने कौन-सा एक महत्वपूर्ण मूल्य अपनाया?

गतिविधि 2 इस उद्यमी को पहचानिए

शिक्षार्थी सक्षम होंगे

- उद्यमियों और उनके योगदान की पहचान करने में।
- विचारों को नवप्रवर्तकों (Innovators) से जोड़ने के लिए प्रोत्साहित होने में।

संचालक के लिए निर्देश

- प्रसिद्ध उद्यमियों की तस्वीरें या संकेत (clues) प्रदर्शित करें।
- विद्यार्थियों से कहें कि वे दिए गए संकेतों के आधार पर उस उद्यमी का नाम बताने का प्रयास करें।
- विद्यार्थियों को यह चर्चा करने के लिए प्रोत्साहित करें कि उस उद्यमी ने कौन-सी समस्या का समाधान किया।
- अंत में एक छोटी चर्चा कराएँ कि किस प्रकार एक विचार बड़े स्तर पर प्रभाव पैदा कर सकता है।

संचालक के लिए सुझाव

- ऐसे उद्यमियों के उदाहरण चुनें जिनसे विद्यार्थी परिचित हों, (जैसे तकनीक, खाद्य ब्रांड या स्थानीय व्यवसाय से जुड़े लोग)।
- विद्यार्थियों को केवल जल्दी उत्तर देने के बजाय तर्क के साथ सोचने के लिए प्रेरित करें।

चिंतन प्रश्न

प्रश्न 1- आपकी सूची में किस प्रकार के उद्यमी सबसे अधिक दिखाई देते हैं?
प्रश्न 2- स्थानीय उद्यमी आपके समुदाय की किस प्रकार सहायता करते हैं?
प्रश्न 3- भविष्य में आप किस प्रकार का उद्यमी बनना चाहेंगे? एक कारण लिखिए।

विकसित होने वाले उद्यमी कौशल

विश्लेषणात्मक सोच | अवलोकन कौशल | ज्ञान का विकास

निष्कर्ष

उद्यमी अलग-अलग पृष्ठभूमियों से आते हैं, लेकिन उनमें कुछ समान गुण होते हैं, जैसे जिज्ञासा, रचनात्मकता और दृढ़ संकल्प

साप्ताहिक कार्य

- चार विद्यार्थियों का एक समूह बनाइए। अपने समूह में समाज के किसी लक्षित समूह (जैसे-- वृद्धजन / बच्चे / दिव्यांग व्यक्ति / सड़क पर विक्रेता) की पहचान कीजिए और उनके समर्थन के लिए किसी सरल सेवा या उत्पाद के बारे में विचार कीजिए।
- अब आपका समूह उस विचार का स्केच (चित्र) बनाएगा और संभावित स्टार्टअप का नाम तय करेगा। ध्यान रखें कि आपका समूह निम्न में से किसी एक के लिए सरल और समावेशी सेवा तैयार करे-- वृद्धजन / बच्चे / दिव्यांग व्यक्ति / सड़क विक्रेता
- अपने विचार का चित्र बनाइए और अपने स्टार्टअप का नाम लिखिए।

गतिविधि 3 अपने आसपास नवाचार को पहचानिए

शिक्षार्थी सक्षम होंगे

- दैनिक जीवन की वस्तुओं और सेवाओं में नवाचार की पहचान करने में ।
- यह समझने में कि समस्याओं का समाधान रचनात्मक तरीके से कैसे किया जाता है।

संचालक के लिए निर्देश

- विद्यार्थियों से कहें कि वे अपने आसपास के वातावरण (विद्यालय, घर, समुदाय) का ध्यान से अवलोकन करें।
- उनसे ऐसे तीन उत्पाद या सेवाएँ पहचानने को कहें जो किसी समस्या का रचनात्मक तरीके से समाधान करते हों।
- विद्यार्थी अपनी खोज और अवलोकन कक्षा के साथ साझा करें।
- चर्चा कराएँ कि ये विचार संभवतः सरल नवाचार के रूप में कैसे शुरू हुए होंगे।

संचालक के लिए सुझाव

- विद्यार्थियों को स्थानीय उदाहरणों के बारे में सोचने के लिए प्रोत्साहित करें।
- चर्चा का ध्यान ब्रांड नाम पर नहीं, बल्कि समस्या के समाधान पर रखें।

चिंतन प्रश्न

प्रश्न 1- क्या कोई विचार सरल होने के बावजूद नवाचारी हो सकता है? क्यों / क्यों नहीं?

प्रश्न 2- कारण सहित बताए कि क्या युवा भी नए या बेहतर विचार सोच सकते हैं?

विकसित होने वाले उद्यमी कौशल

अवलोकन कौशल | समस्या की पहचान | अवसरों की पहचान

निष्कर्ष

नवाचार अक्सर दैनिक जीवन की छोटी-छोटी समस्याओं में सुधार करने के सरल प्रयासों से शुरू होता है।

साप्ताहिक कार्य

- अपने आसपास के वातावरण का अवलोकन करें और अपने दैनिक जीवन से किसी एक उद्यमी की पहचान करें। यह कोई दुकानदार, सड़क विक्रेता, घर से छोटा व्यवसाय चलाने वाला व्यक्ति, सेवा प्रदाता, या यहाँ तक कि कोई विद्यार्थी भी हो सकता है जिसने स्वयं कुछ शुरू किया हो।
- यह जानने का प्रयास करें कि-- वह कौन-सी समस्या का समाधान करता/करती है। उसने अपना कार्य कैसे शुरू किया। उसे किन चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। यदि संभव हो, तो उनसे या अपने परिवार के किसी सदस्य से उनके बारे में कुछ सरल प्रश्न पूछकर उनकी यात्रा को बेहतर ढंग से समझने का प्रयास करें।

गतिविधि 4 अपना उद्यमी अवतार तैयार करें

शिक्षार्थी सक्षम होंगे

- स्वयं को भविष्य के उद्यमी के रूप में कल्पना करने के लिए प्रेरित करने में।
- अपनी व्यक्तिगत शक्तियों के बारे में आत्मचिंतन और आत्मविश्वास विकसित करने में।

संचालक के लिए निर्देश

- विद्यार्थियों से कहें कि वे अपने आप का एक उद्यमी अवतार तैयार करें।
- इस अवतार में निम्नलिखित बातें शामिल होनी चाहिए--
  एक व्यवसायिक विचार
  वह समस्या जिसे वे हल करना चाहते हैं
  उनकी व्यक्तिगत शक्तियाँ, जो उन्हें सफल बनने में सहायता करेंगी
- विद्यार्थियों को कक्षा के सामने अपना अवतार प्रस्तुत करने के लिए आमंत्रित करें।

संचालक के लिए सुझाव

- चित्र की कलात्मक पूर्णता के बजाय रचनात्मकता पर अधिक ध्यान दें।
- विद्यार्थियों को अपने विचारों को स्पष्ट रूप से समझाने के लिए प्रोत्साहित करें।

चिंतन प्रश्न

प्रश्न 1- आपके अनुसार वास्तविक उद्यमियों को सबसे अधिक किस "सुपरपावर" की आवश्यकता होती है और क्यों?
प्रश्न 2- आपके सुपरहीरो के कौन-से गुण आप अपने वास्तविक जीवन में पहले से ही रखते हैं?

विकसित होने वाले उद्यमी कौशल

रचनात्मकता

आत्म-जागरूकता

संप्रेषण कौशल

निष्कर्ष

हर विद्यार्थी में कुछ विशिष्ट शक्तियाँ होती हैं, जो उसे उद्यमिता में सफल बनने में सहायता कर सकती हैं।

केस स्टोरी 1 रितेश अग्रवाल की उद्यमी यात्रा

शिक्षार्थी सक्षम होंगे

- किसी विचार को कार्य में बदलने के विभिन्न चरणों को समझने में।
- यह पहचानने में कि उद्यमिता एक प्रक्रिया है।

संचालक के लिए निर्देश

- विद्यार्थियों से कहें कि वे अपनी विद्यार्थी पुस्तिका में दी गई केस स्टोरी - 1 पढ़ें। इसके बाद चिंतन प्रश्नों पर चर्चा करते हुए उन्हें उद्यमिता के पाँच चरण समझाएँ
- विचार- एक रचनात्मक अवधारणा।
- योजना-उस विचार को सफल बनाने के लिए रणनीति तैयार करना।
- कार्य- योजना को लागू करने के लिए आवश्यक कदम उठाना।
- जोखिम उठाना - संभावित जोखिमों का अनुमान लगाना और उन्हें दूर करने के तरीके खोजना।
- मूल्य सृजन - ऐसा समाधान विकसित करना जिससे उपयोगकर्ता (लक्षित समूह) उत्पाद, विचार या सेवा से जुड़ सके।
- इसके बाद विद्यार्थियों से कहें कि वे ऐसे सरल विचारों के बारे में सोचें जिन्हें वे विद्यालय में शुरू कर सकते हैं।
- उदाहरण-
- पुरानी कॉपियों का पुनर्चक्रण (Recycling notebooks)
- विद्यालय में छोटा नाश्ता स्टॉल
- साथियों की गृहकार्य में सहायता करना

चिंतन प्रश्न

प्रश्न 1- आपके अनुसार रितेश अग्रवाल ने कौन-कौन से जोखिम उठाए और उन्होंने उन्हें कैसे संभाला?

प्रश्न 2- क्या आपने अपने विद्यालय या समुदाय में कभी ऐसी छोटी समस्या देखी है जो एक अवसर बन सकती है? उस समस्या के बारे में एक वाक्य में लिखिए।

प्रश्न 3- इन कहानियों से चुनौतियों को सफलता की सीढ़ियों में बदलने के बारे में हमें क्या सीख मिलती है?

विकसित होने वाले उद्यमी कौशल

रचनात्मकता | योजना बनाना | निर्णय-निर्माण | आत्मविश्वास

निष्कर्ष

विचार तभी सफल होते हैं, जब उन पर काम किया जाए और दूसरों की प्रतिक्रिया से उन्हें और बेहतर बनाया जाए।

संकल्पना

उद्यमिता क्या है?

उद्यमिता वह प्रक्रिया है जिसके माध्यम से व्यक्ति या समूह अवसरों की पहचान करते हैं, विचार विकसित करते हैं, जोखिम उठाते हैं और समाज के लिए मूल्य का सृजन करते हैं। उद्यमी नए उत्पाद, सेवाएँ या कार्य करने के नए तरीके प्रस्तुत करके समस्याओं का समाधान करते हैं।

OECD (Organisation for Economic Co-operation and Development) के अनुसार-
"उद्यमिता वह प्रक्रिया है जिसमें व्यक्ति अपने विचारों को कार्य में बदलते हैं। इसमें रचनात्मकता, नवाचार और अपने परिवेश को आकार देने की जिम्मेदारी शामिल होती है।"
स्रोत- OECD, Entrepreneurship Education- A Guide for Educators, 2015

आज के समय में उद्यमिता क्यों महत्वपूर्ण है?
तकनीक, नए रोजगारों और वैश्विक चुनौतियों के कारण दुनिया तेजी से बदल रही है। उद्यमिता ऐसे कौशल विकसित करती है जो युवाओं को आगे बढ़ने में सहायता करते हैं, चाहे वे अपना व्यवसाय शुरू करें या नहीं।
UNESCO (United Nations Educational, Scientific and Cultural Organization) के अनुसार, उद्यमिता शिक्षा 21वीं सदी के महत्वपूर्ण कौशलों का विकास करती है, जैसे--

- समालोचनात्मक चिंतन (Critical thinking)
- समस्या-समाधान (Problem-solving)
- सहयोग (Collaboration)
- संप्रेषण (Communication)
- अनुकूलनशीलता और धैर्य (Adaptability and resilience)

स्रोत- UNESCO, Education for 21st Century Skills, 2016.

साप्ताहिक कार्य

प्रश्न 1- उद्यमिता के पाँच मुख्य चरण कौन-कौन से हैं?
प्रश्न 2- रितेश अग्रवाल ने अपनी उद्यमी यात्रा में इन पाँचों चरणों का किस प्रकार उपयोग किया? समझाइए।

अध्याय 03

उद्यमिता पारिस्थितिकी तंत्र का परिचय

A4L8U7

कालांश: 3

पिछले अध्याय में हमने NEEEV के मिशन, विज़न और उसके प्रमुख घटकों के बारे में सीखा था। साथ ही हमने तिलक मेहता की प्रेरणादायक कहानी के माध्यम से यह समझा कि सही सोच और सहयोग मिलने पर एक साधारण समस्या भी सफल विचार में बदल सकती है।अब हम आगे बढ़ते हुए एक बड़े दृष्टिकोण को समझने जा रहे हैं; **उद्यमी पारितंत्र (Entrepreneurial Ecosystem)**, जो हर उद्यमी की यात्रा को सहयोग और दिशा प्रदान करता है।

अधिगम उद्देश्य

शिक्षार्थी सक्षम होंगे

- उद्यमी पारितंत्र (Entrepreneurial Ecosystem) की अवधारणा को समझने में।
- उद्यमियों का सहयोग करने वाले विभिन्न हितधारकों (Stakeholders) की पहचान करने में।
- नवाचार में सहयोग (Collaboration) के महत्व को समझने में।
- यह समझने में कि सहायता तंत्र (Support Systems) किस प्रकार विचारों को विकसित होने में मदद करते हैं।

अध्याय का अवलोकन

जिस प्रकार पौधे एक स्वस्थ प्राकृतिक पारितंत्र में सबसे अच्छे से बढ़ते हैं, उसी प्रकार उद्यमी भी एक सहायक उद्यमी पारितंत्र में बेहतर विकसित होते हैं। यह अध्याय विद्यार्थियों को उन विभिन्न लोगों और संगठनों से परिचित कराता है जो उद्यमियों को अपने विचारों को सफल समाधान में बदलने में सहायता करते हैं। भूमिका-अभिनय (Role-play) गतिविधियों और केस स्टोरी के माध्यम से शिक्षार्थी समझते हैं कि सहयोग किस प्रकार नवाचार को मजबूत बनाता है।

अध्याय का औचित्य

अनेक शिक्षार्थी यह मानते हैं कि उद्यमी केवल व्यक्तिगत प्रयास से ही सफल होते हैं। वास्तव में सफल उद्यमी मार्गदर्शकों, सहयोगियों, संस्थानों और समुदायों के एक मजबूत नेटवर्क पर निर्भर करते हैं। इस पारितंत्र को प्रारम्भ में ही समझ लेने से शिक्षार्थी सहयोग, मार्गदर्शन और प्रतिपुष्टि (Feedback) के महत्व को पहचानने लगते हैं।

SDG और NEP 2020 के साथ जुड़ाव

अध्याय का मुख्य फोकस	संबद्ध SDGs	अध्याय SDGs का किस प्रकार समर्थन करता है	NEP 2020 के साथ सामंजस्य
दैनिक जीवन के अवलोकन के माध्यम से शिक्षार्थियों को उद्यमी पारितंत्र को समझाना।	SDG 8 – सम्मानजनक कार्य और आर्थिक वृद्धि- उद्यमिता और आर्थिक अवसरों को प्रोत्साहित करता है। SDG 9 – उद्योग, नवाचार और अवसंरचना- सहयोग और समर्थन प्रणालियों के माध्यम से नवाचार को प्रोत्साहित करता है। SDG 17 – लक्ष्यों के लिए साझेदारी- साझेदारी और नेटवर्क के महत्व को रेखांकित करता है।	यह अध्याय उद्यमी पारितंत्र के प्रति जागरूकता विकसित करता है और शिक्षार्थियों को विभिन्न हितधारकों की भूमिका समझने में सहायता करता है।	सहयोगात्मक अधिगम को प्रोत्साहित करना। सामुदायिक सहभागिता को बढ़ावा देना। शिक्षा को वास्तविक जीवन के नवाचार पारितंत्रों से जोड़ना।

गतिविधि 1 अपना उद्यमी पारितंत्र मानचित्र बनाइए

शिक्षार्थी सक्षम होंगे

- यह समझने में कि उद्यमी पारितंत्र क्या होता है और इसमें विभिन्न भागीदार क्यों महत्वपूर्ण होते हैं।
- यह पहचानने में कि मार्गदर्शक, ग्राहक, सरकार, निवेशक और इनक्यूबेटर किसी विचार को विकसित करने में किस प्रकार सहायता करते हैं।

संचालक के लिए निर्देश

- प्रत्येक विद्यार्थी को एक A4 शीट दें और उनसे बीच में एक छोटा वृत्त बनाने के लिए कहें।
- उस वृत्त के अंदर लिखें- 'उद्यमी- मैं'
- इसके चारों ओर पाँच वृत्त बनवाएँ और उन्हें इस प्रकार नाम दें—
- मार्गदर्शक (Mentor)
- ग्राहक (Customer)
- सरकार (Government)
- निवेशक (Investor)
- इनक्यूबेटर (Incubator)
- समुदाय (Community)
- विद्यार्थियों से कहें कि वे कोई सरल व्यवसायिक विचार चुनें,(जैसे नाश्ता स्टॉल, हस्तनिर्मित साबुन, पर्यावरण–अनुकूल बैग, मोबाइल मरम्मत आदि)
- प्रत्येक वृत्त के लिए विद्यार्थियों से 2–3 बिंदु लिखने को कहें-

- यह भागीदार उनके व्यवसाय को कैसे सहयोग देगा।
- यह क्यों महत्वपूर्ण है।
- यह किन समस्याओं के समाधान में सहायता करता है।
- विद्यार्थी अपने नोट्स को संबंधित वृत्तों में चिपकाकर अपना पारितंत्र मानचित्र पूरा करें।
- 2–3 विद्यार्थियों को अपने मानचित्र प्रस्तुत करने के लिए आमंत्रित करें।
- अन्य विद्यार्थियों को यह देखने और समझने के लिए प्रोत्साहित करें कि अलग-अलग विचारों के आधार पर पारितंत्र समान भी हो सकते हैं और भिन्न भी।

चिंतन प्रश्न

प्रश्न 1- आपके अनुसार आपके पारितंत्र में कौन-सा भागीदार सबसे अधिक महत्वपूर्ण है और क्यों?
प्रश्न 2- यदि आपके व्यवसायिक विचार में कोई एक भागीदार (जैसे ग्राहक या मार्गदर्शक) न हो, तो क्या होगा?

विकसित होने वाले उद्यमी कौशल

तंत्रात्मक सोच **सहयोग** **समस्या विश्लेषण**

निष्कर्ष

जब विभिन्न हितधारक मिलकर कार्य करते हैं, तब उद्यमिता अधिक प्रभावी और सफल होती है।

गतिविधि 2 पारितंत्र से मिलिए- एक भूमिका-अभिनय

शिक्षार्थी सक्षम होंगे

- यह समझने में कि पारितंत्र के विभिन्न भागीदार (मार्गदर्शक, ग्राहक, निवेशक, सरकार, इनक्यूबेटर) एक ही विचार को अलग-अलग दृष्टिकोण से कैसे देखते हैं।
- यह जानने में कि विभिन्न हितधारकों से मिलने वाली प्रतिक्रिया (Feedback) किसी विचार को अधिक यथार्थवादी, उपयोगी और क्रियान्वयन के लिए तैयार बनाने में कैसे सहायता करती है।

संचालक के लिए निर्देश

- 5 विद्यार्थी स्वयंसेवकों का चयन करें और उन्हें निम्नलिखित भूमिकाएँ दें—
- मार्गदर्शक (Mentor)
- ग्राहक (Customer)
- सरकारी अधिकारी (Government Officer)
- निवेशक (Investor)
- इनक्यूबेटर प्रतिनिधि (Incubator Representative)
- विद्यार्थी स्वयंसेवक को एक सरल विचार दें (उदाहरण- पानी की बर्बादी कम करने वाला एक उपकरण)।
- प्रत्येक विद्यार्थी को भूमिका कार्ड दें (मौखिक रूप से या कागज़ पर) और उन्हें अपने पात्र को समझने के लिए 1 मिनट का समय दें।
- अब भूमिका-अभिनय प्रारम्भ करें।
- मार्गदर्शक- मार्गदर्शन देता है और सुधार के सुझाव देता है।
- ग्राहक- वास्तविक आवश्यकताओं, समस्याओं और अपेक्षाओं को साझा करता है।
- सरकारी अधिकारी- नियमों, अनुमति और सरकारी योजनाओं के बारे में बताता है।
- निवेशक- लागत, विस्तार की संभावना, लाभ और बाज़ार की आवश्यकता की जाँच करता है।
- इनक्यूबेटर प्रतिनिधि- प्रशिक्षण, उपकरण, कार्यस्थल और परीक्षण सहायता प्रदान करता है।

सभी संवादों के बाद विद्यार्थी स्वेच्छा से निम्नलिखित बातों का सार प्रस्तुत करे-

- मूल विचार में क्या परिवर्तन आया
- कौन-सी प्रतिक्रिया सबसे अधिक उपयोगी रही
- आगे वे क्या करेंगेकक्षा के अन्य विद्यार्थियों से कहें कि वे ध्यानपूर्वक अवलोकन करें और विभिन्न दृष्टिकोणों में अंतर को नोट करें|

चिंतन प्रश्न

प्रश्न 1- प्रत्येक हितधारक ने विचार को अलग-अलग प्रकार से कैसे प्रभावित किया?

प्रश्न 2- किस प्रतिक्रिया ने विचार में सबसे अधिक परिवर्तन किया?

विकसित होने वाले उद्यमी कौशल

संप्रेषण कौशल | **दृष्टिकोण समझना** | **निर्णय-निर्माण**

निष्कर्ष

केस स्टोरी 1 काव्या का स्वच्छ जल विचार

शिक्षार्थी सक्षम होंगे--

- यह समझने में कि पारितंत्र के विभिन्न भागीदार (मार्गदर्शक, ग्राहक, समुदाय, इनक्यूबेटर, निवेशक और सरकार) किसी विचार के विकास में किस प्रकार सहयोग करते हैं|
- यह जानने में किसी प्रारम्भिक विचार को वास्तविक और उपयोगी समाधान में बदलने के लिए परीक्षण करना, सुधार करना और प्रतिक्रिया प्राप्त करना क्यों आवश्यक है|

चिंतन प्रश्न

प्रश्न 1- यदि काव्या ने कभी ग्राहकों से बात न की होती या अपने प्रोटोटाइप का परीक्षण न किया होता, तो क्या हो सकता था?

प्रश्न 2- प्रत्येक हितधारक ने काव्या के विचार को बेहतर बनाने में किस प्रकार सहायता की?

प्रश्न 3- काव्या की यात्रा का कौन-सा भाग आपको सबसे महत्वपूर्ण लगा और क्यों?

चर्चा के बिंदु

- काव्या को अपने विचार को लागू करने में किसने सहायता की?
- उद्यमियों के लिए सहयोग (Collaboration) क्यों महत्वपूर्ण है?

संकल्पना

वैश्विक उद्यमिता अनुसंधान (आइसनबर्ग, हार्वर्ड बिज़नेस रिव्यू; OECD Entrepreneurial Ecosystem Framework) के अनुसार, उद्यमी पारितंत्र वह है- "आपस में जुड़े लोगों, संस्थानों और संसाधनों का ऐसा नेटवर्क जो उद्यमियों को विचार विकसित करने और उन्हें आगे बढ़ाने में सहयोग करता है|"

एक मजबूत उद्यमी पारितंत्र में सामान्यत: निम्नलिखित तत्व शामिल होते हैं—

- मार्गदर्शक - ज्ञान, कौशल और अनुभव प्रदान करते हैं।
- ग्राहक - यह सुनिश्चित करते हैं कि विचार वास्तव में किसी समस्या का समाधान करता है या नहीं।
- समुदाय - प्रारम्भिक सहयोग, परीक्षण के लिए स्थान और प्रोत्साहन प्रदान करता है।
- इनक्यूबेटर - प्रशिक्षण, उपकरण, कार्यस्थल और विशेषज्ञ मार्गदर्शन उपलब्ध कराते हैं।
- निवेशक - वित्तीय सहायता और व्यावसायिक नेटवर्क प्रदान करते हैं।
- सरकार - विकास को संभव बनाने के लिए नियम, नीतियाँ और योजनाएँ तैयार करती है।

ये सभी तत्व अलग-अलग नहीं, बल्कि एक-दूसरे के साथ मिलकर कार्य करते हैं और एक-दूसरे को सशक्त बनाते हैं। आधुनिक उद्यमिता अध्ययन इस बात पर जोर देते हैं कि- "नवाचार तब अधिक सफल होता है जब उद्यमी अकेले कार्य करने के बजाय एक सहयोगी पारितंत्र का हिस्सा होते हैं।"इसका अर्थ है कि प्रत्येक युवा नवप्रवर्तक को अपने विचारों को वास्तविक समाधान में बदलने के लिए लोगों, संसाधनों, सीखने के अवसरों, वास्तविक उपयोगकर्ताओं और सहायक प्रणालियों तक पहुँच की आवश्यकता होती है।

साप्ताहिक कार्य

- किसी एक उद्यमी की कहानी चुनिए। यह कोई आपके पड़ोस का व्यक्ति, परिवार का सदस्य, स्थानीय दुकानदार, या प्रसिद्ध उद्यमी जैसे पीयूष बंसल (Lenskart), रितेश अग्रवाल (OYO), या प्रफुल्ल बिल्लोरे (MBA Chaiwala) हो सकते हैं।
- निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर देते हुए 8–10 वाक्यों का एक छोटा अनुच्छेद लिखिए-
  -उद्यमी कौन है और उसने कौन-सी समस्या का समाधान किया?
  -शुरुआत में किसने उनका सहयोग किया?
  (जैसे—मार्गदर्शक, परिवार, शिक्षक, ग्राहक, समुदाय, निवेशक आदि)
- किस प्रकार की प्रतिक्रिया या सहायता ने उनके विचार को और मजबूत बनाया?
- क्या किसी संगठन, सरकारी योजना, इनक्यूबेटर या मार्गदर्शक समूह ने उनका सहयोग किया?
- उनके पारितंत्र ने उनके विचार या व्यवसाय को बढ़ाने में कैसे सहायता की?
- उनकी यात्रा से हमें कौन-सी एक महत्वपूर्ण सीख मिलती है?
- अपना अनुच्छेद लिखने के बाद उसे साफ-सुथरे ढंग से एक फाइल (A4 शीट या नोटबुक पेज) में तैयार करें और अगली कक्षा में जमा करें।

अध्याय 04

एक उद्यमी की तरह सोचें

F9P5G1

कालांश: 3

पिछले अध्याय में, हमने NEEEV के मिशन, विज़न और इसके प्रमुख घटकों के बारे में जाना और तिलक मेहता की प्रेरणादायक कहानी का अध्ययन करके यह समझा कि कैसे सही सोच और समर्थन से एक साधारण समस्या एक सफल विचार में बदल सकती है। अब हम आगे बढ़ने और व्यापक परिप्रेक्ष्य, यानी उद्यमी पारिस्थितिकी तंत्र का अध्ययन करने के लिए तैयार हैं जो प्रत्येक उद्यमी की यात्रा में सहायक होता है।

अधिगम उद्देश्य

शिक्षार्थी सक्षम होंगे

- वास्तविक जीवन की समस्याओं और अवसरों की पहचान करने के लिए अपने आसपास के परिवेश का अवलोकन करने में।
- भावनात्मक और सामाजिक आवश्यकताओं को समझने के लिए समानुभूति विकसित करने में।
- रचनात्मक समाधान खोजने के लिए जिज्ञासा और कल्पना का उपयोग करने में।
- स्पष्ट रूप से संवाद करने और सक्रिय रूप से सुनने में
- टीमों में मिलजुलकर कार्य करने में।
- पहल करने और जिम्मेदार निर्णय लेने में।

अध्याय का अवलोकन

यह अध्याय अवलोकन, समानुभूति, जिज्ञासा, रचनात्मकता, टीम वर्क, संचार और पहल जैसे मुख्य उद्यमशीलता कौशल विकसित करने पर केंद्रित है। वास्तविक जीवन की उद्यमी कहानियों और अनुभवात्मक गतिविधियों के माध्यम से, शिक्षार्थी समझते हैं कि कैसे सफल उद्यमी समस्याओं का गहराई से अवलोकन करते हैं, लोगों की जरूरतों से जुड़ते हैं और समाधान बनाने के लिए मिलकर काम करते हैं। यह विषय वस्तु समस्या-समाधान क्षमताओं के साथ-साथ भावनात्मक बुद्धिमत्ता (Emotional intelligence) का निर्माण करती है।

अध्याय का औचित्य

उद्यमिता केवल व्यवसाय शुरू करने के बारे में नहीं है, बल्कि दैनिक चुनौतियों का आत्मविश्वास और जिम्मेदारी से सामना करने के लिए कौशल विकसित करने के बारे में है। यह विषय शिक्षार्थियों को सामाजिक-भावनात्मक कौशल, सहयोग की आदतों और अभिनव सोच (Innovative thinking) से लैस करता है, जो भविष्य के करियर और नागरिकता के लिए आवश्यक हैं। यह समग्र विकास पर NEP 2020 के फोकस के साथ मजबूती से मेल खाता है।

SDG और NEP 2020 के साथ जुड़ाव

अध्याय का मुख्य ध्यान	संरेखित सतत विकास लक्ष्य (Aligned SDGs)	अध्याय सतत विकास लक्ष्यों (SDGs) का समर्थन कैसे करता है	NEP 2020 के साथ संरेखण (Alignment with NEP 2020)
अवलोकन, समानुभूति, जिज्ञासा और टीम वर्क के माध्यम से उद्यमशीलता की मानसिकता विकसित करना	SDG 4 – गुणवत्तापूर्ण शिक्षा	अनुभवात्मक गतिविधियों (Experiential activities) और वास्तविक जीवन की केस स्टोरी के माध्यम से संचार, समानुभूति, सहयोग और आलोचनात्मक सोच जैसे आवश्यक कौशल विकसित करता है।	शिक्षार्थियों के सर्वांगीण विकास और विशेष क्षमताओं को निखारने पर जोर देता है।
अवलोकन और समानुभूति के माध्यम से लोगों की जरूरतों को समझना।	SDG 11 – संधारणीय शहर और समुदाय	शिक्षार्थियों को अपने परिवेश में वास्तविक समस्याओं की पहचान करने और ऐसे समाधानों के बारे में सोचने के लिए प्रोत्साहित करता है जो सामुदायिक कल्याण में सुधार करते हैं।	यह सामाजिक-भावनात्मक शिक्षा का समर्थन करता है और कक्षा में होने वाली सीख तथा सामुदायिक अनुभवों के बीच संबंध बनाने के लिए प्रोत्साहित करता है।
जिज्ञासा सृजनात्मकता (Creativity) और नवाचार (Innovation) को प्रोत्साहित करना।	SDG 8 – सम्मानजनक कार्य और आर्थिक विकास	भविष्य की आर्थिक भागीदारी- शिक्षार्थियों को उद्यमशीलता की दक्षताओं (Entrepreneurial competencies) से परिचित कराता है, जैसे कि पहल करना, नवाचार और सृजनात्मकता से समस्या को सुलझाना, जो भविष्य की आर्थिक भागीदारी का आधार हैं।	यह प्रश्न पूछने और नई चीज़ों को खोजने (Inquiry) पर आधारित सीखने की पद्धति और नवीन सोच (Innovative thinking) के विकास को बढ़ावा देता है।
टीम वर्क, संचार और सहयोग को बढ़ावा देना।	SDG 17 – लक्ष्यों के लिए साझेदारी	यह दर्शाता है कि कैसे सहयोग और साझेदारी समस्याओं को प्रभावी ढंग से हल करने और बेहतर समाधान तैयार करने में मदद करती है।	शिक्षार्थियों के बीच सहयोगात्मक शिक्षण और संचार कौशल (Communication skills) को मजबूत करता है।
सीखने को वास्तविक जीवन की चुनौतियों और उद्यमशीलता पारिस्थितिकी तंत्र (Entrepreneurial ecosystems) के साथ जोड़ना।	SDG 9 – उद्योग, नवाचार और बुनियादी ढांचा	नवाचार और टीम वर्क शिक्षार्थियों को नवाचार और टीम वर्क के माध्यम से उत्पादों, सेवाओं और प्रणालियों को बेहतर बनाने के बारे में सोचने के लिए प्रोत्साहित करता है।	यह 'करके सीखने' और ज्ञान को वास्तविक दुनिया (Real-world application) में लागू करने की पद्धति का समर्थन करता है।

केस स्टोरी 1 वह व्यक्ति जिसने पूरे देश की समस्या का अवलोकन किया

शिक्षार्थी सक्षम होंगे

- यह समझने में कि अवलोकन कैसे वास्तविक समस्याओं को प्रकट करता है।
- चुनौतियों के भावनात्मक पहलुओं को पहचानने में।
- समानुभूतिपूर्ण सोच का अभ्यास करने में ।

संचालक के लिए निर्देश

- भावना के साथ धीरे-धीरे वर्णन करें।
- किसानों के संघर्ष पर जोर दें।
- शिक्षार्थी के सोचने के लिए रुकें।
- उत्तर जल्दी देने से बचें।
- किसानों के संघर्ष, कुरियन के सुनने के दृष्टिकोण और सहकारी समाधान (Cooperative solution) पर प्रकाश डालते हुए कहानी सुनाएं। शिक्षार्थी के चिंतन और प्रतिक्रियाओं के लिए रुको और सोचो।

चिंतन प्रश्न

प्रश्न 1- किन समस्याओं का अवलोकन किया गया?
प्रश्न 2- किसान क्यों कष्ट सह रहे थे?
प्रश्न 3- इसमें कौन सी भावनाएँ शामिल थीं?
प्रश्न 4- मूल कारण (Root cause) क्या था?

विकसित होने वाले उद्यमी कौशल

अवलोकन | **समानुभूति** | **समस्या की पहचान** | **आलोचनात्मक सोच**

निष्कर्ष

- यह कहानी दिखाती है कि उद्यमिता लोगों को समझने और उनकी समस्याओं का गहराई से अवलोकन करने से शुरू होती है। वर्गीज कुरियन ने एक बड़ी कंपनी बनाने के विचार से शुरुआत नहीं की थी; उन्होंने किसानों की स्थिति को देखने, सुनने और उनकी परवाह करने से शुरुआत की थी।
- चीजें अनुचित क्यों थीं, यह पूछकर और एक बेहतर प्रणाली के बारे में सोचकर, उन्होंने एक ऐसा समाधान खोजने में मदद की जिससे लाखों लोगों को लाभ हुआ। यह हमें सिखाता है कि समानुभूति, स्पष्ट सोच और सामूहिक प्रयास के साथ, एक साधारण विचार भी बड़े पैमाने पर सकारात्मक बदलाव ला सकता है।

गतिविधि 1 समानुभूति साक्षात्कार

शिक्षार्थी सक्षम होंगे

- यह समझने में कि लोग रोज़मर्रा की स्थितियों में कैसा महसूस करते हैं।
- विचारों, कार्यों और भावनाओं को ध्यान से सुनने और उन पर गौर करने में।
- किसी समस्या को दूसरे व्यक्ति के नजरिए से देखकर समानुभूति विकसित करने में।

संचालक के लिए निर्देश

- सम्मानपूर्वक सुनने के लिए प्रोत्साहित करें।
- बीच में टोकने से धीरे से रोकें।
- ईमानदारी से साझा करने की सराहना करें।
- शिक्षार्थी किसी वास्तविक कठिनाई के बारे में साथियों का साक्षात्कार लेते हैं और एक समानुभूति मानचित्र पूरा करते हैं।

चिंतन प्रश्न

प्रश्न 1- सुनने से आपकी समझ कैसे बदली?
प्रश्न 2- समानुभूति क्यों महत्वपूर्ण है?

विकसित होने वाले उद्यमी कौशल

अवलोकन | **समानुभूति** | **समस्या की पहचान** | **समालोचनात्मक चिंतन**

निष्कर्ष

- जब हम ध्यान से सुनते हैं और यह समझने की कोशिश करते हैं कि दूसरे कैसा महसूस करते हैं, तो हम अधिक दयालु और विचारशील बनते हैं। समानुभूति हमें विभिन्न विचारों का सम्मान करने और समस्याओं को मिलकर हल करने के बेहतर तरीके खोजने में मदद करती है। हर व्यक्ति समस्याओं का अनुभव अलग तरह से करता है और उनकी भावनाएं समस्या जितनी ही महत्वपूर्ण होती हैं।
- बिना टोक के ध्यान से सुनने से, हम दूसरों के विचारों और भावनाओं का सम्मान करना सीखते हैं। समानुभूति हमें धैर्यवान, दयालु और सहायक होना सिखाती है। यह कौशल न केवल दोस्ती और टीम वर्क के लिए महत्वपूर्ण है, बल्कि जिम्मेदार और संवेदनशील व्यक्ति बनने के लिए भी आवश्यक है

साप्ताहिक कार्य

- इस सप्ताह के दौरान, अपने आसपास (घर, स्कूल, या अपने पड़ोस) का सावधानीपूर्वक अवलोकन करें। उन छोटी कठिनाइयों या चुनौतियों पर ध्यान दें जिनका लोग अपने दैनिक जीवन में सामना करते हैं। ऐसी एक समस्या चुनें जिसे आप अक्सर देखते हैं।
- उस समस्या से प्रभावित कम से कम एक व्यक्ति से बात करें। वे जो कहते हैं उसे ध्यान से सुनें और यह समझने की कोशिश करें कि वह समस्या उन्हें कैसा महसूस कराती है। इस स्तर पर बीच में न टोकें और न ही समाधान सुझाएं।

- और लिखें (6-8 वाक्य)-
  - आपने किन समस्याओं का अवलोकन किया?
  - आपने इसे कहाँ देखा?
  - इस समस्या से कौन प्रभावित है?
  - यह समस्या लोगों को भावनात्मक या व्यावहारिक रूप से कैसे प्रभावित करती है?
  - उन्हें सुनकर आपने क्या सीखा?

केस स्टोरी 2 गजल अलघ - वे सवाल जिनसे 'mamaearth' की शुरुआत हुई

शिक्षार्थी सक्षम होंगे

- अवलोकन करने में कि जिज्ञासा कैसे वास्तविक जीवन की समस्याओं की पहचान करने में मदद करती है।
- प्रश्न पूछने और सावधानीपूर्वक अवलोकन करने के महत्व को समझने में।
- यह पहचानने में कि लोगों की बात सुनना और फीडबैक (Feedback) के आधार पर अपने विचार में सुधार करना उसके विकास में मदद करता है

संचालक के लिए निर्देश

- जिज्ञासा के क्षणों पर प्रकाश डालें।
- शिक्षार्थियों को व्यक्तिगत रूप से जुड़ने के लिए कहें।
- फीडबैक से सीखने पर जोर दें।
- सवाल पूछने, शोध, फीडबैक और सुधार पर जोर दें।

चिंतन प्रश्न

प्रश्न 1- किस समस्या पर ध्यान दिया गया?
प्रश्न 2- जिज्ञासा किस प्रकार कार्यवाही (Action) की ओर ले गई?
प्रश्न 3- फीडबैक क्यों महत्वपूर्ण था?

विकसित होने वाले उद्यमी कौशल

जिज्ञासा | रचनात्मकता | नवाचार | फीडबैक से सीखना।

निष्कर्ष

- यह कहानी दिखाती है कि उद्यमिता (Entrepreneurship) अक्सर लोगों के कल्याण के प्रति जिज्ञासा और चिंता से शुरू होती है। सावधानीपूर्वक अवलोकन करके, सही प्रश्न पूछकर और वास्तविक जरूरतों को समझकर सार्थक विचार बनाए जा सकते हैं। गजल अलघ की यात्रा सिखाती है कि विश्वास बनाने और वास्तव में लोगों की मदद करने वाले समाधान विकसित करने में ईमानदारी, कल्पना, शोध और फीडबैक महत्वपूर्ण हैं।

गतिविधि 2 अंतर को पाटें

शिक्षार्थी सक्षम होंगे

- टीम वर्क और सहयोग के महत्व को समझने में।
- यह देखने में कि लोग एक कठिन कार्य को पूरा करने के लिए एक-दूसरे का समर्थन कैसे करते हैं।
- यह महसूस करने में कि साथ मिलकर काम करने से चुनौतियों को हल करना आसान हो जाता है।

संचालक के लिए निर्देश

- चित्र दिखाएं (या उसका वर्णन करें)।
- स्पष्टीकरण से पहले शिक्षार्थियों को व्याख्या करने के लिए कहें।

चिंतन प्रश्न

प्रश्न 1- अकेले पार करना जोखिम भरा क्यों है?
प्रश्न 2- टीम वर्क कठिनाई को कैसे कम करता है?
प्रश्न 3-आप आमतौर पर एक टीम में क्या भूमिका निभाते हैं?

विकसित होने वाले उद्यमी कौशल

जिज्ञासा | रचनात्मक सोच | कल्पना | सहयोग

निष्कर्ष

- यह गतिविधि दिखाती है कि सफलता के लिए टीम वर्क और सहयोग बहुत महत्वपूर्ण हैं। चित्र की तरह ही, जब लोग एक-दूसरे का समर्थन करते हैं और अपनी ताकत का एक साथ उपयोग करते हैं, तो कठिन कार्य भी संभव हो जाते हैं।
- हर किसी की एक विशेष भूमिका होती है, और जब ये भूमिकाएँ एक साथ आती हैं, तो टीम मजबूत बनती है।

गतिविधि 3 गेंद पास करें – टीम समन्वय चुनौती

शिक्षार्थी सक्षम होंगे

- समन्वय (Coordination), संचार और साझा जिम्मेदारी के महत्व को समझने में।
- यह अनुभव करने में कि टीम वर्क किसी कार्य को सफलतापूर्वक पूरा करने में कैसे मदद करता है।
- यह सीखने में कि योजना और साथियों पर विश्वास कठिन कार्यों को आसान बनाता है।

संचालक के लिए निर्देश

- चुपचाप अवलोकन करें।
- आवश्यकता न होने पर हस्तक्षेप न करें।
- संचार के तरीकों, नेतृत्व, हताशा और समर्थन पर ध्यान दें।

चिंतन प्रश्न

प्रश्न 1- क्या हुआ जब एक व्यक्ति ने ध्यान खो दिया?
प्रश्न 2- संचार क्यों महत्वपूर्ण था?
प्रश्न 3- विश्वास ने प्रदर्शन को कैसे प्रभावित किया?

निष्कर्ष

- सफलता केवल व्यक्तिगत प्रयास के बारे में नहीं बल्कि साथ मिलकर काम करने के बारे में है। जब टीम के सदस्य स्पष्ट रूप से संवाद करते हैं, एक-दूसरे का समर्थन करते हैं और साझा जिम्मेदारी लेते हैं, तो चुनौतीपूर्ण कार्य भी संभव हो जाते हैं।

साप्ताहिक कार्य

- **रचनात्मक** रूप से सोचें और एक सरल विचार की कल्पना करें जो इस समस्या को कम करने या हल करने में मदद कर सके। विचार का पूर्ण, महंगा या पूरी तरह से विकसित होना आवश्यक नहीं है।
- **खुद से प्रश्न पूछें-**
  यह समस्या क्यों मौजूद है?
  क्या बदला या सुधारा जा सकता है?
  यह विचार लोगों की मदद कैसे करेगा?
- **शिक्षार्थी लिखेंगे** (6-8 वाक्य)-
  समस्या का संक्षेप में पुनः वर्णन करें।
  अपना विचार या समाधान समझाएं।
  आपका विचार लोगों की मदद कैसे करता है?
  आपके विचार को क्या उपयोगी या अलग बनाता है?
  इस विचार का उपयोग करते समय आपको आने वाली एक कठिनाई।

गतिविधि 4 मुझे ध्यान से सुनें

शिक्षार्थी सक्षम होंगे

- दूसरों की बात को ध्यानपूर्वक और बिना टोके सुनने में।
- अपने साथी द्वारा साझा किए गए मुख्य विचारों और भावनाओं को अपने शब्दों में बताने में।

संचालक के लिए निर्देश

- जोड़ी में साझा करना (प्रत्येक 3 मिनट)।
- मौन होकर सुनना।
- समूह में साथी की कहानी दोबारा सुनाना।

चिंतन प्रश्न

प्रश्न 1- बिना टोके सुनने में कैसा लगा?
प्रश्न 2- क्या किसी और की भावनाओं को सटीकता से दोबारा बताना कठिन था?
प्रश्न 3- टीम वर्क में सुनना क्यों महत्वपूर्ण है?

निष्कर्ष

- सुनना बोलने जितना ही महत्वपूर्ण है। जब हम ध्यान से और समानुभूति के साथ सुनते हैं, तो हम दूसरों को बेहतर समझते हैं और विश्वास बनाते हैं।
- किसी और की कहानी को दोबारा सुनाना हमें दूसरों की भावनाओं के प्रति जिम्मेदार होना और ईमानदारी से संवाद करना सिखाता है।

साप्ताहिक कार्य

- साप्ताहिक अभ्यास कार्य के लिए अपने दैनिक जीवन (घर, स्कूल या पड़ोस) का अवलोकन करें और एक ऐसी स्थिति की पहचान करें जहाँ टीम वर्क ने किसी काम को आसान या सफल बनाया।
- अब एक छोटा पैराग्राफ (6-8 वाक्य) लिखें
  वह स्थिति क्या थी?
  इसमें कौन शामिल था?
  सभी ने मिलकर कैसे काम किया?
  आपने क्या भूमिका निभाई?
  संचार ने आपकी टीम को सफल होने में कैसे मदद की?
  उस अनुभव से आपने टीम वर्क के बारे में क्या सीखा?

संकल्पना

- **अवलोकन और जिज्ञासा** -उद्यमिता की शुरुआत दुनिया का सावधानीपूर्वक अवलोकन करने और मौजूदा चीज़ों को बेहतर बनाने के लिए सवाल पूछकर समस्याओं और अवसरों को पहचानने से होती है।
- **समानुभूति और संचार** -दूसरों की ज़रूरतों को समझना, सक्रिय रूप से सुनना और विभिन्न दृष्टिकोणों का सम्मान करना सार्थक और उपयोगी समाधान बनाने में मदद करता है।
- **टीम वर्क और पहल** साथ मिलकर काम करना, अपनी ताकतों को जोड़ना, सृजनात्मक होना और पहल करना एक जिम्मेदार और नवीन समस्या-समाधानकर्ता की मानसिकता विकसित करता है।
- **21वीं सदी के कौशल के रूप में टीम वर्क-** टीम वर्क में प्रत्येक व्यक्ति की ताकत का उपयोग करके और एक-दूसरे का समर्थन करते हुए एक साझा लक्ष्य की ओर मिलकर काम करना शामिल है। (स्रोत- OECD फ्यूचर ऑफ एजुकेशन एंड स्किल्स 2030 फ्रेमवर्क)
- **सहयोग -** सहयोग का अर्थ है समस्याओं को प्रभावी ढंग से हल करने के लिए विविध दृष्टिकोणों और कौशलों को जोड़ना। इसमें जिम्मेदारियां साझा करना, साथियों की मदद करना और मिलकर समाधान बनाना शामिल है। (स्रोत- यूनेस्को "आजीवन सीखने के लिए मुख्य दक्षताएँ" 2019)
- **संचार -** संचार विचारों को स्पष्ट रूप से साझा करने और दूसरों को सक्रिय रूप से सुनने की क्षमता है। प्रभावी संचार में बोलना, सुनना, शरीर की भाषा (Body language) का उपयोग करना और भावनाओं को सम्मानपूर्वक व्यक्त करना शामिल है। (स्रोत- पार्टनरशिप फॉर 21st सेंचुरी स्किल्स - P21 फ्रेमवर्क)
- **सक्रिय श्रवण और समानुभूति (Active Listening & Empathy)-** सक्रिय रूप से सुनने (Active listening) का अर्थ है दूसरे व्यक्ति के शब्दों, लहजे (Tone) और भावनाओं पर पूरा ध्यान देना। समानुभूति हमें यह समझने में मदद करती है कि दूसरे कैसा महसूस करते हैं और हम देखभाल के साथ उन्हें प्रतिक्रिया देते हैं। ये कौशल टीम वर्क और रिश्तों को मजबूत करते हैं। (स्रोत- विश्व आर्थिक मंच - "भविष्य के कार्य के लिए कौशल" 2020)।

अध्याय 05

स्वयं की खोज

X8S2A9

कालांश: 3

पिछली इकाई में, आपने सीखा कि उद्यमिता केवल व्यवसाय शुरू करने तक सीमित नहीं है। यह समस्याओं का अवलोकन करने, लोगों को समझने, टीम में काम करने, सार्थक प्रश्न पूछने और समानुभूति करने जैसे महत्वपूर्ण जीवन कौशलों से जुड़ा है। गतिविधियों और केस स्टडी के माध्यम से, आपने समानुभूति, जिज्ञासा, संचार और टीम वर्क का अभ्यास किया। ये सभी कौशल स्वयं को समझने की एक महत्वपूर्ण दुनिया से शुरू होती है।

अधिगम उद्देश्य

शिक्षार्थी सक्षम होंगे

- स्वयं को बेहतर समझना, अपनी ताकतों और सुधार के क्षेत्रों की पहचान करने में।
- अपने विचारों, कार्यों और आदतों पर दैनिक जीवन में चिंतन करने में।
- यह पहचानने में कि सकारात्मक आदतें व्यक्तिगत विकास में कैसे सहायक होती हैं।
- अपनी ताकतों का उपयोग करके उन क्षेत्रों पर काम करने में जिनमें सुधार की आवश्यकता है।
- आत्म-विकास के लिए सरल व्यक्तिगत लक्ष्य निर्धारित करने में।
- अपनी प्रगति की समीक्षा करना और समय-समय पर छोटे बदलाव करने में।

अध्याय का अवलोकन

यह अध्याय शिक्षार्थी को व्यक्तिगत विकास, सीखने और जिम्मेदार निर्णय लेने के आधार के रूप में 'आत्म-खोज' से परिचय कराता है। दूसरों के साथ प्रभावी ढंग से काम करने या भविष्य के लक्ष्यों की योजना बनाने से पहले, शिक्षार्थी को अपनी ताकत, भावनाओं, आदतों और व्यवहार के तरीकों को समझना आवश्यक है।

चिंतन-आधारित गतिविधियों, प्रेरणादायक वास्तविक जीवन की केस स्टोरी, और आदत-विश्लेषण अभ्यासों के माध्यम से, शिक्षार्थी यह पता लगाते हैं के वे कौन हैं, वे कैसे सोचते और महसूस करते हैं, और उनके दैनिक कार्य उनके भविष्य को कैसे आकार देते हैं। यह अध्याय इस बात पर जोर देता है कि आत्म-जागरूकता का अर्थ खुद को आंकना (judging) नहीं है, बल्कि ईमानदारी और आत्मविश्वास के साथ खुद को समझना है।
आत्म-चिंतन को आत्मविश्वास, भावनात्मक संतुलन और आजीवन सीखने से जोड़कर, यह अध्याय शिक्षार्थी को यह पहचानने में मदद करता है कि व्यक्तिगत विकास एक निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है। शिक्षार्थी सीखते हैं कि प्रयास, अभ्यास और समर्थन से क्षमताओं और आदतों में सुधार किया जा सकता है, जिससे वे स्कूल, रिश्तों और भविष्य के करियर में बेहतर विकल्प चुनने में सक्षम होते हैं।

अध्याय का औचित्य

शिक्षार्थी अक्सर बाहरी सफलता जैसे कि अंक (marks), प्रतिस्पर्धा, या दूसरों से मिलने वाली प्रशंसा पर ध्यान केंद्रित करते हैं, जबकि वे अपनी भावनाओं, ताकत, आदतों और विकास की जरूरतों के प्रति अनभिज्ञ रहते हैं। यह अध्याय शिक्षार्थी को भीतर की ओर देखने और एक शिक्षार्थी एवं व्यक्ति के रूप में स्वयं के प्रति जागरूकता पैदा करने में मदद करके उस कमी को पूरा करता है।
आत्मविश्वास बढ़ाने, भावनाओं को प्रबंधित करने, व्यवहार में सुधार करने और लचीलापन (resilience) विकसित करने के लिए खुद को समझना आवश्यक है। जब शिक्षार्थी अपनी ताकत को पहचानते हैं, तो उन्हें आत्म-विश्वास प्राप्त होता है; जब वे विकास के क्षेत्रों की पहचान करते हैं, तो वे सीखते हैं कि डर या आत्म-संदेह के बजाय प्रयास के माध्यम से सुधार संभव है।

भावनाओं, आदतों और दैनिक दिनचर्या पर चिंतन को प्रोत्साहित करके, यह अध्याय शिक्षार्थी को भावनात्मक बुद्धिमत्ता, जिम्मेदारी और आत्म-अनुशासन विकसित करने में सहायता करता है। ये गुण न केवल शैक्षणिक सफलता के लिए बल्कि कल्याण, नैतिक निर्णय लेने और भविष्य की तैयारी के लिए भी आवश्यक हैं। यह अध्याय शिक्षार्थी को स्पष्टता और आत्मविश्वास के साथ अपने सीखने और व्यक्तिगत विकास की जिम्मेदारी लेने के लिए तैयार करता है।

SDG और NEP 2020 के साथ जुड़ाव

अध्याय का मुख्य फोकस	संबद्ध सतत विकास लक्ष्य	अध्याय सतत विकास लक्ष्यों (SDGs) का समर्थन कैसे करता है	NEP 2020 के साथ जुड़ाव
विचार, भावना, ताकत और आदतों पर चिंतन के माध्यम से आत्म-जागरूकता (Self-awareness) विकसित करना।	SDG 4 – गुणवत्तापूर्ण शिक्षा	यह चिंतनशील सीखने (reflective learning), भावनात्मक जागरूकता और मेटाकॉग्निशन (metacognition) को प्रोत्साहित करता है, जो शिक्षार्थियों को यह समझने में मदद करते हैं कि वे कैसे सीखते हैं और बढ़ते हैं।	समग्र (holistic) और योग्यता-आधारित शिक्षा (competency-based education) को बढ़ावा देता है जो संज्ञानात्मक, भावनात्मक और नैतिक क्षमताओं का विकास करती है।
भावनाओं, आदतों और व्यक्तिगत कल्याण (personal well-being) को समझना।	SDG 3 – उत्तम स्वास्थ्य और खुशहाली	ह मानसिक खुशहाली, भावनात्मक विनियमन (emotional regulation) और स्वस्थ दैनिक आदतों के प्रति जागरूकता पैदा करता है, जो संतुलित विकास का समर्थन करते हैं।	शिक्षार्थियों के बीच सामाजिक-भावनात्मक शिक्षा (SEL) और भावनात्मक बुद्धिमत्ता (emotional intelligence) को मजबूत करता है।
आत्मविश्वास, सहनशीलता (resilience) और विकासवादी सोच (growth mindset) का निर्माण करना।	SDG 8 – सम्मानजनक कार्य और आर्थिक विकास	यह आत्म-अनुशासन, जिम्मेदारी और आत्मविश्वास जैसे बुनियादी जीवन कौशल विकसित करता है, जो शिक्षार्थियों को भविष्य के करियर और समाज में उत्पादक भागीदारी के लिए तैयार करते हैं।	स्व-निर्देशित सीखने (self-directed learning), सहनशीलता (resilience) और जिम्मेदार निर्णय लेने को प्रोत्साहित करता है।
वास्तविक जीवन के रोल मॉडल और सांस्कृतिक परंपराओं से सीखना।	SDG 11 – टिकाऊ शहर और समुदाय	यह सांस्कृतिक ज्ञान को संरक्षित करने और उन प्रेरक व्यक्तियों से सीखने के महत्व पर प्रकाश डालता है, जो समाज और विरासत में अपना योगदान देते हैं।	संस्कृति के प्रति सम्मान, मूल्य-आधारित शिक्षा और प्रासंगिक शिक्षा (contextual learning) को बढ़ावा देता है।
भविष्य को आकार देने में आदतों और व्यक्तिगत अनुशासन के महत्व को पहचानना।	SDG 12 – जिम्मेदार उपभोग और उत्पादन	यह जागरूक दैनिक आदतों, जिम्मेदार व्यवहार और सचेत विकल्पों को प्रोत्साहित करता है, जो व्यक्तिगत और सामाजिक कल्याण को प्रभावित करते हैं।	जीवन-कौशल शिक्षा और जिम्मेदार एवं आत्म-जागरूक व्यक्तियों के विकास का समर्थन करता है।

गतिविधि 2 वे प्रश्न जो मुझे स्वयं को जानने में मदद करते हैं

शिक्षार्थी सक्षम होंगे--

- सारांश को तुरंत न देने में।
- स्वाभाविक रूप से "स्वयं" के निष्कर्ष तक पहुँचने देने में।
- अपने विचारों, भावनाओं, डर और सपनों पर चिंतन करने में।
- व्यक्तिगत ताकत और विकास के क्षेत्रों की पहचान शुरू करने में।
- यह समझने में कि आत्म-जागरूकता विकास की ओर पहला कदम है।

संचालक के लिए निर्देश

- दो शिक्षार्थियों की शांति से सोचते हुए तस्वीर दिखाएं या उसका वर्णन करें।
- शिक्षार्थियों को चुपचाप बैठने और एक मिनट के लिए तस्वीर को देखने के लिए कहें।
- आत्म-चिंतन के प्रश्नों को धीरे-धीरे पढ़कर सुनाएं।
- मुझे किस बात से डर लगता है?
- मेरे सपने क्या हैं?
- मैं किस काम में अच्छा हूँ?
- मेरे सबसे करीबी लोग कौन हैं?
- किस चीज़ पर मुझे ध्यान देने की ज़रूरत है?
- मुझे कहाँ सुधार करने की आवश्यकता है?

चिंतन प्रश्न

प्रश्न 1-किस प्रश्न ने आपको सबसे अधिक सोचने पर मजबूर किया? क्यों?
प्रश्न 2-अपने डर या सपनों के बारे में सोचकर कैसा लगा?
प्रश्न 3-आपने अपनी ताकत के बारे में क्या खोजा?

विकसित होने वाले उद्यमी कौशल

आत्म-जागरूकता | भावनात्मक चिंतन | आत्म-अभिव्यक्ति में आत्मविश्वास | ईमानदार सोच

निष्कर्ष

- खुद को जानना आगे बढ़ने और सुधार करने की दिशा में पहला कदम है। अपने डर, सपनों, ताकत और उन क्षेत्रों के बारे में सोचना जहाँ हम बदलाव चाहते हैं, हमें यह समझने में मदद करता है कि हम कौन हैं। यह सामान्य है कि हमारे पास तुरंत सभी उत्तर न हों।
- हमें अपने आस-पास के लोगों, जैसे कि हमारे परिवार, दोस्तों और शिक्षकों से प्रतिक्रिया (feedback) मिलती है। हम किसमें अच्छे हैं और हमें किन क्षेत्रों पर काम करने की ज़रूरत है, दोनों को पहचानकर हम बेहतर चुनाव कर सकते हैं और खुद को भविष्य के लिए तैयार कर सकते हैं। यह चिंतन खुद को गहराई से समझने और आत्मविश्वास के साथ अपनी क्षमताओं को विकसित करने की यात्रा की शुरुआत है।

साप्ताहिक कार्य

- हफ़्ते के दौरान, अपने बारे में सोचने के लिए कुछ शांत समय निकालें। अपनी भावनाओं, विचारों, डर, सपनों और ताकत पर चिंतन करें। कक्षा में चर्चा किए गए किन्हीं दो चिंतन के प्रश्नों को चुनें (जैसे डर, सपने, ताकत, या सुधार के क्षेत्र)। सही या गलत उत्तरों की चिंता किए बिना उनके बारे में ईमानदारी से सोचें।
- यदि आप सहज महसूस करते हैं, तो आप किसी विश्वसनीय व्यक्ति (माता-पिता, भाई-बहन, मित्र या शिक्षक) से बात कर सकते हैं, या अपने आप में शांति से चिंतन कर सकते हैं। एक छोटा अनुच्छेद (6-8 वाक्य) लिखें जिसमें निम्नलिखित का वर्णन हो-
  - आपके द्वारा चुने गए दो प्रश्न।
  - ये प्रश्न आपके लिए महत्वपूर्ण क्यों महसूस हुए?
  - आपने अपने बारे में क्या खोजा?
  - चिंतन करने के बाद आपको कैसा महसूस हुआ?

केस स्टोरी 1 भीमाव्वा- वह महिला जिसने परछाइयों को जीवित रखा

शिक्षार्थी सक्षम होंगे

- वास्तविक उदाहरणों के साथ व्यक्तिगत ताकत की पहचान करने में।
- बिना किसी डर के सुधार के क्षेत्रों को पहचानने में।
- वास्तविक जीवन के रोल मॉडल और सांस्कृतिक कहानियों से सीखने में।

संचालक के लिए निर्देश

- कहानी को सम्मान और शांत स्वर में सुनाएँ। इन बिंदुओं पर ज़ोर दें-
- बिना औपचारिक प्रशिक्षण (formal training) के सीखना।
- धैर्य और अभ्यास।
- सांस्कृतिक गौरव और समर्पण।

चिंतन प्रश्न

प्रश्न 1-भीमाव्वा जी ने बिना औपचारिक शिक्षा के कैसे सीखा?
प्रश्न 2-आज के समय में पारंपरिक कला को संरक्षित करना क्यों महत्वपूर्ण है?
प्रश्न 3-भीमाव्वा जी का कौन सा गुण आपको सबसे अधिक प्रेरित करता है?
प्रश्न 4-उन्होंने भारतीय संस्कृति को विश्व स्तर पर कैसे फैलाया?
प्रश्न 5-आप किस परंपरा या कौशल को संरक्षित करना चाहेंगे? और क्यों?

विकसित होने वाले उद्यमी कौशल

विकासवादी सोच **रोल मॉडल से सीखना**

निष्कर्ष

- विकास हमेशा केवल औपचारिक शिक्षा या आधुनिक प्रणालियों के माध्यम से ही नहीं होता है। यह अवलोकन , अभ्यास और समय के साथ अनुभव से सीखने से भी आ सकता है। भीमाव्वा जी की यात्रा दिखाती है कि जब कोई व्यक्ति निरंतर अपने कौशल में सुधार करता है, बदलावों को अपनाता है और अपने जुनून के प्रति प्रतिबद्ध रहता है, तो विकास आजीवन चलता रहता है। सच्चा विकास केवल सफलता या पुरस्कारों के बारे में नहीं है, बल्कि मूल्यों को संरक्षित करने, प्रभाव पैदा करने और आने वाली पीढ़ियों के लिए एक विरासत छोड़ने के बारे में है।

साप्ताहिक कार्य

- स्कूल में, घर पर, या दोस्तों के साथ खेलते समय अपने दैनिक जीवन का अवलोकन करें। ऐसी स्थितियों के बारे में सोचें जहाँ आपने अच्छा प्रदर्शन किया और ऐसी स्थितियाँ जहाँ आपको कुछ करना कठिन लगा। वास्तविक उदाहरणों का उपयोग करते हुए कम से कम दो ताकत और दो ऐसे क्षेत्रों की पहचान करें जहाँ आप सुधार करना चाहते हैं। भीमाव्वा जी की कहानी के बारे में सोचें और विचार करें कि कैसे धैर्य, अभ्यास और विश्वास ने उन्हें बिना औपचारिक प्रशिक्षण के आगे बढ़ने में मदद की।
- एक छोटा अनुच्छेद (6–8 वाक्य) लिखें जिसमें निम्नलिखित का वर्णन हो-

  उदाहरणों के साथ दो ताकत और सुधार के दो क्षेत्रों के उदाहरण।

  आपकी ताकत में से एक आपको सुधार करने में कैसे मदद कर सकती है?

  आपके विकास में कौन आपका समर्थन कर सकता है?

गतिविधि 2 ताकत और कमजोरी का दर्पण

शिक्षार्थी सक्षम होंगे

- अपनी व्यक्तिगत ताकत और सुधार के क्षेत्रों की पहचान करने में।
- यह समझने में कि आपकी ताकत आपके विकास में कैसे सहायक हो सकती है।
- अधिक आत्म-जागरूक बनने के लिए वास्तविक जीवन की स्थितियों पर चिंतन करने में।

संचालक के लिए निर्देश

- शिक्षार्थियों को चुपचाप बैठने और एक मिनट के लिए चिंतन करने के लिए कहें।
- आत्म-चिंतन के प्रश्नों को धीरे-धीरे पढ़कर सुनाएं।

चिंतन प्रश्न

प्रश्न 1-आपको अपनी किस ताकत पर सबसे ज्यादा गर्व है?

प्रश्न 2-एक ताकत किसी कमजोरी को सुधारने में कैसे मदद कर सकती है?

प्रश्न 3-खुद को बेहतर बनाने में कौन आपका समर्थन कर सकता है?

विकसित होने वाले उद्यमी कौशल

आत्मविश्वास

ईमानदार आत्म-मूल्यांकन

निष्कर्ष

- हर किसी में ताकत और सुधार के क्षेत्र दोनों होते हैं। हमारी ताकत केवल वे चीजें नहीं हैं जिनमें हम अच्छे हैं; वे हमारी कमजोरियों को दूर करने में भी हमारी मदद कर सकती हैं। जब हम अपनी क्षमताओं को पहचानते हैं और उनका सकारात्मक उपयोग करते हैं, तो सुधार करना आसान हो जाता है। खुद पर विश्वास करना और दूसरों से सहयोग लेना हमें कदम दर कदम आगे बढ़ने में मदद करता है।

गतिविधि 3 मेरी दैनिक आदतों की जाँच

शिक्षार्थी सक्षम होंगे

- अपनी दैनिक आदतों का अवलोकन करने में।
- यह समझने में कि आदतें सफलता और व्यवहार को कैसे प्रभावित करती हैं।
- उन आदतों की पहचान करने में जो उद्यमशीलता के विकास में सहायक हैं।

संचालक के लिए निर्देश

- अपनी दैनिक दिनचर्या के बारे में सोचें।
- उन आदतों पर निशान लगाए जिनका वे नियमित रूप से पालन करते हैं-
  - □ समय पर जागना
  - □ गृहकार्य पूरा करना
  - □ घर के कामों में मदद करना
  - □ प्रतिदिन पढ़ना
  - □ शारीरिक गतिविधि
  - □ डिजिटल उपकरणों का जिम्मेदार उपयोग

चिंतन प्रश्न

प्रश्न 1-कौन सी आदत आपकी सबसे ज्यादा मदद करती है? क्यों?
प्रश्न 2- एक उद्यमी (entrepreneur) बनने के लिए आप किस आदत में सुधार करना चाहेंगे?
प्रश्न 3- कौन सी आदत पहले से ही आपकी उद्यमशीलता की यात्रा में सहायक है?

निष्कर्ष

- हमारी दैनिक आदतें ही हमें आकार देती हैं कि हम क्या बनेंगे। छोटी-छोटी चीजें जो हम हर दिन करते हैं—जैसे हम समय का प्रबंधन (time management) कैसे करते हैं, पढ़ाई करते हैं, दूसरों की मदद करते हैं, और अपने शरीर और मन का ख्याल रखते हैं—धीरे-धीरे हमारे भविष्य का निर्माण करती हैं। अच्छी आदतें हमें अनुशासित, आत्मविश्वासी और जिम्मेदार बनाती हैं। एक छोटा सा सकारात्मक बदलाव भी, जब नियमित रूप से अभ्यास किया जाता है, समय के साथ बड़ा सुधार ला सकता है।
- एक शिक्षार्थी और व्यक्ति के रूप में विकसित होने के लिए खुद को समझना एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। हमने पता लगाया कि कैसे आत्म-चिंतन हमें अपनी ताकत (जिन चीजों में हम स्वाभाविक रूप से अच्छे हैं) और हमारे विकास के क्षेत्रों (वे कौशल या आदतें जिन्हें हम सुधारना चाहते हैं) को पहचानने में मदद करता है। हमने यह भी सीखा कि हमारे दैनिक कार्य कुछ व्यवहार प्रतिमानों (behaviour patterns) का पालन करते हैं। कुछ पैटर्न हमें सफल होने में मदद करते हैं, जैसे व्यवस्थित रहना या दूसरों की मदद करना, जबकि अन्य हमें पीछे रोक सकते हैं, जैसे काम को टालना (procrastinating) या कठिन कार्यों से बचना।
- अपनी आदतों पर ध्यान देकर और यह समझकर कि हम कुछ खास तरीकों से व्यवहार क्यों करते हैं, हमें बेहतर विकल्प चुनने, चुनौतियों के लिए तैयार रहने और सार्थक लक्ष्य निर्धारित करने की शक्ति मिली है।

साप्ताहिक कार्य

- कुछ दिनों के लिए अपनी दैनिक दिनचर्या का अवलोकन करें। समय प्रबंधन, पढ़ाई, दूसरों की मदद करने, शारीरिक गतिविधि और डिजिटल उपकरणों के उपयोग से संबंधित अपनी आदतों पर ध्यान दें। अपनी एक अच्छी आदत की पहचान करें जो आपके विकास में सहायक हो और एक ऐसी आदत जिसे आप सुधारना चाहते हैं।

- सोचें कि आदतें व्यवहार और भविष्य की सफलता को कैसे आकार देती हैं। एक छोटा अनुच्छेद (6-8 वाक्य) लिखें जिसमें निम्नलिखित का वर्णन हो-

  एक आदत जो आपके दैनिक जीवन में आपकी मदद करती है।
  एक आदत जिसे आप सुधारना चाहते हैं और क्यों?
  इस आदत में सुधार करने से आपको आगे बढ़ने में कैसे मदद मिल सकती है?
  खुद को बेहतर बनाने के लिए आप कौन सा एक छोटा कदम उठाएंगे?
  इस कार्य से आपने अपने बारे में क्या सीखा?

संकल्पना

- आत्म-जागरूकता CASEL के सामाजिक-भावनात्मक शिक्षण ढांचे (Social–Emotional Learning Framework) द्वारा परिभाषित मुख्य कौशलों में से एक है। इसमें शामिल हैं-
- अपनी ताकत और विकास के क्षेत्रों को जानना- शिक्षार्थी सीखते हैं कि वे किस काम में अच्छे हैं और उन्हें कहाँ सुधार की आवश्यकता है। इससे आत्मविश्वास बढ़ता है और उन्हें यथार्थवादी लक्ष्य निर्धारित करने में मदद मिलती है।
- भावनाओं को समझना- डैनियल गोलमैन (Daniel Goleman) के भावनात्मक बुद्धिमत्ता (Emotional Intelligence) सिद्धांत के अनुसार, अपनी भावनाओं पर ध्यान देने से हमें यह समझने में मदद मिलती है कि हम इस तरह का व्यवहार क्यों करते हैं और प्रतिक्रियाओं (reactions) को बेहतर ढंग से कैसे प्रबंधित करें।
- व्यवहार प्रतिमानों (Behaviour Patterns) को पहचानना- व्यवहारिक मनोविज्ञान (Behavioural psychology) स्पष्ट करता है कि आदतें हमारी सफलता को आकार देती हैं। जब शिक्षार्थी सहायक और अनुपयोगी प्रतिमानों की पहचान करते हैं, तो वे बुरी आदतों को सकारात्मक आदतों से बदल सकते हैं।

अध्याय 06

डिज़ाइन थिंकिंग का परिचय

Z9H2R6

कालांश: 4

पिछले **अध्याय** में, **शिक्षार्थियों** ने आत्म-जागरूकता—अपनी ताकत, आदतों और विकास के क्षेत्रों—को जाना था। उन्होंने सीखा कि सुधार की शुरुआत आत्म-चिंतन और जागरूकता से होती है। यह **अध्याय** उस सीख को बाहर की ओर विस्तारित करता है-स्वयं को समझने से → अपने आस-पास के लोगों को समझने तक।व्यक्तिगत आदतों का अवलोकन करने से → वास्तविक दुनिया की समस्याओं का अवलोकन करने तक।आत्म-चिंतन से → क्रिया और समाधान-निर्माण तक।डिज़ाइन थिंकिंग शिक्षार्थियों को समस्याओं को सार्थक रूप से हल करने के लिए अपनी आत्म-जागरूकता, समानुभूति और जिज्ञासा का उपयोग करने में मदद करती है।

अधिगम उद्देश्य

शिक्षार्थी सक्षम होंगे

- अवलोकन, समानुभूति (empathy) और मूल-कारण विश्लेषण (root-cause analysis) के माध्यम से वास्तविक जीवन की समस्याओं की पहचान करने में।
- सार्थक समाधान विकसित करने के लिए डिज़ाइन थिंकिंग के पाँच चरणों को लागू करने में।
- विचारों को उत्पन्न करने, प्रोटोटाइप बनाने, परीक्षण करने और समाधानों को बेहतर बनाने के लिए टीमों में सहयोग करने में।
- समस्याओं, समाधानों और प्रभाव को स्पष्ट रूप से समझाते हुए विचारों को प्रस्तुत और पिच (pitch) करने में।
- यह समझने में कि नवाचार (innovation) सीखने, प्रतिक्रिया (feedback) और सुधार की एक प्रक्रिया है।

अध्याय का अवलोकन

यह अध्याय शिक्षार्थियों को डिज़ाइन थिंकिंग से एक संरचित (structured) लेकिन रचनात्मक दृष्टिकोण के रूप में परिचय कराता है, जिसका उपयोग दुनिया भर के उद्यमियों, नवप्रवर्तकों और परिवर्तन लाने वालों द्वारा समस्या-समाधान के लिए किया जाता है। व्यावहारिक गतिविधियों के माध्यम से, शिक्षार्थी अनुभव करते हैं कि विचार कैसे विकसित होते हैं—एक समस्या पर ध्यान देने से लेकर समाधान का परीक्षण करने तक। यह अध्याय पूर्णता (perfection) के बजाय समानुभूति, सहयोग, प्रयोग और प्रतिक्रिया पर जोर देता है। शिक्षार्थी समझते हैं कि छोटे विचार भी, यदि सोच-समझकर डिज़ाइन किए जाएं, तो वास्तविक प्रभाव पैदा कर सकते हैं।

अध्याय का औचित्य

कई शिक्षार्थियों का मानना है कि नवाचार के लिए उन्नत तकनीक या असाधारण प्रतिभा की आवश्यकता होती है। यह अध्याय उस मिथक को तोड़ता है और दिखाता है कि नवाचार की शुरुआत अवलोकन और समानुभूति से होती है। शिक्षार्थियों को डिज़ाइन थिंकिंग में शामिल करके, यह अध्याय समस्या के प्रति संवेदनशीलता, रचनात्मक आत्मविश्वास, टीम वर्क और सहनशीलता (resilience) को बढ़ावा देता है। यह शिक्षार्थियों को मानव-केंद्रित (human-centered) रहते हुए चुनौतियों का व्यवस्थित रूप से सामना करने के लिए तैयार करता है—जो NEP 2020 के अनुरूप एक आवश्यक उद्यमशीलता मानसिकता है।

SDG और NEP 2020 के साथ जुड़ाव

अध्याय का मुख्य फोकस	संबद्ध सतत विकास लक्ष्य	अध्याय सतत विकास लक्ष्यों (SDGs) का समर्थन कैसे करता है	NEP 2020 के साथ जुड़ाव
अवलोकन , समानुभूति , और मूल-कारण विश्लेषण के माध्यम से समस्याओं को हल करने की क्षमता विकसित करना।	SDG 4 – गुणवत्तापूर्ण शिक्षा	यह ऐसी शिक्षा को प्रोत्साहित करता है जहाँ शिक्षार्थी वास्तविक जीवन की समस्याओं की जांच करते हैं और समाधानों के बारे में आलोचनात्मक (critically) रूप से सोचते हैं।	यह व्यावहारिक गतिविधियों (hands-on activities) के माध्यम से योग्यता-आधारित और पूछताछ-संचालित सीखने (inquiry-driven learning) को बढ़ावा देता है।
दैनिक चुनौतियों का समाधान करने के लिए नई सोच और नवाचार को बढ़ावा देना।	SDG 9 – उद्योग, नवाचार और बुनियादी ढांचा	यह शिक्षार्थियों को उन नवाचार प्रक्रियाओं से परिचित कराता है जिनका उपयोग उद्यमी और डिज़ाइनर व्यावहारिक समाधान बनाने के लिए करते हैं।	यह सृजनात्मकता, नवाचार और अंत:विषय सोच (interdisciplinary thinking) का समर्थन करता है।
सामुदायिक समस्याओं के लिए ऐसे समाधान खोजना जो टिकाऊ और व्यावहारिक हों।	SDG 12 – जिम्मेदार उपभोग और उत्पादन	यह शिक्षार्थियों को स्थानीय रूप से उपलब्ध सामग्रियों का उपयोग करके कम लागत वाले और टिकाऊ प्रोटोटाइप डिज़ाइन करने के लिए प्रोत्साहित करता है।	यह पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार सोच और वास्तविक जीवन की समस्याओं के समाधान को प्रोत्साहित करता है।
स्थानीय समस्याओं और उनके लिए सामूहिक (collaborative) समाधानों के प्रति जागरूकता पैदा करना।	SDG 11 – टिकाऊ शहर और समुदाय	शिक्षार्थी अपने स्कूल और समुदाय में समस्याओं का अवलोकन करते हैं और ऐसे विचार विकसित करते हैं जो रोज़मर्रा के जीवन को बेहतर बनाते हैं।	यह कक्षा की शिक्षा को सामुदायिक जुड़ाव और नागरिक जिम्मेदारी से जोड़ता है।
टीम वर्क, प्रभावी संचार, और प्रतिक्रिया (feedback) के आधार पर निरंतर सुधार करना।	SDG 17 – लक्ष्यों के लिए साझेदारी	यह मजबूत समाधान बनाने में सहयोग, विचारों के आदान-प्रदान और प्रतिक्रिया (feedback) के महत्व पर प्रकाश डालता है।	यह सहयोगात्मक शिक्षा (collaborative learning) और साथियों के माध्यम से ज्ञान निर्माण (peer-based knowledge construction) को बढ़ावा देता है।

गतिविधि 1 क्या काम नहीं कर रहा है?

शिक्षार्थी सक्षम होंगे

- अपने आस-पास की वास्तविक जीवन की समस्याओं का अवलोकन करने में।
- समस्या के सार्थक कथन (problem statements) तैयार करने में।
- यह समझने में कि समस्या की स्पष्टता क्यों महत्वपूर्ण है।

संचालक के लिए निर्देश

- Rदिए गए उदाहरण (डस्टबिन सेंसर की कहानी) को ज़ोर से पढ़ें।
- शिक्षार्थियों से चुपचाप उन तीन समस्याओं की सूची बनाने को कहें जो वे स्कूल या समुदाय में देखते हैं।
- 4-5 शिक्षार्थियों के समूह बनाएं।
- प्रत्येक समूह एक आम समस्या का चयन करे।
- शिक्षार्थियों का मार्गदर्शन करें कि वे समस्या कथन कैसे लिखें-
  - आदर्श स्थिति
  - वास्तविकता
  - परिणाम
  - समाधान की दिशा

चिंतन प्रश्न

प्रश्न 1-इस समस्या का समाधान करना क्यों महत्वपूर्ण है?
प्रश्न 2-इससे सबसे ज्यादा प्रभावित कौन है?

विकसित होने वाले उद्यमी कौशल

अवलोकन | समानुभूति | समस्या की पहचान | संचार

निष्कर्ष

- उद्यमी फैंसी विचारों के बारे में सोचकर शुरुआत नहीं करते, वे अपने आस-पास जो "काम नहीं कर रहा है" उसे करीब से देखकर शुरुआत करते हैं। इसका एक सशक्त उदाहरण दिल्ली के एक सरकारी स्कूल से है, जहाँ शिक्षार्थियों ने देखा कि कैंटीन में बहुत सारा खाना बर्बाद हो रहा है। इसे नज़रअंदाज़ करने के बजाय, उन्होंने कम मात्रा में खाना परोसने और बची हुई खाने की चीज़ों के लिए 'फूड-शेयरिंग कॉर्नर' बनाने का सुझाव दिया। उनके इस सरल विचार ने बर्बादी को कम किया और जिम्मेदारी की भावना को प्रोत्साहित किया।
- यह दिखाता है कि जब हम लोगों के साथ समानुभूति रखने और उनकी जरूरतों को समझने के लिए समय निकालते हैं, तो छोटे अवलोकन भी प्रभावशाली समाधानों की ओर ले जा सकते हैं।

साप्ताहिक कार्य

- अगले 2-3 दिनों तक, अपने आस-पास (घर, स्कूल, या अपने पड़ोस में) का ध्यानपूर्वक अवलोकन करें। किसी एक छोटी रोज़मर्रा की समस्या को खोजें जिसका सामना लोग नियमित रूप से करते हैं। उदाहरण के लिए- स्वच्छता, सुरक्षा, सुविधा, समय की बर्बादी, भ्रम, या असुविधा।
- कोशिश करें और देखें कि समस्या का सामना सबसे ज्यादा कौन करता है और यह उन्हें कैसे प्रभावित करती है। यदि संभव हो, तो उस व्यक्ति से बात करें जो इस समस्या का अनुभव करता है और उनके अनुभव को सुनें।
- एक छोटा अनुच्छेद (5-6 वाक्य) लिखें जिसमें निम्नलिखित का वर्णन हो-
  - आपने कौन सी समस्या देखी?
  - आपने इसे कहाँ देखा?
  - इस समस्या से कौन प्रभावित है?
  - समस्या लोगों को कैसे प्रभावित करती है?
  - आपको क्यों लगता है कि इस समस्या का समाधान होना चाहिए?

गतिविधि 2 'क्यों' के साथ गहराई से समझें

शिक्षार्थी सक्षम होंगे

- 5-क्यों" (5 Whys) तकनीक का उपयोग करके समस्याओं का विश्लेषण करने में।
- सतही लक्षणों के बजाय मूल कारणों (root causes) की पहचान करने में।

संचालक के लिए निर्देश

- दिए गए उदाहरण का उपयोग करके "क्यों" की श्रृंखला (Why chain) का प्रदर्शन करें।
- समूह एक समस्या वृक्ष (Problem Tree) बनाएं-
- तना (Trunk) → मुख्य समस्या
- जड़ें (Roots) → कारण
- शाखाएं (Branches) → प्रभाव
- शिक्षार्थियों को एक केंद्रित समस्या कथन (problem statement) लिखने के लिए मार्गदर्शन करें।.

चिंतन प्रश्न

प्रश्न 1- बार-बार 'क्यों' पूछने से आपने क्या सीखा?

प्रश्न 2- क्या आपके समूह का अंतिम मूल कारण आपको आश्चर्यचकित करने वाला था?

प्रश्न 3- सही कारण जानने से हमें बेहतर समाधान खोजने में कैसे मदद मिल सकती है?

विकसित होने वाले उद्यमी कौशल

- आलोचनात्मक सोच
- मूल-कारण विश्लेषण
- प्रणालीगत सोच
- तार्किक तर्क

निष्कर्ष

- डिज़ाइन थिंकिंग के सबसे महत्वपूर्ण कौशलों में से एक है—गहराई से पड़ताल करना। जब हम कोई समस्या देखते हैं, तो हमारी पहली व्याख्या अक्सर पूरा सच नहीं होती। बार-बार 'क्यों?' पूछकर, आपने छिपे हुए कारणों को उजागर किया और समस्या को अधिक स्पष्ट रूप से समझा।
- 'समस्या वृक्ष' का उदाहरण इसे पूरी तरह से दर्शाता है। जब हम वास्तविक कारण की पहचान कर लेते हैं, तो हमारे समाधान अधिक समझदार और प्रभावी हो जाते हैं। यह गतिविधि दिखाती है कि अच्छे उद्यमी केवल वह ठीक नहीं करते जो उन्हें दिखाई देता है, बल्कि वे गहराई से जाँच करते हैं और समझते हैं कि समस्या की जड़ में क्या है।

साप्ताहिक कार्य

- उसी समस्या का उपयोग करें जिसे आपने पहले कालांश (Period 1) में पहचाना था। अब गहराई से सोचें कि यह समस्या क्यों मौजूद है। सतह से परे जाने के लिए "क्यों?" प्रश्न पूछें (कम से कम 5 बार)। इस सोच के आधार पर, समस्या को एक या दो सरल वाक्यों में स्पष्ट रूप से परिभाषित करने का प्रयास करें।
- एक छोटा अनुच्छेद (6-7 वाक्य) लिखें जिसमें निम्नलिखित हो-
  - समस्या के बारे में जानकारी।
  - कम से कम दो कारण लिखें कि यह समस्या क्यों होती है।
  - उस कारण की पहचान करें जिसे आप 'मूल कारण' मानते हैं।
  - एक स्पष्ट समस्या कथन लिखें (कि वास्तव में किस चीज़ का समाधान किया जाना है)।

गतिविधि 3 क्रेज़ी 8 आइडिया स्प्रिंट

शिक्षार्थी सक्षम होंगे

- बिना किसी आत्म-आलोचना के तेज़ी से अनेक रचनात्मक समाधान उत्पन्न करने में।
- स्वतंत्र रूप से सोचने, विभिन्न संभावनाओं को तलाशने और समूह के रूप में आशाजनक विचारों का चयन करने में।

संचालक के लिए निर्देश

- शीट को 8 बॉक्स में मोड़ने का तरीका प्रदर्शित करें।
- 8 मिनट के लिए टाइमर सेट करें।
- शिक्षार्थियों को प्रति बॉक्स एक विचार स्केच करने के लिए कहें—कोई आलोचना नहीं।
- समूह विचारों को साझा करें और 1-2 आशाजनक विचारों के लिए वोट करें।

चिंतन प्रश्न

प्रश्न 1-आपके 'क्रेज़ी 8' में से कौन सा विचार आपको सबसे अधिक उत्साहित करता है, और क्यों?
प्रश्न 2-दूसरों के विचारों को सुनने से आपको अपने स्वयं के विचारों को सुधारने या उन पर पुनर्विचार करने में कैसे मदद मिली?
प्रश्न 3-क्या किसी विचार ने आपको आश्चर्यचकित किया या समस्या के बारे में अलग तरह से सोचने पर मजबूर किया?

विकसित होने वाले उद्यमी कौशल

सृजनात्मकता | विचार निर्माण | खुले विचारों वाला होना | सहयोग

निष्कर्ष

- जब हम स्वतंत्र रूप से सोचते हैं और विभिन्न दृष्टिकोणों से खोज करते हैं, तो नए और अप्रत्याशित समाधान सामने आने लगते हैं जो हमें नवाचार की ओर ले जाते हैं। याद रखें, सबसे अच्छे समाधान अक्सर साधारण स्केच, त्वरित विचारों, या उन विचारों से आते हैं जो पहली बार में असामान्य लगते हैं।

साप्ताहिक कार्य

- एक सरल विचार के बारे में रचनात्मक रूप से सोचें जो उस समस्या को कम करने या हल करने में मदद कर सके जिस पर आपने पहले काम किया था। यह विचार एकदम सही, महंगा या अंतिम होने की आवश्यकता नहीं है। यह व्यावहारिक और समझाने में आसान होना चाहिए। आप अपनी सोच का समर्थन करने के लिए एक छोटा स्केच या आरेख (diagram) बना सकते हैं।
- एक छोटा अनुच्छेद (6-7 वाक्य) लिखें जिसमें निम्नलिखित का वर्णन हो-
- अपने विचार का स्पष्ट वर्णन करें और समझाएं कि आपका विचार लोगों की मदद कैसे करेगा।
- एक चुनौती या सीमा (limitation) का उल्लेख करें जिसका सामना आपके विचार को करना पड़ सकता है।

गतिविधि 4 इसे कागज पर बनाएं

शिक्षार्थी सक्षम होंगे

- प्रोटोटाइप और उसके महत्व को समझने में।
- एक विचार को सरल मॉडल या ड्राइंग में बदलने में।
- किसी विचार को अंतिम रूप देने से पहले उसका परीक्षण (test) करने और उसे बेहतर बनाने में।

संचालक के लिए निर्देश

- समूह एक सरल मॉडल या नामांकित (labelled) स्केच बनाएं।
- कम लागत वाली और स्थानीय सामग्रियों के उपयोग को प्रोत्साहित करें।
- समूह प्रोटोटाइप का आदान-प्रदान करें और प्रतिक्रिया (feedback) इकट्ठा करें।
- सुझावों के आधार पर एक सुधार करें।

चिंतन प्रश्न

प्रश्न 1-अपना प्रोटोटाइप बनाते समय क्या आसान था और क्या कठिन?
प्रश्न 2-प्रतिक्रिया (feedback) ने आपके विचार को बेहतर बनाने में कैसे मदद की?
प्रश्न 3-अपने मॉडल का परीक्षण करने के बाद आपने क्या बदलाव किया?

विकसित होने वाले उद्यमी कौशल

संचार | आत्मविश्वास | अनुकूलनशीलता | प्रतिक्रिया को स्वीकार करना

निष्कर्ष

- विचार तब अधिक मजबूत हो जाते हैं जब हम उन्हें सरल मॉडल में बदलते हैं और उनका परीक्षण करते हैं। एक प्रोटोटाइप हमें यह देखने में मदद करता है कि क्या काम करेगा और किसमें सुधार की आवश्यकता है। यह हमें सिखाता है कि गलतियां सीखने का हिस्सा हैं और प्रतिक्रिया समाधानों को बेहतर, अधिक व्यावहारिक और अधिक उपयोगी बनाने में मदद करती है।

साप्ताहिक कार्य

- अपने विचार को किसी एक मित्र, परिवार के सदस्य या सहपाठी के साथ साझा करें। समस्या और अपने विचार को स्पष्ट रूप से समझाएं। उनसे पूछें कि उन्हें विचार के बारे में क्या पसंद आया और क्या सुधार किया जा सकता है। बिना बीच में टोके उन्हें ध्यान से सुनें।
- सोचें कि कैसे प्रतिक्रिया और परीक्षण विचारों को बेहतर बनाने में मदद कर सकते हैं। एक छोटा अनुच्छेद (6-8 वाक्य) लिखें जिसमें निम्नलिखित शामिल हो-
- आपने अपना विचार किसके साथ साझा किया?
- आपको मिली एक प्रतिक्रिया या सुझाव।
- इस प्रतिक्रिया ने आपको अलग तरह से सोचने में कैसे मदद की?
- अपने विचार को बेहतर बनाने के लिए आप कौन सा एक बदलाव करेंगे?
- **अनुच्छेद का समापन इस वाक्य से करें-** यह एक ऐसी समस्या है जिसे मैं डिज़ाइन थिंकिंग का उपयोग करके और अधिक गहराई से समझना चाहूँगा/चाहूँगी।

गतिविधि 5 पिच इट स्मार्ट

शिक्षार्थी सक्षम होंगे

- दूसरों के सामने स्पष्ट और आत्मविश्वास के साथ अपने विचारों को प्रस्तुत करने में।
- यह जानने में कि प्रतिक्रिया (feedback) कैसे समाधानों को सुधारने और बेहतर बनाने में मदद करती है।

संचालक के लिए निर्देश

- प्रत्येक समूह 2-3 मिनट के लिए प्रस्तुत करे-
- समस्या
- समाधान
- प्रभाव दर्शक साझा करें-
- एक सकारात्मक बात
- एक सुझाव

चिंतन प्रश्न

प्रश्न 1-अपना प्रोटोटाइप बनाते समय क्या आसान था और क्या कठिन?

प्रश्न 2-प्रतिक्रिया (feedback) ने आपके विचार को बेहतर बनाने में कैसे मदद की?

प्रश्न 3-अपने मॉडल का परीक्षण करने के बाद आपने क्या बदलाव किया?

विकसित होने वाले उद्यमी कौशल

संचार **आत्मविश्वास** **अनुकूलनशीलता** **प्रतिक्रिया को स्वीकार करना**

निष्कर्ष

विचारों को प्रस्तुत करने और प्रतिक्रिया प्राप्त करने से हमें अपने काम को विभिन्न दृष्टिकोणों से देखने में मदद मिलती है। यह हमें स्पष्ट रूप से संवाद करने, सम्मानपूर्वक सुनने और अपने समाधानों को बेहतर बनाने की सीख देता है।

साप्ताहिक कार्य

- इस अध्याय में अपनी पूरी डिज़ाइन थिंकिंग यात्रा पर वापस नज़र डालें—समस्याओं का अवलोकन करने से लेकर, "क्यों?" पूछने, विचार उत्पन्न करने, एक सरल समाधान बनाने और प्रतिक्रिया के माध्यम से इसे सुधारने तक। चिंतन करें कि आपने समस्या-समाधान, सृजनात्मकता, टीम वर्क और खुद के बारे में क्या सीखा।
- कोई सही या गलत उत्तर नहीं है। अंतिम विचार के बजाय अपने सीखने के अनुभव पर ध्यान दें।
- एक चिंतनशील अनुच्छेद (7-8 वाक्य) लिखें जिसमें निम्नलिखित का वर्णन हो-
- समस्या को हल करने के बारे में आपने जो एक महत्वपूर्ण बात सीखी।
- डिज़ाइन थिंकिंग के किसी भी चरण के दौरान आपके सामने आई एक चुनौती।
- आप उस चुनौती से कैसे निपटे या उसे पार करने का प्रयास किया?
- प्रक्रिया के दौरान विकसित किया गया कोई एक कौशल (जैसे अवलोकन, **सृजनात्मकता**, टीम वर्क, या संचार)।
- यह कौशल स्कूल या दैनिक जीवन में आपकी मदद कैसे कर सकता है?
- एक चीज़ जो आप अगली बार अलग तरीके से करेंगे।
- एक वाक्य के साथ समाप्त करें कि डिज़ाइन थिंकिंग ने समस्याओं को देखने के आपके नज़रिए को कैसे बदल दिया है।

संकल्पना

- **डिज़ाइन थिंकिंग** डिज़ाइन थिंकिंग समस्या-समाधान का एक विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त दृष्टिकोण है, जिसे स्टैनफोर्ड डी.स्कूल (Stanford d.school) द्वारा विकसित किया गया है और IDEO द्वारा व्यापक रूप से उपयोग किया जाता है। यह नवप्रवर्तकों को पाँच स्पष्ट चरणों के माध्यम से वास्तविक समस्याओं को हल करने में मदद करता है-
- **समानुभूति – लोगों की ज़रूरतों को समझें**
- हम समस्या का सामना करने वाले लोगों का गहराई से अवलोकन करते हैं और उन्हें सुनते हैं, ताकि हमारे विचार वास्तविक उपयोगकर्ताओं के लिए सार्थक हों। समानुभूति हमें ऐसे समाधान बनाने में मदद करती है जो वास्तव में लोगों के जीवन के अनुकूल हों।
- **परिभाषित करें – वास्तविक समस्या की पहचान करें**
- हम जुटाई गई सभी जानकारियों को व्यवस्थित करते हैं और उस सटीक चुनौती का पता लगाते हैं जिसे हल करने की आवश्यकता है। एक स्पष्ट समस्या कथन एक मजबूत समाधान के लिए रोडमैप बन जाता है।
- **विचार करें – कई रचनात्मक विचार उत्पन्न करें**
- हम स्वतंत्र रूप से सोचते हैं, सभी संभावनाओं को तलाशते हैं, और बिना किसी आलोचना के जितने हो सके उतने विचार बनाते हैं। अधिक विचारों का मतलब है कुछ नया खोजने के अधिक अवसर।
- **प्रोटोटाइप – सरल मॉडल बनाएं**
- हम अपने विचारों को त्वरित, कम लागत वाले मॉडल या स्केच में बदलते हैं ताकि यह देख सकें कि वे कैसे काम कर सकते हैं। प्रोटोटाइप हमें तेजी से सीखने और गलतियों को जल्दी सुधारने में मदद करते हैं।
- **परीक्षण – प्रतिक्रिया एकत्र करें और सुधारें**
- हम अपने प्रोटोटाइप को उपयोगकर्ताओं के साथ साझा करते हैं, उनकी प्रतिक्रिया सुनते हैं और सुधार करते हैं। परीक्षण हमें सिखाता है कि क्या काम करता है, क्या नहीं, और विचार को अधिक मजबूत कैसे बनाया जाए।

अध्याय 07

डिजिटल दुनिया की खोज

S1L3A9

कालांश: 4

पिछले अध्याय में, शिक्षार्थियों ने **डिज़ाइन थिंकिंग** का पता लगाया और यह सीखा कि दैनिक जीवन की समस्याओं को अवलोकन, समानुभूति, विचार सृजन, प्रोटोटाइपिंग और परीक्षण के माध्यम से कैसे अर्थपूर्ण समाधानों में बदला जा सकता है।यह अध्याय उस आधार पर बनाया गया है और **डिजिटल साक्षरता** को विचारों के लिए एक शक्तिशाली सहायक प्रणाली के रूप में प्रस्तुत करता है। शिक्षार्थी अब विचार बनाने से लेकर उन विचारों को जिम्मेदारी से संवाद करने, प्रमोट करने, सुधारने और बढ़ाने के लिए डिजिटल उपकरणों का उपयोग करने की दिशा में बढ़ते हैं।

अधिगम उद्देश्य

शिक्षार्थी सक्षम होंगे

- दैनिक जीवन और सीखने में डिजिटल और गैर-डिजिटल उपकरणों के अर्थ और महत्व को समझने में ।
- ईमेल और सरल डिजिटल सामग्री का उपयोग करके स्पष्ट और जिम्मेदार तरीके से संवाद करने में ।
- ऑनलाइन सुरक्षा और इंटरनेट के जिम्मेदार उपयोग के बारे में जागरूकता विकसित करने में।
- विचारों को रचनात्मक ढंग से व्यक्त करने के लिए सरल डिजिटल पोस्टर बनाने में।
- कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) की बुनियादी बातें समझने में और यह जानने में कि AI मानव बुद्धिमत्ता (HI) से कैसे भिन्न है?

अध्याय का अवलोकन

यह अध्याय शिक्षार्थियों को **डिजिटल साक्षरता** से परिचित कराता है जो आज के समय में एक महत्त्वपूर्ण जीवन और उद्यमिता कौशल है। सरल और दैनिक जीवन से जुड़ी गतिविधियों, वास्तविक जीवन की कहानियों और अभ्यासों के माध्यम से शिक्षार्थी यह समझते हैं कि स्मार्टफोन, ऐप्स, ईमेल, ऑनलाइन प्लेटफॉर्म और एआई जैसे डिजिटल साधन पहले से ही उनके दैनिक जीवन का हिस्सा हैं।
अध्याय यह भी बताता है कि डिजिटल साक्षरता का मतलब उन्नत या जटिल तकनीक सीखना नहीं है बल्कि साधारण डिजिटल साधनों का समझदारी, सुरक्षित तरीके से और रचनात्मक रूप में उपयोग करना है—ताकि सीखने, संवाद करने और समस्याओं को हल करने में उनका सही इस्तेमाल हो सके।

अध्याय के लिए तर्क

आज के शिक्षार्थी तकनीक से घिरे माहौल में बड़े हो रहे हैं लेकिन केवल डिजिटल साधनों का उपयोग करना ही डिजिटल साक्षर होना नहीं है। यह अध्याय शिक्षार्थियों को तकनीक के सामान्य उपयोग से आगे बढ़कर उसके उद्देश्यपूर्ण और जिम्मेदार उपयोग की ओर ले जाने में मदद करता है। डिजिटल कौशल को उद्यमिता, संवाद और रचनात्मकता से जोड़ते हुए यह अध्याय शिक्षार्थियों को आत्मविश्वासी, नैतिक और भविष्य के लिए तैयार नागरिक बनने की दिशा में तैयार करता है जो NEP 2020 के उद्देश्यों के अनुरूप है।

SDG और NEP 2020 के साथ जुड़ाव

अध्याय का मुख्य फोकस	संबंधित SDGs	यह अध्याय SDGs को कैसे समर्थन देता है	NEP 2020 से जुड़ाव
संचार, सीखने और रचनात्मकता के लिए डिजिटल साक्षरता विकसित करना	SDG 4 – गुणवत्तापूर्ण शिक्षा	ईमेल लिखना, ऑनलाइन जानकारी खोजना और डिजिटल सामग्री बनाना जैसे डिजिटल कौशल विकसित करता है, जिससे सीखना अधिक सार्थक बनता है।	डिजिटल साक्षरता, तकनीक का उपयोग और भविष्य के लिए जरूरी कौशल को बढ़ावा देता है।
यह समझना कि डिजिटल उपकरण उद्यमिता और आजीविका में कैसे मदद करते हैं	SDG 8 – सम्मानजनक कार्य और आर्थिक वृद्धि	यह दर्शाता है कि छोटे व्यवसाय और व्यक्ति डिजिटल प्लेटफॉर्म का उपयोग सीखने, संवाद करने और आर्थिक रूप से आगे बढ़ने के लिए कैसे करते हैं।	भविष्य के करियर और उद्यमिता से जुड़े कौशल विकास को बढ़ावा देता है।
रोज़मर्रा के जीवन में नवाचार और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) को समझना	SDG 9 – उद्योग, नवाचार और आधारभूत संरचना	शिक्षार्थियों को AI जैसी नई तकनीकों से परिचित कराता है और बताता है कि ये समस्याओं को हल करने और काम को आसान बनाने में कैसे मदद करती हैं।	तकनीक आधारित नवाचार और विभिन्न विषयों के साथ मिलकर सीखने को प्रोत्साहित करता है।
डिजिटल तकनीकों का जिम्मेदार और सुरक्षित उपयोग बढ़ावा देना	SDG 16 – शांति, न्याय और मजबूत संस्थान	नैतिक व्यवहार, जिम्मेदार संवाद और सुरक्षित इंटरनेट उपयोग के बारे में जागरूक करता है।	जिम्मेदार डिजिटल नागरिकता और नैतिक समझ विकसित करता है।
डिजिटल उपकरणों को रचनात्मकता, संवाद और सहयोग से जोड़ना	SDG 17 – लक्ष्यों के लिए साझेदारी	दिखाता है कि डिजिटल प्लेटफॉर्म कैसे मिलकर काम करने, विचार साझा करने और दुनिया भर में संवाद करने में मदद करते हैं।	तकनीक के माध्यम से सहयोगात्मक सीखने और प्रभावी संवाद को बढ़ावा देता है।

गतिविधि 1 डिजिटल जासूस

शिक्षार्थी सक्षम होंगे

- दैनिक जीवन में उपयोग होने वाले डिजिटल उपकरणों की पहचान करने में।
- यह समझने में उद्यमी (entrepreneurs) इन्हीं उपकरणों का उपयोग अपने व्यवसाय में कैसे करते हैं।

संचालक के लिए निर्देश

- शिक्षार्थियों को बताएं कि आज वे डिजिटल जासूस हैं।
- दैनिक गतिविधियों और उनके उद्देश्यों की तालिका दिखाएं या पढ़कर सुनाएं।
- शिक्षार्थियों को गतिविधियों को उनके सही उद्देश्य से मिलाने के लिए मार्गदर्शन दें।
- इसके बाद व्यवसाय से जुड़ी तालिका पर जाएं और चर्चा करें कि दुकानें और छोटे व्यवसाय डिजिटल साधनों का उपयोग कैसे करते हैं।

चिंतन प्रश्न

प्रश्न 1. आपके आसपास विक्रेता सबसे अधिक कौन सा डिजिटल टूल उपयोग करते हैं?
प्रश्न 2. इसका आधार क्या है

विकसित होने वाले उद्यमी कौशल

- तकनीक के प्रति जागरूकता
- अवलोकन क्षमता
- समस्या समाधान के लिए साधनों का उपयोग
- संचार

निष्कर्ष

- डिजिटल साक्षरता केवल बड़ी कंपनियों तक सीमित नहीं है। छोटे विक्रेता और घर से चलने वाले व्यवसाय भी सीखने, संवाद करने और अपने काम को आगे बढ़ाने के लिए सरल डिजिटल साधनों का उपयोग करते हैं।

केस स्टोरी 1 कृष्णा यादव- गृहिणी से अचार व्यवसाय की मालिक तक

शिक्षार्थी सक्षम होंगे

- यह समझने में कि डिजिटल साधन उद्यमिता को कैसे सहारा देते हैं।
- यह पहचानने में कि साधारण साधनों के साथ भी सीखना और आगे बढ़ना संभव है।

संचालक के लिए निर्देश

- केस स्टोरी को बीच-बीच में रुककर जोर से पढ़ें।
- शिक्षार्थियों से कहें कि वे कृष्णा यादव द्वारा उपयोग किए गए डिजिटल साधनों को नोट करें।
- चर्चा करें कि प्रत्येक साधन ने सीखने, प्रचार, बिक्री और भरोसा बनाने में कैसे मदद की।

चिंतन प्रश्न

प्रश्न 1- कृष्णा की यात्रा में आपको सबसे अधिक क्या प्रेरित करता है?
प्रश्न 2 -आपको क्या लगता है कि किस साधन ने उनकी सबसे अधिक मदद की और क्यों?
प्रश्न 3. क्या आप अपने पड़ोस में ऐसा कोई छोटा व्यवसाय सोच सकते हैं जो इस तरह बढ़ सकता है?
प्रश्न 4. आप अपने व्यवसाय के लिए एक दिन कौन-से डिजिटल उपकरणों का उपयोग करेंगे?

विकसित होने वाले उद्यमी कौशल

- अभिव्यक्ति की स्पष्टता
- व्यावसायिक शिष्टाचार,
- संचार

निष्कर्ष

- डिजिटल साक्षरता इस बात पर निर्भर करती है कि हम साधनों का उपयोग कैसे करते हैं न कि वे कितने महंगे हैं।

साप्ताहिक कार्य

- अगले दो दिनों में अपने घर, स्कूल या अपने पड़ोस में अपनी दैनिक दिनचर्या को ध्यान से Observe करें। कम से कम **तीन डिजिटल टूल्स या ऐप्स** की पहचान करें जो आप या आपके आसपास के लोग इस्तेमाल करते हैं (जैसे YouTube, WhatsApp, Google Search, UPI, Google Maps, मौसम ऐप्स, या ऑनलाइन गेम्स)।
- अपनी नोटबुक में अनुच्छेद लिखें (6–8 वाक्यों में) जिसमें यह विवरण हो-
  - आपने कौन से डिजिटल टूल्स देखे
  - इन्हें किसने इस्तेमाल किया (आप, परिवार का सदस्य, दुकानदार, शिक्षक, आदि)
  - इस टूल का उपयोग क्यों किया गया
  - इसने कार्य को कैसे आसान, तेज़ या बेहतर बनाया
  -अपने पैरा को इस वाक्य से समाप्त करें-
- **यह दर्शाता है कि डिजिटल टूल्स हमारे रोजमर्रा के जीवन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं।**

गतिविधि 2 ईमेल डिज़ाइनर

शिक्षार्थी सक्षम होंगे

- यह समझने में कि ईमेल क्या होता है।
- एक औपचारिक और विनम्र ईमेल लिखने का अभ्यास करने में।

संचालक के लिए निर्देश

- समझाएं कि ईमेल औपचारिक संवाद के लिए एक डिजिटल पत्र की तरह होता है।
- शिक्षार्थियों को ईमेल के मुख्य भागों-विषय (Subject), संबोधन (Greeting), मुख्य संदेश (Body) और समापन (Closing)-के बारे में बताएं।
- शिक्षार्थियों से कहें कि वे किसी विद्यालय गतिविधि के लिए अनुमति मांगते हुए एक ईमेल लिखें।

चिंतन प्रश्न

प्रश्न 1-औपचारिक ईमेल लिखते समय आपको कैसा लगा?

प्रश्न 2- ईमेल लिखने में आपको क्या आसान या कठिन लगा?

प्रश्न 3- वास्तविक जीवन में आप ईमेल का उपयोग कहाँ कर सकते हैं?

विकसित होने वाले उद्यमी कौशल

संवाद कौशल

पेशेवर शिष्टाचार

स्पष्ट अभिव्यक्ति

साप्ताहिक कार्य

- कल्पना कीजिए कि आप एक स्कूल गतिविधि (जैसे स्वच्छता अभियान, गेमिंग टूर्नामेंट, प्रदर्शनी, या क्लब मीटिंग) आयोजित करना चाहते हैं।

- अपनी शिक्षक/स्कूल प्राधिकारी को अनुमति मांगते हुए एक औपचारिक ईमेल लिखें।
- आपका ईमेल शामिल होना चाहिए- एक स्पष्ट विषय रेखा, एक विनम्र अभिवादन (माननीय सर/मैडम या प्रिय शिक्षक),
- यह स्पष्ट विवरण कि आप कौन हैं, आप क्या करना चाहते हैं, यह कब होगा, और यह क्यों महत्वपूर्ण है।
- एक विनम्र समापन आपके नाम और कक्षा के साथ।

गतिविधि 3 क्या यह AI है या सिर्फ एक मशीन?

शिक्षार्थी सक्षम होंगे

- एआई का अर्थ समझने में।
- एआई और साधारण मशीनों के बीच अंतर पहचानने में।

संचालक के लिए निर्देश

- उदाहरणों को एक-एक करके पढ़कर सुनाएं।
- शिक्षार्थियों से कहें कि वे AI या Not AI पर निशान लगाएं।
- समझाएं कि सीखना और पैटर्न पहचानना एआई की मुख्य विशेषताएँ हैं।

चिंतन प्रश्न

प्रश्न 1- कौन सा उदाहरण आपको सबसे अधिक आश्चर्यजनक लगा?

प्रश्न 2- बुद्धिमत्ता के लिए सीखना क्यों महत्त्वपूर्ण है?

गतिविधि 4 AI या इंसान?

शिक्षार्थी सक्षम होंगे

- एआई और मानव बुद्धिमत्ता के बीच अंतर समझने में।
- इंसानों और मशीनों के सहयोग के महत्त्व को पहचानने में।

संचालक के लिए निर्देश

- स्थिति वाली तालिका (situation table) दिखाएं।
- शिक्षार्थियों से कहें कि वे AI, Human या Both पर निशान लगाएं।
- उनके चयन के पीछे का कारण समझने के लिए चर्चा करें।

विकसित होने वाले उद्यमी कौशल

विश्लेषणात्मक सोच **नैतिक सोच** **निर्णय लेने की क्षमता**

निष्कर्ष

- एआई तब सबसे अच्छा काम करता है जब उसे इंसानों की रचनात्मकता, संवेदनशीलता और समझ के साथ मिलाकर उपयोग किया जाए।

संकल्पना

डिजिटल साक्षरता (UNESCO, 2018)-
डिजिटल तकनीकों का उपयोग करते हुए सुरक्षित तरीके से जानकारी तक पहुँचने, उसे समझने, प्रबंधित करने, मूल्यांकन करने और नई जानकारी बनाने की क्षमता।

ICT साक्षरता (P21 Framework) में शामिल हैं-
- डिजिटल साधनों की मदद से शोध करना
- संवाद और सहयोग करना
- डिजिटल सामग्री बनाना और सुरक्षा का ध्यान रखना

कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI)
एआई उन मशीनों को कहा जाता है जो डेटा के आधार पर सीख सकती हैं, पैटर्न पहचान सकती हैं और निर्णय ले सकती हैं।

मुख्य विचार-
तकनीक तब सबसे अधिक प्रभावशाली होती है जब उसका उपयोग जिम्मेदारी, रचनात्मकता और स्पष्ट उद्देश्य के साथ किया जाए।

अभ्यास कार्य- डिजिटल साधन पहचानें
शिक्षार्थी किसी एक व्यक्ति को डिजिटल साधन का उपयोग करते हुए देखें (जैसे **UPI, WhatsApp, YouTube, Google** आदि) और एक विस्तृत अनुच्छेद लिखें जिसमें यह बताएं-
- वह व्यक्ति कौन है
- उसने कौन सा डिजिटल साधन उपयोग किया
- उस साधन ने उसकी कैसे मदद की और क्यों
- भविष्य में शिक्षार्थी उसी साधन का उपयोग कैसे कर सकता है

अंत में यह वाक्य लिखें-
“इससे मुझे समझ आता है कि डिजिटल साधन कई सरल और प्रभावी तरीकों से हमारी मदद कर सकते हैं।”

अध्याय 08

वित्तीय साक्षरता की नींव

कालांश: 4

पिछले अध्याय में हमने सीखा कि डिजिटल साधन हमारे दैनिक जीवन का हिस्सा हैं, भले ही हमें हमेशा इसका एहसास न हो। वीडियो देखना, ऑनलाइन खोज करना, **UPI** से भुगतान करना या **WhatsApp** पर बातचीत करना—ये सभी सरल काम वास्तव में महत्वपूर्ण डिजिटल कौशल हैं। हमने यह भी देखा कि फल विक्रेता, दर्जी और घर से बेकिंग करने वाले जैसे छोटे व्यवसायी भी इन्हीं साधनों का उपयोग अपने उत्पादों का प्रचार करने, नए कौशल सीखने और ग्राहकों से जुड़ने के लिए करते हैं।

अधिगम उद्देश्य

शिक्षार्थी सक्षम होंगे

- आवश्यकताओं, जरूरतों और इच्छाओं के बीच स्पष्ट रूप से अंतर बता पाने में।
- यह पहचानने में कि खर्च करने के निर्णय हमारी प्राथमिकताओं को दिखाते हैं और यह सीखना कि पैसे का उपयोग कहाँ और कैसे करना है।
- आय, खर्च, लाभ, बचत और पुनर्निवेश जैसे मूल वित्तीय विचारों को सरल उदाहरणों के माध्यम से समझने में।
- वास्तविक जीवन की स्थितियों और केस स्टडी के माध्यम से समझने में कि समझदारी से की गई वित्तीय योजना व्यवसाय की वृद्धि में कैसे मदद करती है।
- खर्चों को लिखकर, अनावश्यक खर्च पहचानकर और सरल योजना बनाकर जिम्मेदार पैसे की आदतें विकसित करने में।

अध्याय का अवलोकन

पैसा हमारे दैनिक जीवन और हर व्यवसाय में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। लेकिन पैसे का समझदारी से उपयोग करने के लिए हमें सबसे पहले यह समझना होगा कि **हमें क्या चाहिए** और **हम क्या चाहते हैं** । **आवश्यकताएँ** वे चीज़ें हैं जिनके बिना हमारा काम नहीं चल सकता, जैसे भोजन, कपड़े, कॉपियाँ या दवाइयाँ। **इच्छाएँ** वे अतिरिक्त चीज़ें हैं जिन्हें हम पसंद करते हैं, जैसे महंगे जूते, गेमिंग एक्सेसरीज़ या नए गैजेट्स। दोनों ही जीवन का हिस्सा हैं, लेकिन जब हम आवश्यकताओं को पहले रखते हैं तो हम बेहतर निर्णय ले पाते हैं।

इस अध्याय में हम समझेंगे कि आवश्यकताओं और इच्छाओं का अंतर जानना केवल हमारे व्यक्तिगत जीवन में ही नहीं बल्कि व्यवसाय में भी क्यों महत्वपूर्ण है।उद्यमियों को यह तय करना होता है कि पैसा कहाँ खर्च करना है, कितना बचाना है और किसमें निवेश करना है ताकि उनका व्यवसाय आगे बढ़ सके। अगर वे इच्छाओं को आवश्यकताओं समझ लें तो पैसा बेकार खर्च हो सकता है और नुकसान हो सकता है। लेकिन जब वे पहले आवश्यकताओं पर ध्यान देते हैं तो वे मजबूत और सफल व्यवसाय बना पाते हैं।

अध्याय का औचित्य

आज के शिक्षार्थी प्रौद्योगिकी से घिरे हुए बड़े होते हैं, लेकिन डिजिटल उपकरणों का उपयोग करना स्वतः ही डिजिटल साक्षर होने का संकेत नहीं है। यह अध्याय शिक्षार्थियों को प्रौद्योगिकी के आकस्मिक उपयोग से उद्देश्यपूर्ण और जिम्मेदार उपयोग की ओर बढ़ने में सहायता करता है। डिजिटल कौशल को उद्यमिता, संचार और रचनात्मकता से जोड़कर, यह अध्याय शिक्षार्थियों को आत्मविश्वासी, नैतिक और भविष्य-तैयार नागरिक बनने के लिए तैयार करता है, जो NEP 2020 के अनुरूप हैं।

SDG और NEP 2020 के साथ जुड़ाव

अध्याय का मुख्य फोकस	संबंधित SDGs	यह अध्याय SDGs को कैसे समर्थन देता है	NEP 2020 से जुड़ाव
खर्च को समझना और जरूरत (needs), इच्छा (wants) और essential आवश्यकता के अंतर को समझकर वित्तीय साक्षरता से परिचित होना सोच-समझकर खर्च करना और संसाधनों का सही उपयोग सीखना	SDG 4 – गुणवत्तापूर्ण शिक्षा। SDG 12 – जिम्मेदार उपभोग और उत्पादन	शिक्षा में जीवन कौशल को एकीकृत करना। वित्तीय जागरूकता को बढ़ावा देना। सीखने को वास्तविक जीवन के निर्णय लेने से जोड़ना।	यह अध्याय NEP 2020 का समर्थन करता है- शिक्षा में जीवन कौशल को शामिल करके वित्तीय जागरूकता को बढ़ावा देकर सीखने को वास्तविक जीवन के निर्णयों से जोड़कर.

गतिविधि 1 हमारे खर्च को समझना

शिक्षार्थी सक्षम होंगे

- यह पहचानने में कि दैनिक जीवन में पैसे का उपयोग किन-किन तरीकों से होता है।
- यह समझने में शुरू करेंगे कि खर्च करने के निर्णय आवश्यकताओं, इच्छाओं और प्राथमिकताओं को दिखाते हैं।

संचालक के लिए निर्देश

- शिक्षार्थियों से कुछ सरल और दैनिक जीवन से जुड़े प्रश्न पूछें ताकि वे पैसे के बारे में सोचें-
- -आपके परिवार रोज़ किन-किन चीज़ों पर पैसा खर्च करते हैं?"
- -"क्या आपको ऐसी कोई चीज़ याद है जो आपको हाल ही में मिली हो, जिसके लिए पैसे की जरूरत नहीं पड़ी?"
- -"अगर हम एक सप्ताह तक पैसे का उपयोग न करें तो क्या होगा?"
- शिक्षार्थियों के 3–4 उत्तर बोर्ड पर लिखें
- (जैसे- भोजन, यात्रा, बिजली, नाश्ता)।
- कक्षा को 3–4 शिक्षार्थियों के समूह में बाँट दें।
- प्रत्येक समूह से कहें कि वे लिखें-
- -तीन चीज़ें जिन पर वे रोज़ या प्रत्येक सप्ताह पैसा खर्च करते हैं
- (जैसे बस किराया, नाश्ता, स्टेशनरी)
- -एक चीज़ जिसे वे खरीदना चाहते हैं लेकिन अभी नहीं खरीद सकते।
- 3–4 मिनट बाद 1–2 समूहों को अपने उत्तर साझा करने के लिए कहें।
- उनके उत्तरों के आधार पर समझाएँ कि हर खर्च का निर्णय किसी ज़रूरत, इच्छा या मूल्य को दिखाता है।

चिंतन प्रश्न

प्रश्न 1. इन तीन वस्तुओं में से कौन सी आवश्यक हैं (जरूरत) और कौन सी वैकल्पिक हैं (इच्छा)?

प्रश्न 2. आपको क्यों लगता है कि आप अभी वह वस्तु नहीं खरीद सकते जो आप चाहते हैं? (पैसा पर्याप्त नहीं / बचत करने की जरूरत / प्राथमिकता नहीं)

प्रश्न 3. अपनी वस्तुओं की तुलना किसी एक सहपाठी से करें और मिलती-जुलती और अलग वस्तुओं का उल्लेख करें।

विकसित होने वाले उद्यमी कौशल

वित्तीय जागरूकता **निर्णय निर्माण** **योजना बनाना**

निष्कर्ष

हर व्यक्ति रोज़ाना खर्च से जुड़े निर्णय लेता है, चाहे वह सोच-समझकर हो या बिना सोचे। अपने खर्च को देखना और लिखकर रखना लोगों को अपनी पैसों की आदतों को समझने में मदद करता है।
जिम्मेदारी से खर्च करने से व्यक्ति अपने संसाधनों का बेहतर तरीके से उपयोग कर पाता है। उद्यमियों के लिए भी अपने खर्चों का ध्यान रखना बहुत ज़रूरी होता है, ताकि उनका व्यवसाय लंबे समय तक सही तरीके से चल सके।

साप्ताहिक कार्य

- पिछले एक हफ्ते में घर पर हुए अपने खर्च को याद करें और यह सूची बनाएं-
- तीन चीजें लिखें, जिन पर आपने या आपके परिवार ने पैसे खर्च किए (जैसे- बस का किराया, नाश्ता, स्टेशनरी)।
- -एक ऐसी चीज लिखें, जिसे आप खरीदना चाहते हैं लेकिन अभी नहीं खरीद पा रहे हैं।
- -बताएं कि इन तीन चीजों में से कौन-सी जरूरत (need) है और कौन-सी इच्छा (want)।
- -1–2 पंक्तियों में लिखें कि आप अभी वह चीज क्यों नहीं खरीद पा रहे हैं जिसे आप चाहते हैं।
- अपनी सूची की तुलना अपनी कक्षा के एक साथी के साथ करें।

गतिविधि 2 क्या यह जरूरत है या इच्छा?

शिक्षार्थी सक्षम होंगे

- आवश्यक वस्तुओं, आवश्यकताओं और इच्छाओं के बीच अंतर समझने में।
- यह समझने में कि खर्च के निर्णय व्यक्तिगत और आर्थिक प्राथमिकताओं को दिखाते हैं।

संचालक के लिए निर्देश

- शिक्षार्थियों को 3–5 सदस्यों के छोटे समूहों में बाँट दें।
- प्रत्येक समूह को निम्नलिखित सूची दें और उसे ध्यान से पढ़ने के लिए कहें-
- किराया
- स्कूल फीस
- फल
- ब्रांडेड जूते
- परिवार की छुट्टी
- दवाइयाँ
- बिजली का बिल

- दूध
- मोबाइल फोन
- गेम कंसोल
- आभूषण
- अब समूहों से कहें कि प्रत्येक वस्तु को तीन श्रेणियों में बाँटें-
- **आवश्यक वस्तुएँ** – जिनके बिना जीवन कठिन हो जाता है
- **ज़रूरतें** – महत्वपूर्ण लेकिन थोड़ा बदल सकती हैं
- **इच्छाएँ** – आराम या पसंद की चीज़ें
- शिक्षार्थी को अपने उत्तर का कारण बताने के लिए प्रोत्साहित करें। उन्हें याद दिलाएँ कि अलग-अलग राय होना सामान्य है और यही सीखने का हिस्सा है।
- समूहों से उनके आवश्यकताएँ–ज़रूरतें–इच्छाएँ तालिका भरने को कहें

आवश्यकताएँ- (जीवन के लिए आवश्यक)		**ज़रूरतें - (महत्त्वपूर्ण लेकिन बदल सकने वाली)**		**इच्छाएँ - (आराम या पसंद की चीज़ें)**

- 2-3 समूहों को उनके टेबल पेश करने के लिए आमंत्रित करें। सोच में अंतर पर चर्चा करें और यह ज़ोर दें कि प्राथमिकताएँ व्यक्ति और परिवार के अनुसार अलग-अलग होती हैं।

चिंतन प्रश्न

प्रश्न 1- आवश्यक, जरूरत और इच्छा तय करते समय आपने क्या देखा?
प्रश्न 2- क्या आपके समूह में सभी की सलाह एक जैसी थी या अलग-अलग? क्यों?
प्रश्न 3- यह गतिविधि हमें यह क्या बताती है कि लोग वित्तीय निर्णय अलग-अलग कैसे लेते हैं?

विकसित होने वाले उद्यमी कौशल

प्राथमिकता तय करना | **जिम्मेदार वित्तीय व्यवहार** | **समीक्षात्मक सोच**

निष्कर्ष

जरूरतें (needs) जीवन और अच्छी सेहत के लिए जरूरी होती हैं, जबकि इच्छाएँ (wants) आराम या खुशी देती हैं। इस अंतर को समझने से लोग पैसों से जुड़े बेहतर और समझदारी वाले निर्णय ले पाते हैं। जब संसाधन सीमित होते हैं तब उद्यमियों के लिए जरूरतों को प्राथमिकता देना बहुत जरूरी होता है।सही और सोच-समझकर लिए गए वित्तीय निर्णय व्यवसाय को आगे बढ़ने और जोखिमों को संभालने में मदद करते हैं

साप्ताहिक कार्य

- अगले 5–6 दिनों तक अपनी आय (जैसे जेब खर्च) और खर्च का रोज़ाना रिकॉर्ड रखें।
- यह समझने के लिए कि आप पैसे का उपयोग कैसे करते हैं, अपने रोज़ के खर्च का एक छोटा रिकॉर्ड बनाएं। जब भी आप थोड़ा भी पैसा खर्च करें—
- नाश्ता
- यात्रा
- स्टेशनरी या कोई अन्य चीज
- तो लिखें कि आपने क्या खरीदा, उसकी कीमत कितनी थी, और वह जरूरत (need), चाहत (want) या जरूरी (essential) थी।
- सप्ताह के अंत में 5–6 वाक्यों का एक छोटा अनुच्छेद लिखें, जिसमें बताएं-
- आपने सबसे ज्यादा किस पर खर्च किया
- कौन से खर्च सच में जरूरी थे
- किन खर्चों से बचा जा सकता था
- और आप अगले हफ्ते कितना बचा सकते हैं
- इस कार्य के अंत में-
- अपने परिवार के किसी सदस्य से बात करें और जानें कि वे आर्थिक निर्णय कैसे लेते हैं।
- वित्तीय अनुशासन का अभ्यास करने के लिए "Savings Jar Challenge" शुरू करें।
- यह सब अपनी कॉपी में भी लिखें।

केस स्टोरी 1 प्रिया का घरेलू मोमबत्ती व्यवसाय

शिक्षार्थी सक्षम होंगे

- आय, खर्च, लाभ और हानि जैसे मूल वित्तीय विचारों को एक वास्तविक उदाहरण से समझने में।
- विद्यार्थी बचत, पुनर्निवेश और खर्च लिखकर रखने के महत्व को समझने में।

संचालक के लिए निर्देश

- शिक्षार्थी केस स्टोरी पढ़ने दें और साथ-साथ उन्हें उसमें आए मुख्य विचारों और महत्वपूर्ण पहलुओं को समझने में मार्गदर्शन करें।
- चर्चा के प्रश्न (Discussion Prompts)
- उद्यमियों के लिए वित्तीय योजना बनाना क्यों महत्वपूर्ण है?
- छोटी-छोटी बचत व्यवसाय के विकास में कैसे मदद कर सकती है?

चिंतन प्रश्न

प्रश्न 1-प्रिया ने ₹500 का उपयोग किस-किस चीज़ के लिए किया?

प्रश्न 2-मोमबत्तियाँ बेचकर प्रिया ने कितनी आय कमाई?

प्रश्न 3-क्या उसे लाभ हुआ या हानि? आपको कैसे पता चला?

विकसित होने वाले उद्यमी कौशल

वित्तीय अनुशासन | अवसर की पहचान | दृढ़ता और पहल | व्यावसायिक योजना की जागरूकता

निष्कर्ष

- छोटे व्यवसाय अक्सर सीमित वित्तीय संसाधनों के साथ शुरू होते हैं। सावधानीपूर्वक योजना बनाना और जिम्मेदार खर्च करना उद्यमियों को अपने व्यवसायों का धीरे-धीरे विस्तार करने में मदद करता है।
- लाभ को पुनः निवेश करने से उद्यमी उत्पादों को सुधार सकते हैं और उत्पादन बढ़ा सकते हैं। दीर्घकालिक सफलता के लिए वित्तीय अनुशासन आवश्यक है

साप्ताहिक कार्य

- सोचें और अपनी नोटबुक में लिखें कि भविष्य में आप एक चीज़ क्या खरीदना चाहते हैं (उदाहरण के लिए- साइकिल, किताबें, हेडफ़ोन, जूते, या एक छोटा गैजेट)।
- आप यह आइटम क्यों चाहते हैं और यह आपके लिए कैसे उपयोगी होगा?
- अनुमान लगाएँ कि इस आइटम की कीमत कितनी हो सकती है (लगभग राशि)।
- लिखें कि आप इस आइटम के लिए पैसा कैसे बचाने की योजना बना सकते हैं (उदाहरण- पॉकेट मनी बचाना, स्नैक्स कम करना, घर पर मदद करके कमाई करना, त्योहार के पैसे बचाना)।
- निर्धारित करें कि इस आइटम के लिए पैसा बचाने में कितना समय लगेगा (सप्ताह या महीने)।
- इस वाक्य को 3–4 वाक्यों में पूरा करें-
- भविष्य में खर्च की योजना बनाने के बारे में मैंने एक चीज़ सीखी है...

संकल्पना

(NCERT की *"Financial Education"* (कक्षा 6–10) और *RBI Financial Literacy Framework* पर आधारित)

- ज़रूरतें वे बुनियादी चीज़ें हैं जो जीवन जीने और रोज़मर्रा के कामों के लिए आवश्यक होती हैं।
- उदाहरण- भोजन, पानी, घर, दवाइयाँ, स्कूल की सामग्री, यात्रा।

NCERT के अनुसार इन्हें **आवश्यक खर्च** माना जाता है, जिन्हें सबसे पहले प्राथमिकता देनी चाहिए।

- इच्छाएँ वे चीज़ें होती हैं जिन्हें हम आराम, खुशी या जीवन शैली को बेहतर बनाने के लिए चाहते हैं।

उदाहरण- ब्रांडेड जूते, वीडियो गेम, आकर्षक स्टेशनरी, गैजेट्स, छुट्टियाँ।

OECD की वित्तीय साक्षरता दिशानिर्देशों के अनुसार, इच्छाओं को समझदारी से संभालना चाहिए क्योंकि इनके कारण अनावश्यक खर्च बढ़ सकता है।

- यह अंतर समझना क्यों महत्वपूर्ण है-

RBI और NCERT दोनों इस बात पर ज़ोर देते हैं कि ज़रूरत और इच्छा के बीच अंतर समझने से लोग-

- बिना सोचे-समझे खर्च करने से बचते हैं
- पैसे की बचत कर पाते हैं
- बजट की योजना बना पाते है
- जिम्मेदार वित्तीय निर्णय ले पाते है
- व्यवसाय को अधिक प्रभावी ढंग से चला पाते हैं
- उद्यमिता कनेक्शन
- सफल उद्यमी अपने व्यवसाय में आवश्यकताओं को प्राथमिकता देते हैं जैसे कच्चा माल, उपकरण, और ग्राहक की आवश्यकताएं, इससे पहले कि वे इच्छाओं पर खर्च करें जैसे सजावट, ब्रांडिंग अपग्रेड, या विस्तार।

अध्याय 09

मूलभूत कानूनी सिद्धांत

A2I6G1

कालांश: 4

पिछले अध्याय में हमने समझा कि समझदारी से पैसे का उपयोग कैसे किया जाता है। हमने आवश्यकता (Essentials), **ज़रुरत (Needs) और इच्छा (Wants)** के बीच का अंतर जाना। हमने यह भी सीखा कि खर्च की योजना बनाना, बचत करना और कमाई को फिर से निवेश करना—जैसा कि प्रिया ने अपने मोमबत्ती के व्यवसाय में किया—हमें पैसे को समझदारी से संभालने में मदद करता है।गतिविधियों और चर्चाओं के माध्यम से हमने यह महसूस किया कि वित्तीय साक्षरता केवल पैसे कमाने के बारे में नहीं है बल्कि उसे सोच-समझकर खर्च करने, अनावश्यक खर्च से बचने और अपने लक्ष्यों के अनुसार निर्णय लेने के बारे में भी है। ये आदतें हमें जिम्मेदार नागरिक और भविष्य के उद्यमी बनने के लिए तैयार करती हैं।

अधिगम उद्देश्य

शिक्षार्थी सक्षम होंगे

- यह समझने में कि ईमानदारी, निष्पक्षता और मौलिकता एक जिम्मेदार व्यवसाय चलाने के लिए क्यों आवश्यक हैं।
- यह जानने में कि हर व्यवसाय में नियमों का पालन क्यों करना चाहिए।
- यह समझने में कि मूल ब्रांड और नकल ब्रांड में क्या अंतर होता है ।
- बौद्धिक संपत्ति जैसे ब्रांड नाम, लोगो और डिज़ाइन के महत्व को समझने में।
- यह जानने में कि कानूनी और नैतिक प्रथाओं का पालन करना व्यवसाय में कैसे मदद करता है।

अध्याय का अवलोकन

प्रत्येक व्यवसाय, चाहे वह छोटा हो या बड़ा, तभी सफल होता है जब वह सही नियमों का पालन करता है। जैसे विद्यालय में नियम होते हैं जो सभी को सुरक्षित और निष्पक्ष माहौल देते हैं, वैसे ही व्यवसायों के भी नियम होते हैं जो ग्राहकों, कर्मचारियों और स्वयं व्यवसाय की रक्षा करते हैं।

इस अध्याय में हम जानेंगे कि रिकॉर्ड रखना, ग्राहकों के साथ ईमानदार रहना, सुरक्षित सामग्री का उपयोग करना, उचित कीमत रखना और दूसरों के विचारों का सम्मान करना किसी भी उद्यमी के लिए क्यों आवश्यक है । चाहे कोई शिक्षार्थी हस्तनिर्मित वस्तुएँ बेचे, नाश्ते का स्टॉल लगाए या कोई ऑनलाइन सेवा शुरू करे, सही तरीके से व्यवसाय करना विश्वास बनाता है और समस्याओं से बचाता है।

मूलभूत कानूनी बातों को समझना हमें गलतियों से बचने, लोगों के साथ निष्पक्ष व्यवहार करने और आत्मविश्वास के साथ अपने व्यवसाय को आगे बढ़ाने में मदद करता है।यह अध्याय विद्यार्थियों को समझाएगा कि जिम्मेदारी, निष्पक्षता और ईमानदारी केवल नियम नहीं हैं, बल्कि एक सफल और सम्मानित व्यवसाय की नींव हैं।

अध्याय का औचित्य

आज के शिक्षार्थी तकनीक से घिरे हुए बड़े होते हैं, लेकिन डिजिटल उपकरणों का उपयोग करना स्वचालित रूप से डिजिटल साक्षर होने का अर्थ नहीं है। यह अध्याय शिक्षार्थियों को तकनीक के आकस्मिक उपयोग से उद्देश्यपूर्ण और जिम्मेदार उपयोग की ओर अग्रसर होने में मदद करता है। डिजिटल कौशल को उद्यमिता, संचार, और रचनात्मकता से जोड़कर, यह अध्याय शिक्षार्थियों को आत्मविश्वासी, नैतिक और भविष्य के लिए तैयार नागरिक बनने के लिए तैयार करता है, जो NEP 2020 के अनुरूप हैं

SDG और NEP 2020 के साथ जुड़ाव

अध्याय का मुख्य फोकस	संबंधित SDGs	यह अध्याय SDGs को कैसे सहयोग देता है	NEP 2020 के साथ सामंजस्य
वास्तविक जीवन की समस्याओं को अवलोकन के माध्यम से पहचानना समुदाय की ज़रूरतों के प्रति जागरूकता विकसित करना और समाधान की दिशा में पहला कदम उठाने के लिए समस्या के प्रति संवेदनशील बनाना	SDG 4- गुणवत्तापूर्ण शिक्षा SDG 11- सतत शहर और समुदाय SDG 8- सम्मानजनक कार्य और आर्थिक विकास	अवलोकन, प्रश्न पूछने और वास्तविक जीवन की समस्या पहचान के माध्यम से आलोचनात्मक सोच को प्रोत्साहित करता है। शिक्षार्थी अपने आस-पास की रोजमर्रा की समस्याओं का अवलोकन करते हैं, जिससे समुदाय की आवश्यकताओं के प्रति जागरूकता बढ़ती है। समुदाय की आवश्यकताओं के प्रति जागरूकता बढ़ाता है और समस्याओं की संवेदनशीलता को समाधान की दिशा में पहला कदम बनने के लिए प्रोत्साहित करता है।	पाठ्यपुस्तकों से परे वास्तविक दुनिया के अवलोकन के माध्यम से अनुभवात्मक, पूछताछ-आधारित सीखने के साथ दृढ़ता से संरेखित। आलोचनात्मक सोच और जिज्ञासा का विकास, जो कि NEP 2020 में दर्शायी गई मुख्य क्षमताएं हैं। शिक्षार्थियों को निष्क्रिय सीखने वाले की बजाय सक्रिय समस्या-समाधानकर्ता बनने के लिए प्रोत्साहित करना

गतिविधि 1 असली या नकली?

शिक्षार्थी सक्षम होंगे

- यह समझने में कि प्रत्येक व्यवसाय का अपना अलग नाम, लोगो और पहचान होना चाहिए।
- यह जागरूकता बढ़ाने में कि किसी दूसरे ब्रांड की नकल करना गलत, भ्रामक और गैर-कानूनी है।1

संचालक के लिए निर्देश

- गतिविधि शुरू करते हुए विद्यार्थियों से कहें- "आज हम देखेंगे कि प्रत्येक व्यवसाय के लिए अपनी अलग पहचान होना क्यों ज़रूरी है।"
- बोर्ड पर दो मिलते-जुलते ब्रांड लिखें या दिखाएँ, जैसे-
- कोका-कोला बनाम कोका-कोला
- पेप्सी बनाम पैप्सी
- अमूल बनाम अमूल
- (यदि संभव हो, तो स्पष्ट तुलना के लिए मुद्रित या डिजिटल लोगो छवियाँ (logo images) दिखाएँ।
- फिर शिक्षार्थियों से ये प्रश्न पूछें-
- आपको कौन-सा असली ब्रांड लगता है?
- आपने उसे कैसे पहचाना? रंग, अक्षर या लोगो की बनावट से?
- दोनों में आपको क्या अंतर दिखाई देता है?
- क्या नकल वाला नाम भ्रम पैदा करता है? क्यों?
- शिक्षार्थियों को बताएं कि किसी नाम, डिज़ाइन, लोगो या ब्रांड की शैली की बिना अनुमति नकल करना गलत और गैर-कानूनी है। सरल भाषा में इन शब्दों से परिचित कराएँ- **साहित्यिक चोरी (Plagiarism), अधिकारों का उल्लंघन (Infringement), नकल (copying).**

शिक्षार्थियों से पूछें

- क्या आपने बाज़ार में नकली सामान देखा है?
- क्या आपने ऐसे जूते या चिप्स के पैकेट देखे हैं जो असली ब्रांड जैसे दिखते हैं लेकिन थोड़े अलग होते हैं?
- खिलौने ब्रांड, चिप्स के पैकेट, नकल जूते, या स्टेशनरी जैसे उदाहरणों का उपयोग करके विचार को समझने योग्य बनाएं।
- समझाएँ- नकल से नुकसान क्यों होता है?
- ग्राहक भ्रमित हो जाते हैं
- असली ब्रांड को नुकसान होता है
- नकली सामान अक्सर कम गुणवत्ता का होता है
- नकल करने वाले को कानूनी परेशानी हो सकती है
- शिशार्थियों बताएँ कि एक अच्छा उद्यमी हमेशा अपना नाम, अपना लोगो और अपनी शैली से अपनी पहचान बनाता है क्योंकि मौलिकता सम्मान, विश्वास और सफलता कमाती है

चिंतन प्रश्न

प्रश्न 1-असली ब्रांड अपने नाम और लोगो की रक्षा क्यों करते हैं?
प्रश्न 2-अगर कोई आपके विचार या डिज़ाइन की नकल करे तो आपको कैसा लगेगा?
प्रश्न 3-प्रत्येक व्यवसाय के लिए अपनी पहचान होना क्यों आवश्यक है?

विकसित होने वाले उद्यमी कौशल

वित्तीय अनुशासन **अवसर पहचान** **वित्तीय अनुशासन** **व्यवसाय योजना**

निष्कर्ष

- मूल विचार रचनात्मकता और नवाचार को प्रदर्शित करते हैं। किसी और के विचार को बिना सुधार के नकल करना विश्वास और विश्वसनीयता को कम कर सकता है। जो उद्यमी अद्वितीय विचार विकसित करते हैं, वे मजबूत ब्रांड पहचान बनाते हैं। व्यवसाय में नैतिक व्यवहार दीर्घकालिक सम्मान और ग्राहक वफादारी बनाता है।

साप्ताहिक कार्य

- अपने दैनिक जीवन में रचनात्मक कार्यों (जैसे पोस्टर, मोबाइल एप्स, गीत, वीडियो या डिज़ाइन) के उदाहरण ढूँढें और समझाएँ कि इस मूल कार्य की सुरक्षा करना नैतिक और आवश्यक क्यों है।
- यह भी बताएं कि रचनात्मक कार्य की सुरक्षा करने से निर्माता के प्रयास और विचारों का सम्मान कैसे होता है और समाज में नवाचार और रचनात्मकता को कैसे प्रोत्साहन मिलता है। इससे आपको समझने में मदद मिलेगी कि कॉपीराइट कानून निष्पक्ष उपयोग और मौलिकता के लिए क्यों महत्वपूर्ण हैं।

केस स्टोरी 1 रितिका के हस्तनिर्मित बैग

शिक्षार्थी सक्षम होंगे

- यह समझने में कि निष्पक्षता, मौलिकता और नैतिक व्यवहार किसी भी व्यवसाय के लिए क्यों आवश्यक होते हैं।
- यह पहचानने में कि किसी और के काम की नकल करना विश्वास, रचनात्मकता और ईमानदार प्रतिस्पर्धा को नुकसान पहुँचाता है।

संचालक के लिए निर्देश

- शिक्षार्थियों को केस स्टोरी पढ़ने दें। उनसे उस भाग को रेखांकित करने के लिए कहें जो दिखाता है- मूल विचार और ब्रांड नाम, नकल की समस्या और उसने इस समस्या को कैसे हल किया।
- चर्चा प्रोत्साहन
- रितिका के उत्पाद को अनोखा क्या बनाता है
- व्यवसाय में मौलिकता क्यों महत्वपूर्ण है?

चिंतन प्रश्न

प्रश्न 1-रितिका का मूल व्यवसायिक विचार क्या था?
प्रश्न 2-किसी और के डिज़ाइन या व्यवसायिक विचार की नकल करना गलत क्यों है?
प्रश्न 3-दूसरे समूह के व्यवहार का रितिका की टीम पर क्या असर पड़ा?
प्रश्न 4-नकल करने के बजाय दूसरा समूह क्या कर सकता था?

विकसित होने वाले उद्यमी कौशल

रचनात्मक सोच | बाजार जागरूकता | समस्या का समाधान | आत्मविश्वास और पहल

निष्कर्ष

- रचनात्मकता उद्यमियों को ऐसे उत्पाद विकसित करने में मदद कर सकती है जो बाजार में अलग दिखें। अद्वितीय डिज़ाइन या सामग्री का उपयोग ग्राहकों को आकर्षित कर सकता है। उद्यमी अक्सर साधारण विचारों को विशिष्ट उत्पादों में बदलकर सफलता प्राप्त करते हैं। ग्राहक प्रामाणिकता और मौलिकता को महत्व देते हैं।

साप्ताहिक कार्य

- अपने पड़ोस, बाजार, स्कूल, या घर में एक निरीक्षण चलें और तीन विभिन्न लोगो या प्रतीक पहचानें जो व्यवसायों या उत्पादों द्वारा उपयोग किए जाते हैं।
- हर लोगो या प्रतीक के लिए
- ब्रांड नाम लिखें और बताएं कि आपने इसे कहाँ पाया।
- यह समझाएं कि ट्रेडमार्क कैसे ब्रांड की पहचान की सुरक्षा करता है और ग्राहकों का विश्वास कैसे बनाता है जिससे लोगों को असली उत्पादों को पहचानने में मदद मिलती है।

गतिविधि 2 अपना ब्रांड बनाइए

शिक्षार्थी सक्षम होंगे

- यह समझने में कि किसी ब्रांड की पहचान बनाने में मौलिकता (Originality) कितनी महत्वपूर्ण होती है।
- रचनात्मकता, नैतिक सोच और आत्मविश्वास को बढ़ावा देने में ताकि वे अपने अनूठे और अलग व्यवसायिक विचार विकसित कर सकें।

संचालक के लिए निर्देश

- शिक्षार्थियों को 4–5 के समूह में बाँटें
- प्रत्येक समूह से कहें कि वे एक सरल व्यवसाय का विचार सोचें (जैसे- स्नैक्स स्टॉल, हाथ से बने साबुन, पर्यावरण-अनुकूल बैग, बुकमार्क, मोमबत्तियाँ)।
- प्रत्येक समूह को चार्ट पेपर या A4 शीट, साथ में स्केच पेन, क्रेयॉन और मार्कर दें।
- उन्हें यह बनाने के लिए कहें-
- एक अनूठा ब्रांड नाम
- एक अनूठा लोगो
- (वैकल्पिक) एक छोटा सा नारा
- उन्हें याद दिलाएँ-
- “आपका ब्रांड पूरी तरह मौलिक होना चाहिए। किसी पहले से मौजूद ब्रांड का नाम, लोगो, रंग या स्पेलिंग कॉपी न करें।”
- “सोचें कि आपका विचार दूसरों से अलग और विशेष कैसे है।”
- उन्हें अपना ब्रांड पोस्टर तैयार करने के लिए 7–10 मिनट दें।
- अंत में 2–3 समूहों को आमंत्रित करें कि वे कक्षा के सामने अपना ब्रांड नाम, लोगो और विचार प्रस्तुत करें।

चिंतन प्रश्न

प्रश्न 1-आपका ब्रांड दूसरों की तुलना में किस तरह अलग और खास है?
प्रश्न 2-किसी व्यवसाय के लिए अपने नाम और लोगो की सुरक्षा करना क्यों आवश्यक होता है?
प्रश्न 3-अगर कोई किसी और के ब्रांड की नकल करे तो इससे विश्वास और प्रतिष्ठा पर क्या असर पड़ सकता है?

विकसित होने वाले उद्यमी कौशल

ब्रांडिंग और संचार | रचनात्मक अभिव्यक्ति | रणनीतिक सोच | प्रस्तुति कौशल

निष्कर्ष

- एक ब्रांड ग्राहकों को किसी उत्पाद या व्यवसाय को पहचानने और याद रखने में मदद करता है। नाम, लोगो और टैगलाइन जैसे तत्व ब्रांड की पहचान में योगदान देते हैं। मजबूत ब्रांडिंग उत्पाद के उद्देश्य और मूल्य को संप्रेषित करती है। उद्यमी ग्राहकों से जुड़ने और विश्वास बनाने के लिए ब्रांडिंग का उपयोग करते हैं।

गतिविधि 3 विद्यालय मेले में स्नैक बेचना

शिक्षार्थी सक्षम होंगे

- यह समझने में कि किसी भी व्यवसायिक गतिविधि को शुरू करने से पहले अनुमति लेना, नियमों का पालन करना और सुरक्षा जाँच करना क्यों आवश्यक है।
- यह सीखने में कि निर्धारित प्रक्रियाओं का पालन करने से व्यवसायिक वातावरण में निष्पक्षता, विश्वास और जिम्मेदारी कैसे बनती है।

संचालक के लिए निर्देश

- सबसे पहले शिक्षार्थियों से पूछें
- "अगर आप कल विद्यालय मेले में स्नैक्स बेचना चाहें तो सबसे पहले आपको कौन-कौन से कदम उठाने होंगे?"
- शिक्षार्थियों से 4–5 उत्तर लें। फिर उन्हें संक्षेप में समझाएँ
- हम बिना अनुमति लिए बिक्री शुरू नहीं कर सकते।
- अनुमति लेने से सुरक्षा, निष्पक्षता और व्यवस्था बनी रहती है।
- कक्षा को चार समूहों में बाँटें और हर समूह को एक भूमिका दें
- समूह 1- शिक्षार्थी उद्यमी (स्नैक्स बेचने वाले)
- समूह 2- विद्यालय प्रबंधन (प्रिंसिपल/शिक्षक जो अनुमति देंगे)
- समूह 3- अभिभावक/समुदाय (सुरक्षा और स्वच्छता को लेकर चिंतित)
- समूह 4- आगंतुक/ग्राहक (जो तय करेंगे कि खरीदना है या नहीं)
- समूहों को 5 मिनट दें ताकि वे 2 मिनट का छोटा रोल-प्ले तैयार कर सकें। इसमें यह दिखाया जाए-
- शिक्षार्थी अनुमति माँग रहे हैं
- विद्यालय नियमों की जाँच कर रहा है (स्वच्छता, सुरक्षा, निष्पक्षता, जगह का सही उपयोग)
- अभिभावक/ग्राहक सुरक्षा और स्वच्छता पर प्रतिक्रिया दे रहे हैं
- यह निर्णय लिया जा रहा है कि नियमों का पालन हुआ या नहीं
- अंत में 2–3 समूहों को आगे आने के लिए आमंत्रित करें ताकि वे कक्षा के सामने अपना रोल-प्ले प्रस्तुत कर सकें।

चिंतन प्रश्न

प्रश्न 1-आपके रोल-प्ले में अनुमति किसने दी और इसकी आवश्यकता क्यों थी?

प्रश्न 2-अगर शिक्षार्थी बिना अनुमति और नियमों के सामान बेचने लगें तो कौन-सी समस्याएँ हो सकती हैं?

प्रश्न 3-नियम किस तरह विद्यालय मेले को अधिक सुरक्षित, निष्पक्ष और व्यवस्थित बनाते हैं?

प्रश्न 4-सही प्रक्रिया का पालन करना ईमानदारी और जिम्मेदारी को कैसे दिखाता है?

विकसित होने वाले उद्यमी कौशल

ग्राहक समझ | **टीमवर्क और सहयोग** | PLAN **मूलभूत व्यवसाय योजना** | **संचार और प्रेरणा**

निष्कर्ष

- बिक्री में ग्राहक की जरूरतों और पसंद को समझना शामिल है। मूल्य निर्धारण, प्रचार और सेवा की योजना बनाना व्यवसायों को ग्राहकों को आकर्षित करने में मदद करता है। किसी व्यावसायिक गतिविधि का प्रबंधन करते समय टीमवर्क और संचार आवश्यक हैं। सकारात्मक ग्राहक अनुभव दोहराव वाली खरीदों और विश्वास को प्रोत्साहित करते हैं।

केस स्टोरी 2 अर्जुन और रवि का स्नैक स्टॉल

शिक्षार्थी सक्षम होंगे

- यह समझने में कि किसी व्यवसाय को चलाते समय अनुमति लेना, स्वच्छता बनाए रखना और निष्पक्षता रखना क्यों महत्वपूर्ण है।
- यह सीखने में कि छोटे रास्ते (शॉर्टकट) कभी-कभी जल्दी सफलता दे सकते हैं लेकिन लंबे समय तक भरोसा केवल ईमानदारी और जिम्मेदारी से ही बनता है।

संचालक के लिए निर्देश

- छात्रों को कहानी पढ़ने दें और उन्हें कहानी के महत्वपूर्ण पहलुओं को रेखांकित करने के लिए मार्गदर्शन करें|
- चर्चा के सुझाव
- कौन-सी रणनीतियों ने उन्हें सफल होने में मदद की?
- ग्राहक अनुभव बिक्री को कैसे प्रभावित करता है?

चिंतन प्रश्न

प्रश्न 1-व्यवसाय चलाने में नियम क्यों महत्वपूर्ण होते हैं?

प्रश्न 2-रवि के स्टॉल में क्या गलत हुआ?

प्रश्न 3 यह कहानी निष्पक्षता और जिम्मेदारी के बारे में हमें क्या पाठ सिखाती है?

विकसित होने वाले उद्यमी कौशल

ग्राहक सेवा **प्रारंभिक प्रशिक्षण** **व्यावहारिक व्यवसाय सोच**

निष्कर्ष

- मित्रवत सेवा और उचित मूल्य निर्धारण ग्राहक के निर्णयों को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित कर सकते हैं। उद्यमियों को उत्पाद की गुणवत्ता और ग्राहक अनुभव दोनों पर विचार करना चाहिए। प्रस्तुति और संचार जैसी सरल रणनीतियाँ बिक्री बढ़ा सकती हैं। छोटे उद्यमिता प्रयोग शिक्षार्थियों को वास्तविक दुनिया के व्यवसायिक अभ्यास को समझने में मदद करते हैं।

साप्ताहिक कार्य

- अपने **नज़दीकी बाजार** की सैर करें।
- **दुकान के अंदर या बाहर** बेचे जाने वाले आइटम्स का अवलोकन करें।
- उत्पादों या बोर्डों पर **ब्रांड नाम** देखें।
- निर्णय लें कि ब्रांड नाम **मूल है या नकल**किया गया।
- **नीचे दिए गए कॉलमों** के साथ अपने अवलोकन को एक तालिका में लिखें
  - आइटम
  - ब्रांड नाम
  - मूल या नकल किया गया?
  - आपको ऐसा क्यों लगा?
- **अगली कक्षा में जमा करें।**

संकल्पना

- विश्व बौद्धिक संपदा संगठन (WIPO) के अनुसार, बौद्धिक संपदा रचनाकारों को उनके विचारों, नामों और लोगो पर एक निश्चित समय तक विशेष अधिकार देती है। जिसमें नाम और लोगो भी शामिल होते हैं। बौद्धिक संपदा कानूनों का सम्मान करके उद्यमी अपनी मौलिकता की रक्षा करते हैं और नकल को रोकते हैं।इसी तरह, जिम्मेदार व्यवसाय के लिए बनाए गए ढाँचे-जैसे OECD के "OECD Guidelines for Multinational Enterprises"यह बताते हैं कि कंपनियों को अपने सभी कामों में ईमानदारी, निष्पक्षता और जवाबदेही के साथ काम करना चाहिए। कानूनी नियमों और नैतिक मानकों का पालन करने से व्यवसाय लोगों का विश्वास जीतते हैं, जिम्मेदारी से काम करते हैं और जोखिमों से बचते हैं। इसी वजह से विश्वास किसी भी मजबूत और लंबे समय तक चलने वाले व्यवसाय की सबसे बड़ी नींव होता है।

अस्वीकरण

इस NEEEV शिक्षक निर्देशिका में सभी कहानियाँ वास्तविक लोगों की घटनाओं से संबंधित हैं। कुछ मामलों में, समयरेखा या अन्य तत्व वास्तविक उद्यमियों के अनुभवों से थोड़े भिन्न हो सकते हैं। इन कहानियों और गतिविधियों का उद्देश्य उनके यात्रा के विशिष्ट पहलुओं को उजागर करना है, जिससे छात्र प्रेरित और उत्साहित हों। ये कहानियाँ केवल शैक्षिक उद्देश्यों के लिए चुनी गई हैं और किसी उद्यमी या उनके व्यवसाय का समर्थन या प्रचार नहीं समझी जानी चाहिए। राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (SCERT) किसी भी कानूनी मामले, उल्लंघन या विवादास्पद कार्य के लिए जिम्मेदार नहीं ठहराई जा सकती। पाठ्यचर्या के उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए, जानबूझकर सरल और संवादात्मक भाषा का प्रयोग किया गया है। पाठकों से अनुरोध है कि वे भाषा के मानक रूप से मेल खाने पर ध्यान न दें।

NEEEV Facilitator Assessment Checklist

(To be recorded twice in a year)

April to September /October to March

Academic Year:____________ Student Name: _________________________

Class & Section: ___________

Weekly Tasks(for all classes)	Ideation (for all classes, specifically class 9) Also, in classroom activities across all classes	Teamwork (for all classes)
☐ All tasks completed on time	☐ Generated creative ideas	☐ Shared responsibilities fairly
☐ Consistent submission	☐ Contributed regularly	☐ Cooperated effectively
☐ Met deadlines	☐ Built on team ideas	☐ Positive group behaviour

Prototype Progress(specifically for class 10 and 11)	Presentation/Pitching(specifically for class 11 and 12) Applicable to other classes in classroom activities	Overall Growth
☐ Contributed to design	☐ Clear, confident delivery	☐ Accepted feedback well
☐ Tested iterations	☐ Handled Q&A effectively	☐ Showed steady improvement
☐ Met milestones	☐ Team support provided	☐ Resilient to challenges

Key Strengths: ____

Areas for Improvement: _____________________________________

Teacher Signature: _________________________ **Date:** ___________

सलाहकार

श्री पांडुरंग के. पोले, सचिव (शिक्षा), दिल्ली सरकार

सुश्री वेदिता रेड्डी, शिक्षा निदेशक, दिल्ली सरकार

डॉ. रीता शर्मा, निदेशक, एस.सी.ई.आर.टी., दिल्ली सरकार

मार्गदर्शन

डॉ. मुकेश यादव, सचिव, एस.सी.ई.आर.टी., दिल्ली

संपादक

डॉ. सपना यादव, सहायक प्रोफेसर एवं अध्यक्ष-NEEEV, एस.सी.ई.आर.टी., दिल्ली

डॉ.समीर गोकर्ण, सहायक प्रोफेसर, नेताजी सुभाष प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, दिल्ली

योगदानकर्ता

डॉ. सपना यादव, सहायक प्रोफेसर एवं अध्यक्ष-NEEEV, एस.सी.ई.आर.टी., दिल्ली

डॉ. ऋतिका ग्रोवर, सहायक प्रोफेसर, हंसराज कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय

श्री आदित्य अरोड़ा, निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी (CEO), FAAD कैपिटल

श्री चंदन झा, टी.जी.टी. प्राकृतिक विज्ञान, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक बाल विद्यालय, घिटोरनी

श्री रुपिंदर गर्ग, टी.जी.टी. प्राकृतिक विज्ञान, राजकीय (सह शिक्षा) उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, लाजपत नगर

सुश्री डिंपल मलिक, पी.जी.टी. उद्यमिता (Entrepreneurship), मैक्सफोर्ट स्कूल, द्वारका

सुश्री दिप्ती डेका, फ्रीलांसर

श्री किशन कुमार, सहायक प्रोफेसर, एस.सी.ई.आर.टी., दिल्ली

सुश्री मीनू गुप्ता, सहायक प्रोफेसर, एस.सी.ई.आर.टी., दिल्ली

समीक्षा विशेषज्ञ

डॉ. शिक्षा कुशवाह, सहायक प्रोफेसर, नेताजी सुभाष प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, दिल्ली

सुश्री सारिका रतवाल, प्रधानाचार्य, जी.जी.एस.एस.एस., सं. 2, नजफगढ़, दिल्ली

अनुवादक समूह

श्री विक्रम सिंह, प्र. स्ना. शि. (हिन्दी), सी.एम. श्री स्कूल, लांसर रोड, दिल्ली

सुश्री प्रिया दीक्षित, प्र. स्ना. शि. (हिंदी) ,सर्वोदय कन्या विद्यालय, राज नगर II, दिल्ली

सुश्री अनुप्रिया सखूजा, पी.आर.टी., द आर्डी स्कूल, दिल्ली

विज़ूअल डिजाइन

सुश्री दिप्ती डेका, फ्रीलांसर

एस.सी.ई.आर.टी.–NEEEV टीम

श्री फिरदौस अहमद, बी.आर.पी., एस.सी.ई.आर.टी., दिल्ली

सुश्री सोनम यादव, बी.आर.पी., एस.सी.ई.आर.टी., दिल्ली

प्रकाशन टीम

श्री दिनेश कुमार शर्मा, ए.एस.ओ., एस.सी.ई.आर.टी., दिल्ली

सुश्री फ़ौज़िया, बी.आर.पी., एस.सी.ई.आर.टी., दिल्ली

टिप्पणियाँ

ISBN No. 978-93-6291-018-9

SCERT

स्वाध्यायान्मा प्रमदः

राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद
वरूण मार्ग, डिफेंस कॉलोनी, नई दिल्ली-110024